शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, सोमवार 22 सितंबर 2025 ● आश्विन शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 165 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

नवरात्रि : केवल उत्सव नहीं, आत्मा से जुड़ने का अवसर

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

हम नौ महीने मां के गर्भ में रहते हैं. गर्भ के भीतर केवल अंधकार होता है - रात ही रात. नौ महीने बाद जब हम जन्म लेते हैं, तो हमारे सामने एक नई सृष्टि दिखाई देती है. ठीक उसी प्रकार नवरात्रि के ये नौ दिन मां के स्मरण और अपनी आत्मा से गहराई में जुड़ने के लिए हैं. नवरात्रि हमें तीनों प्रकार के तापों से मुक्त करती है - आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक.

हर 'रात' समूची सृष्टि को अपनी गोद में लेकर विश्राम देती है, विविधता, विभिन्नता को दूर करके एकता में लाकर सब को विश्राम देती है. हमारे ऋषियों मुनियों ने जो भी शब्द गढ़े, उनमें उसकी क्रिया निहित है. 'रात्रि' शब्द सुनते ही हमारे भीतर शांति और विश्राम का अनुभव जाग उठता है.

नव रात्रि में अपने आप में, अपनी आत्मा में, अपनी चेतना में डुबकी लगाओ मगन हो जाओ, भजन करो, कीर्तन करो कम से कम मन को इन नौ दिन में किसी और चीजों में मत लगाओ. मित आहार या तो फल वगैरह लेकर उपवास करो. इस तरह से चेतना को भक्ति की लहर में लगाओ. उपवास का असली अर्थ केवल अन्न से दूर रहना नहीं है, बल्कि मन को व्यर्थ विषयों से हटा कर दिव्य ऊर्जा से जोड़ना है. तब क्या होता है सारे असुर दूर हो जाते हैं - महिषासुर, रक्तबीजासुर, मधु- कैटभ.

असुरों का प्रतीकात्मक अर्थ

देवी के द्वारा जिन असुरों का संहार हुआ, वे वास्तव में हमारे भीतर की प्रवृत्तियां हैं.

मधु और कैटभ – मधु का अर्थ है राग और कैटभ का अर्थ है द्वेष. देवी सबसे पहले इन्हीं का संहार करती हैं. पुराणों में कहा गया है कि मधु और कैटभ विष्णु जी के कान के मैल से उत्पन्न हुए. सुनने से ही राग और द्वेष जन्म लेते हैं. जो सृष्टि का संचालन करता है, उसे चारों ओर से अनेक बातें सुननी पड़ती हैं. लेकिन जो संहार करता है, वह किसी की नहीं सुनता इसलिए शिवजी को न राग है, न द्वेष; ब्रह्मा जी को भी न राग है, न द्वेष.

नवरात्रि का सच्चा संदेश

नवरात्रि केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और साधना का अवसर है. इन दिनों में यदि हम अपनी चेतना को भक्ति और ध्यान में लगाएं, तो भीतर के असुर—राग-द्वेष, जड़ता और नकारात्मक संस्कार—सब मिट जाते हैं. जब चेतना प्रेम और भक्ति में रच-बस जाती है, तब केवल अनुराग ही शेष रह जाता है. यही नवरात्रि का वास्तविक संदेश है.

विष्णु जी अपने ही कान के मैल (अर्थात् राग-द्वेष) से उत्पन्न इन असुरों से एक हज़ार वर्षों तक लड़े, पर उन्हें समाप्त नहीं कर पाए. अपने से ही उपजे दोष को स्वयं मिटाना कठिन होता है. तब उन्होंने देवी -चेतना शक्ति को पुकारा. जब चेतना बढ़ जाती है, तो राग-द्वेष दोनों मिट जाते हैं.

देवी ने विष्णु की प्रार्थना स्वीकार कर जल में प्रवेश किया और वहीं मधु- कैटभ का संहार किया. जल प्रतीक है प्रेम का. जब चेतना प्रेममय हो जाती है, तब न राग बचता है न द्वेष,केवल अनुराग ही शेष रह जाता है.

चंड और मुंड—'चंड' का अर्थ केवल सिर (बुद्धि) और 'मुंड' का अर्थ केवल धड़ (भावना)। बुद्धि बिना हृदय के व्यक्ति को कठोर बना देती है, और भावना बिना विवेक के जीवन को अव्यवस्थित कर देती है. जब चेतना जगती है, तो इन दोनों का संतुलन स्थापित करती है.

महिषासुर—भैंस के समान जड़ता का प्रतीक. जब जीवन बिना किसी समझ के, केवल बोझिल ढंग से चलता है, वह महिषासुर है. इस जड़ता को समाप्त करना तभी संभव है, जब चैतन्य शक्ति जाग जाए सभी देवी-देवताओं ने अपने अस्त्र-शस्त्र मान मां को दिए अपने सभी कला कौशल प्रदान किये तो देवी मां ने महिषासुर का वध किया. जड़ता को नष्ट करने के लिए चैतन्य शक्ति की आवश्यकता होती है.

रक्तबीजासुर—यह हमारे डीएनए और संस्कारों का प्रतीक है-रक्त +बीज +असुर. माने आपके डीएनए में जो गुण पड़ा हुआ है, उसको भी परिवर्तन करना हो, तो देवी ही कर सकती, चेतना ही कर सकती है. कथा में, जहां एक बूंद खून की गिरी पूरी तरह से वह राक्षस फिर खड़ा हो जाता था. माने अपने जीन्स में जो गुण या स्वभाव घुस गया, वह रक्तबीजासुर है. एक बार जो दोष भीतर जम जाता है, वह बार-बार प्रकट होता है, जैसे रक्तबीज की हर बूंद से नया राक्षस उत्पन्न होता था. किंतु चेतना के जागरण से यानी देवी ने इन सबका संहार कर दिया. कई लोगों की जेनेटिक परेशानियां, जो कई पीढ़ियों से चली आ रही हैं, दैवी शक्ति जाग्रत होने पर ठीक हो जाती हैं. जीन्स में अपने परिवर्तन आ जाता है.

ब्रीफ न्यूज

ट्रंप के 'वीजा बम' का भारतीयों ने अब खोज लिया है जुगाड़

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा की फीस को 1 लाख डॉलर (88 लाख रुपये) करने के बाद भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों ने नया रास्ता तलाश लिया है. अब फोकस तेजी से एल-1 वीजा की ओर बढ़ रहा है, जो फिलहाल एच-1बी के मुकाबले सस्ता और सुविधाजनक विकल्प माना जा रहा है.

खुद को निहारा, फिर खिलखिला उठे नीतीश

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार खुद को शीशे में देखकर हंस पड़े. पटना में बनी साइंस सिटी का उद्घाटन करने सीएम नीतीश कुमार पहुंचे थे. इसी दौरान वो ग्लास वाले सेक्शन में गए, वहां पर जादुई शीशे लगे थे, वहां नीतीश खुद को आईने में देख कर खिलखिला उठे. सीएम नीतीश ने कहा, यह पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के प्रति बिहार सरकार की श्रद्धांजलि है.

ट्रंप ने फिर अपने लिए मांगा नोबेल प्राइज

वॉशिंगटन। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग की है. ट्रंप ने कहा कि इस साल जनवरी में राष्ट्रपति का पद संभाला था. इसके बाद सिर्फ आठ महीनों में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सात संघर्ष रोके हैं. ऐसे में उनको शांति के नोबेल प्राइज से नवाजा जाना चाहिए.कहा कि रूस-यूक्रेन में लड़ाई ना रुकवा पाने के बावजूद वह इस सम्मान के हकदार हैं.

हिंदुओं को बांटने की कोशिश कर रहीं ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है. आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है. इसी बीच पश्चिम बंगाल में विपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी हिंदुओं के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही हैं. उन्होंने कहा कि वो हिंदुओं को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं.

आज से बचत उत्सव, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा

मेड इन इंडिया पर दें जोर स्वदेशी खरीदें, गर्व करें

एजेंसियां। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के नाम अपने संबोधन की शुरुआत में सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं और बधाई दी. देश के नाम संदेश में पीएम मोदी ने कहा, 'सोमवार से शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्रि आरंभ हो रहा है. आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं. सोमवार से देश आत्मनिर्भर भारत की और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है. सोमवार से जीएसटी सुधार का कदम शुरू होने जा रहा है. यह बचत उत्सव है.'

पीएम मोदी ने कहा, 'त्योहार के इस सीजन में देश के सभी परिवारों का भला होने जा रहा है. यह भारत की ग्रोथ स्टोरी को तेजी से आगे बढ़ाएगी. जीएसटी सुधारों का यह निर्णय आत्मनिर्भर भारत के परिप्रेक्ष्य में एक बड़ा कदम है. जीएसटी सुधार से देश के सभी वर्गों को फायदा होने जा रहा है.'

पूर्व में लोगों को व्यापक टैक्स प्रणाली में टैक्स लगते थे : पीएम मोदी ने कहा, पहले की टैक्स प्रणाली में तरह तरह के टैक्स लगते थे उससे देश के आम नागरिक का नुकसान होता था. हमने जनहित में देशहित में जीएसटी को अमल में लाया. अब देश दर्जनों टैक्स के जाल से मुक्त हो गया है. अब वन नेशन वन टैक्स का सपना आकर हो गया है.

जीएसटी बचत उत्सव से लोगों को होगा फायदा : पीएम ने कहा, 'जीएसटी बचत उत्सव लोगों की बचत बढ़ेगी और अधिक खरीदारी कर पाएंगे. जीएसटी बचत उत्सव से देश के मध्यम वर्ग, महिला, छात्र, उद्यमी, निवेश को आकर्षक बनाएंगे. उन्होंने कहा, 'यह एक तरह का नेक्स्ट जनरेशन का रिफार्म है. देश की जरूरत के हिसाब से हमने रिफार्म किया है. ये सुधार भारत के विकास की कहानी को गति देंगे, व्यापार को आसान बनाएंगे, निवेश को अधिक आकर्षक बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में समान भागीदार बनाएंगे.'

हम नागरिक देवो भवः के मंत्र के साथ बढ़ रहे आगे : मोदी ने कहा, 'हम नागरिक देवो भवः के जिस मंत्र से आगे बढ़ रहे हैं उसकी साफ झलक इन जीएसटी रिफार्म में दिख रही है. विकसित भारत के लक्ष्य पर पहुंचने के लिए हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ना होगा. देश की वर्तमान जरूरतों और भविष्य के सपनों को देखते हुए जीएसटी के ये नए रिफॉर्म्स लागू हो रहे हैं. अब सिर्फ 5 परसेंट और 18 परसेंट के ही टैक्स स्लैब रहेंगे.'

पीएम मोदी ने स्वदेशी के मंत्र पर दिया जोर : उन्होंने कहा, 'जो देश के लोगों की जरुरत का है, जो हम देश में ही बना सकते हैं, वो हमें देश में ही बनाना चाहिए. देश की स्वतंत्रता को जैसे स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली, वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से ही शक्ति मिलेगी. जीएसटी कम होने से अब देश के नागरिकों के लिए अपने सपने पूरे करना और आसान होगा. दुनिया में भारत के प्रोडक्ट्स का नाम हो हमें इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा. उन्होंने कहा, हमें विदेशी चीजों से मुक्ति पानी होगी हमें वही सामान खरीदना चाहिए जो मेड इन इंडिया हो. हमें स्वदेशी के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा. हमें गर्व से कहना होगा की हम स्वदेशी ही खरीदेंगे. तभी हमारा देश तेजी से आगे बढ़ेगा और हमारा आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा होगा.

जीएसटी 2.0: देशभर में आज से लागू

नवरात्र के पहले दिन घट जाएंगे कई वस्तुओं के दाम

नयी दिल्ली। जीएसटी की नई दरें सोमवार से देशभर में लागू हो रही हैं. जीएसटी की नई दरों के लागू के बाद रसोई के जरूरी सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों और उपकरणों से लेकर ऑटोमोबाइल तक लगभग 375 वस्तुओं की कीमतें कम हो जाएंगी. केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से वस्तुओं और सेवाओं पर कर की दरें कम करने का फैसला किया है. इसे फैसले के लागू होने के बाद घी, पनीर, मक्खन, नमकीन, केचप, जैम, सूखे मेवे, कॉफी और आइसक्रीम जैसी आम उपभोग की वस्तुएं और टीवी, एसी, वाशिंग मशीन जैसी जरूरी वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी. सेवाओं की बात करें तो सौंदर्य और शारीरिक स्वास्थ्य सेवाओं जिनमें हेल्थ क्लब, सैलून, नाई, फिटनेस सेंटर, योग आदि सेवाओं पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) 18 प्रतिशत से घटाकर बिना टैक्स क्रेडिट के पांच प्रतिशत कर दिया गया है. इसके अलावा, हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप बार, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट जैसे दैनिक उपयोग के उत्पाद भी सस्ते होने की संभावना है, क्योंकि इन पर कर वर्तमान 12/18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है. टैल्कम पाउडर, फेस पाउडर, शेविंग क्रीम, आफ्टर-शेव लोशन जैसी अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में भी कमी देखने को मिलेगी. इन उत्पादों पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो गया है.

दवाओं से लेकर घर बनाने वाले सामान तक हुए सस्ते

विभिन्न एफएमसीजी कंपनियों ने जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने के लिए कीमतें कम करने का एलान पहले ही कर दिया है. अधिकतर दवाओं और फॉर्मूले व ग्लूकोमीटर और डायग्नोस्टिक किट जैसे चिकित्सा उपकरणों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत कर दिए जाने से आम आदमी के लिए दवाओं की कीमतें कम हो जाएंगी. इसके अलावा, घर बनाने वालों को भी लाभ होगा क्योंकि सीमेंट पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है. सरकार ने पहले ही दवा की दुकानों को निर्देश दिया है कि वे जीएसटी कटौती के लाभों को ध्यान में रखते हुए अपनी अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) संशोधित करें या कम दरों पर दवाइयां बेचें.

कार और टू-व्हीलर की कीमतों में होगी कमी : सोमवार से देशभर में कार और टू-व्हीलर खरीदारों सस्ती होने वाली हैं. अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियां मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और हुंडई मोटर इंडिया ने अपने वाहनों की कीमतों में कटौती का एलान किया है. इसी तरह लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू के साथ-साथ टू-व्हीलर कंपनियां भी कीमतें घटा रही हैं.

एसी और डिशवॉशर के दाम 1,610 से 8,000 तक घटे

वोल्टास, डाइकिन, हायर गोदरेज और पैनासोनिक जैसी इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों ने भी एयरकंडीशनर एवं डिशवॉशर की कीमतों में न्यूनतम 1,610 से 8,000 रुपये तक कटौती की है. कंपनियों को नवरात्र में 10 फीसदी से ज्यादा बिक्री होने की उम्मीद है.

पीएम मोदी अब तक 11 बार कर चुके हैं देश के नाम संबोधन

- 8 नवंबर 2016 – नोटबंदी की घोषणा.
- 27 मार्च 2019 – मिशन शक्ति (एंटी-सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण).
- 24 मार्च 2020 – कोविड-19 लॉकडाउन की घोषणा.
- 14 अप्रैल 2020 – कोविड लॉकडाउन विस्तार.
- 12 मई 2020 – आत्मनिर्भर भारत आर्थिक पैकेज.
- 30 जून 2020 – अनलॉक 2.0 के दिशा-निर्देश.
- 20 अक्टूबर 2020 – कोविड संबंधित नीतियां.
- 7 जून 2021 – वैक्सीनेशन ड्राइव की प्रगति.
- 19 नवम्बर 2021 – तीन कृषि कानूनों की वापसी.
- 8 अगस्त 2019 – अनुच्छेद 370 हटाने के बाद बयान.
- 12 मई 2025 – ऑपरेशन सिंदूर (जानकारी आतंकवाद पर कार्रवाई के संबंध में).
- इसके अलावा 15 अगस्त को हर साल – लाल किले से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संबोधित करते हैं.

चुनाव आयोग ने सभी राज्यों को जारी किए निर्देश

एसआईआर से जुड़े सभी काम 30 तक निपटा दें

एजेंसियां। नयी दिल्ली

चुनाव आयोग ने देशभर के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है. माना जा रहा है कि आयोग अक्तूबर-नवंबर से मतदाता सूची की सफाई और अपडेट करने की इस बड़ी कवायद की शुरुआत कर सकता है. सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने 10 से 15 दिन में एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहने को कहा था. हालांकि अब स्पष्ट डेडलाइन तय करते हुए 30 सितंबर को अंतिम तारीख घोषित किया गया है. सभी राज्यों को पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं.

पुरानी मतदाता सूचियों का उपयोग : कई राज्यों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूची पहले ही वेबसाइट पर डाल दी है. दिल्ली के सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची मौजूद है, जब राजधानी में आखिरी बार एसआईआर हुई थी. उत्तराखंड में 2006 की मतदाता सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है. बिहार में 2003 की सूची को गहन पुनरीक्षण के आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है.

राज्यों में मैपिंग का काम पूरा : अधिकांश राज्यों ने 2002 से 2004 के बीच एसआईआर कराई थी. अब वहां वर्तमान मतदाताओं को उन पुरानी सूचियों से मिलान करने का काम लगभग पूरा हो चुका है. चुनाव आयोग का कहना है कि बिहार के बाद यह प्रक्रिया पूरे देश में लागू की जाएगी.

आगामी चुनावों से पहले तैयारी : 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं. एसआईआर प्रक्रिया इन चुनावों से पहले मतदाता सूची की सटीकता व पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिहाज से अहम मानी जा रही है.

अब तेजस्वी की सभा में मोदी को दी गई गाली!

भाजपा ने दर्ज कराया केस

शुभम संदेश। पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की वैशाली में बिहार अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को गाली देने के मामले में सियासी घमासान बढ़ता ही जा रहा है. पहले भाजपा के नेताओं ने तेजस्वी यादव पर जम कर हमला बोला. अब तेजस्वी यादव और महुआ के राजद विधायक मुकेश कुमार रोशन के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. यह शिकायत भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य कृष्ण सिंह कल्लू ने दर्ज कराई है.

आरोप है कि तेजस्वी यादव कि बिहार अधिकार यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा में पीएम नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता को अशोभनीय और आपत्तिजनक गालियां दी गईं. साथ ही आरएसएस के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की गई. कृष्ण सिंह कल्लू ने कहा कि यह न सिर्फ एक घोर निंदनीय कृत्य है, बल्कि बिहार की सभ्यता और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान है. उन्होंने मांग की है कि दोषियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए.

राजद ने कहा-भाजपा काफी घबरा गई है

भाजपा के इन आरोपों पर राजद के प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी की बिहार अधिकार यात्रा को मिले अभूतपूर्व समर्थन से भाजपा काफी घबरा गई है. यात्रा में तेजस्वी जी द्वारा जिन मुद्दों को उठाया जा रहा है, भाजपा और उसके सहयोगी उन मुद्दों पर कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है. इसलिए ध्यान भटकाने के लिए भाजपा द्वारा प्रयोजित तरीके से कुचक्र और प्रपंच किया जाता रहा है. बिहार की जनता इसे समझ चुकी है.

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आरक्षण पर बोले-

मैं ब्राह्मण हूं, मेरे लिए कोटा नहीं, भगवान की बड़ी कृपा

एजेंसियां। नागपुर

महाराष्ट्र में मराठा, ओबीसी और बंजारा आरक्षण को लेकर सियासत गरमाई हुई है. इस बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने नागपुर में आयोजित हलबा फेडरेशन के कार्यक्रम में एक अहम बयान दिया है. गडकरी ने कहा कि वह भगवान का सबसे बड़ा उपकार मानते हैं कि ब्राह्मण जाति को आरक्षण नहीं मिला. उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति का महत्व उसकी जाति, पंथ, धर्म या लिंग से तय नहीं होता, बल्कि उसके गुण और उपलब्धि ही उसे बड़ा बनाते हैं. गडकरी ने कहा, मैं खुद ब्राह्मण जाति से हूं, लेकिन मुझे सबसे बड़ा वरदान यही लगता है कि हमें आरक्षण नहीं मिला. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ब्राह्मण जाति की उतनी अहमियत नहीं है, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में दुबे, त्रिपाठी, मिश्रा जैसे ब्राह्मण परिवारों का सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव काफी बड़ा है. जैसे महाराष्ट्र में मराठा समाज का महत्व है, वैसे ही उन राज्यों में ब्राह्मण समाज की ताकत है.

सड़क हादसों पर बोले : सड़क हादसों को लेकर सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं. अब कारों में चार की जगह छह एयरबैग लगते हैं. उन्होंने कहा कि लोगों का हेलमेट न पहनना बड़ी समस्या है, इसलिए बाइक खरीदने पर हेलमेट देना अनिवार्य किया गया .

सृष्टि में सृजन का शुभारंभ है माता शैलपुत्री

डॉ. मयंक मुरारी

नवरात्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें. इन नौ रातों और दस दिनों में, शक्ति के नौ रूपों की पूजा की जाती है. दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है. नवरात्र के नौ रातों में माता दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है, जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं. दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है. मां दुर्गा अपने पहले स्वरूप में शैलपुत्री के नाम से जानी जाती है. पर्वतराज हिमालय के यहां पुत्री के रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका यह शैलपुत्री नाम पड़ा था. वृषभ-स्थिता माताजी के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बायें हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है. यही नव दुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं.

भारतीय परंपरा में वर्णन है कि सती ने योगाग्नि द्वारा अपने शरीर को भस्मकर अगले जन्म में शैलराज हिमालय की पुत्री के रूप में जन्म लिया. पार्वती और हैमवती भी उन्ही के नाम हैं. उपनिषद की एक कथा के अनुसार इन्हीं हैमवती स्वरूप से देवताओं का गर्व-भंजन किया था. शैलपुत्री देवी का विवाह भी शंकरजी से ही हुआ. पूर्वजन्म कि भांति इस जन्म में भी वह शिवजी कि अर्धांगिनी बनीं. नव दुर्गाओं में प्रथम शैलपुत्री दुर्गा का महत्व और शक्तियां अनन्त हैं. नवरात्र-पूजन में प्रथम दिवस इन्हीं कि पूजा और उपासना की जाती है. इस प्रथम दिन की उपासना में योगी अपने मन को मूलाधार चक्र में स्थित करते हैं. यहीं से उनकी योगसाधना का प्रारम्भ होता है. इनकी पूजा से परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है. इनकी पूजा से मानसिक तनाव दूर होता है. शैलपुत्री का पूजन करने से मूलाधार चक्र जाग्रत होता है. शैलपुत्री का पूजन करने से जीवन में स्थिरता और रिश्तों में मजबूती आती है, जिससे परिवार में सौहार्द एवं प्रेम बढ़ता है. साधक इस दिन केसरिया वस्त्र पहनते हैं. मनोविकारों से बचने के लिए मां को सफेद कनेर का फूल चढ़ाते हैं.

संपूर्ण जड़ पदार्थ अथवा अपरा प्रकृति से उत्पन्न यह भगवती का पहला स्वरूप हैं. मिट्टी (पत्थर), जल, वायु, अग्नि व आकाश इन पंच तत्वों पर ही निर्भर रहने वाले जीव शैल पुत्री का प्रथम रूप हैं. इस पूजन का अर्थ है प्रत्येक जड़ पदार्थ अर्थात कण-कण में परमात्मा के प्रकटीकरण का अनुभव करना. योनि चक्र के तहत घास, शैवाल, काई, पौधे इत्यादि शैलपुत्री हैं. एक मत यह कहता है कि ब्रह्माजी के दुर्गा कवच में वर्णित नवदुर्गा नौ विशिष्ट औषधियों में हैं. शैलपुत्री (हरड़) कई प्रकार के रोगों में काम आने वाली औषधि हरड़ हिमावती है जो देवी शैलपुत्री का ही एक रूप है. यह आयुर्वेद की प्रधान औषधि है. यह पथया, हरीतिका, अमृता, हेमवती, कायस्थ, चेतकी और श्रेयसी सात प्रकार की होती है.

नवरात्र के पहले तीन दिन में भगवती के अनंत शक्ति और उसके विस्तार का सृष्टि और इसके चराचर जीवन को ज्ञानबोध होता है. दूसरे तीन दिवस माता की अपार शक्ति को खुद के अंतकरण में संकलन और संचरण का काल होता है. जगतजननी माता अपने कूष्मांडा, स्कंधमाता और कात्यायनी के स्वरूप में नये जीवन की रचना करती है. उनकी इच्छा से ही इस सृष्टि का उदभव होता है. उसी प्रकार हमारे संकल्प से ही हम अपना विकास करते हैं. दुर्गापूजा के शुरू के तीन दिवस स्थूल शरीर के संतुलन का होता है तो अगले तीन दिन में भावनाओं और विचारों का आरोहण करते हैं.

नौ दिन में हरएक दिन का महत्व है. शैलपुत्री के साथ हम यह समझे कि पृथ्वी पर हमारा अवतरण हुआ है. अब यह सवाल करें कि आखिर हम यहां क्यों आए ? मेरा जन्म क्यों हुआ ? मेरा मूल स्रोत क्या है? अपनी चेतना पर चिंतन करना चाहिए और इन नौ दिनों को नौ महीनों की भांति देखना चाहिए. दसवां दिन विजयदशमी यानी हमारी मुक्ति की गौरवगाथा का दिवस है.

सृष्टि में देवी का अर्थ क्या है? ईश्वर को देवी कहने का भाव है कि जो शक्ति प्रतिपल सृजन, पालन और संहार कर रही है, उसका स्वरूप स्त्रैण है. मैत्री, दाया, करुणा, प्रेम, श्रद्धा के भाव की प्रकृति स्त्रैण होता है. अगर पुरुष में भी इन गुणों का अभाव है तो वह शिखर की ओर आरोहण नहीं कर सकता है. सात्विक स्त्रैण गुण से ही जगत और जीवन में उत्कृष्टता आती है. कला, विद्या, साधना और भावना का रूप स्त्रैण है. अतएव उत्कृष्टता का स्वरूप सृजन में दिखता है, पालन में स्थित रहता है और संहार में विराजता है. जो ब्रह्म है, उसमें सृजन, पालन और संहार की शक्ति के कारण ही महादेवी के रूप में अर्चन किया गया. परमात्मा का स्वरूप देवी का है क्योंकि उसकी शक्ति से सृजन का संसार बनता है. परमात्मा अगर देवी नहीं, तो सृजन के बाद उसका पालन, सेवा और जीव में विद्या और कला का ज्ञान कौन भरता.

झारखंड बनेगा आईटी हब : रांची में खुलेंगे गूगल, विप्रो और टीसीएस के ऑफिस

शुभम संदेश। रांची

रांची में अब गूगल, विप्रो और टीसीएस जैसी विश्व की टॉप टेक कंपनियों के कॉर्पोरेट ऑफिस जल्द ही खोलने की तैयारी चल रही है. जिसके लिए 100 एकड़ जमीन का इस्तेमाल किया जाएगा. वहीं इन्फोर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के अधिकारियों के अनुसार इंफोसिस, टेक महिंद्रा आदि से भी बातचीत चल रही है. सरकार का लक्ष्य है कि रांची को भी, बेंगलुरु और पुणे जैसे शहरों की तरह एक आईटी हब बनाया जाए.

आईटी सेक्टर के इस विस्तार से अगले पांच सालों में 50 हजार से ज़्यादा युवाओं को सीधा रोजगार मिलने की भी उम्मीद जताई जा रही है, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को फायदा पहुंचेगा. इससे होटल, ट्रांसपोर्ट और रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों को भी बढ़ावा मिलेगा. बता दें कि सरकार ने आईटी पॉलिसी-2025 भी लागू की है, जिसके तहत आइटी कंपनियों को निवेश के लिए टैक्स में छूट और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी. इसके अलावा, युवाओं को रोजगार के लिए ट्रेनिंग देने पर भी ध्यान दिया जाएगा.

अमेरिका की एच-1बी वीज़ा नीति में बदलाव से भारत का आईटी उद्योग प्रभावित हो सकता है. बता दें कि बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक एच-1बी वीज़ा पर अमेरिका में काम करते हैं. नई नीतियों के कारण कंपनियों को सालाना करोड़ों डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है, जिससे वे एच-1बी वीज़ा पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए मजबूर होंगी.

इस बदलाव के कारण, भारतीय और अमेरिकी टेक कंपनियां अपने काम को भारत के टियर-2 शहरों में स्थानांतरित कर सकती हैं. रांची और जमशेदपुर जैसे शहर इन कंपनियों के लिए नए केंद्र बन सकते हैं. इससे राज्य की अर्थव्यावस्था को भी बढ़ावा मिलेगा और युवाओं को भी नये अवसर मिलेंगे.

मंईयां योजना के लाभुकों के लिए बड़ी खुशखबरी

आज से खातों में आएंगे 2500, अक्टूबर की किस्त दीपावली से पहले

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार की महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू की गई मंईयां सम्मान योजना की लाभुक महिलाओं के लिए बड़ी खबर है. जिन लाभुकों को सितंबर माह की 2500 की किस्त का इंतजार था, उनके लिए अब यह इंतजार जल्द खत्म होने वाला है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से ही सरकार लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में 2500 रुपए ट्रांसफर करना शुरू कर देगी. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज महालया के मौके पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं और इसी के साथ ये राहत भरी खबर भी सामने आई. अधिकारियों के अनुसार, अक्टूबर माह की राशि भी दीपावली से पहले लाभुकों के खातों में भेज दी जाएगी, ताकि महिलाएं त्योहार की तैयारियां आसानी से कर सकें.

जिलों को मिला 9600 करोड़ रुपये का आवंटन : सामाजिक सुरक्षा निदेशालय ने बताया कि योजना के लिए सभी जिलों को नवंबर तक की राशि आवंटित कर दी गई है. इस योजना को सफलतापूर्वक चलाने के लिए 9600 करोड़ रुपये विभिन्न जिलों को भेजे गए हैं.

मंईयां योजना क्या है : मंईयां सम्मान योजना, झारखंड सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसका उद्देश्य वंचित और जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है. इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की राशि दी जाती है.

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का बड़ा ऐलान

पहले भर्ती, फिर सृजन, नहीं तो ब्लैकआउट करेंगे विद्युत कर्मी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की राज्यस्तरीय बैठक रविवार को प्रेस क्लब, रांची में हुई, जिसकी अध्यक्षता संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने की. बैठक में सभी एरिया बोर्ड और ट्रांसमिशन जोन के प्रतिनिधि शामिल हुए. सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक ऊर्जा विकास निगम 80% रिक्त पदों पर नियमित बहाली नहीं करता, तब तक नए पद सृजित नहीं करने दिया जाएगा. यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरे राज्य में विद्युत कर्मी ब्लैकआउट आंदोलन करेंगे. राय ने कहा कि वर्तमान में लगभग 7000 मानव दिवस कर्मी एजेंसी के माध्यम से कार्यरत हैं, जो निगम के कुल कर्मचारियों का 80% हिस्सा हैं. इन्हें नियमित करने की मांग को लेकर संघ ने चार प्रमुख बिंदु रखे हैं. तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग की बहाली हो लेकिन सभी 80% रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति हो. 2016 और 2018 की भांति कार्य अनुभव के आधार पर प्राथमिकता एवं आयु सीमा में छूट दीजाए.वर्ष 2014 के सर्वे के मुताबिक लगातार 10 वर्ष कार्यरत कर्मियों की सीधी नियुक्ति की जाए. समान नियम, समान अधिकार के लिए अधिसूचना संख्या-625 को सभी कर्मचारियों पर लागू किया जाए.

नई कार्यसमिति का गठन, अजय फिर अध्यक्ष चुने गए: मौके पर अगले दो वर्ष (2025-2027) के लिए सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन कर नई कार्यसमिति का गठन किया गया. अध्यक्ष – अजय राय, उपाध्यक्ष – दिवाकर मिश्रा, फलेश्वर महली, मो रजी, उदय मिश्रा, मन्नू भगवान मिश्रा, उदय यादव, प्रधान महासचिव – अमित कुमार कश्यप, महामंत्री – अमित शुक्ला, कुणाल कुमार सिंह, संगठन मंत्री – विकास कुमार, पवन तिवारी, मुकेश साहू, प्रिंस कुमार, संयुक्त सचिव – उत्पल दास, आशीष दास, आनंद प्रमाणिक, मो. शमी, सुभाष ठाकुर, सुरेंद्र कुमार व कार्यसमिति सदस्य – सुरेश इंदवार, जलील अंसारी, नीलकमल गौतम, जितेंद्र दुबे, राजीव कुमार शुक्ला, दिलीप शर्मा, विद्यासागर, ऋषि कुमार, शाश्वत कुमार, सुनील कुमार, धर्मेंद्र पांडे, गौतम कुमार, वसीर अंसारी, प्रकाश कुमार मो अनवरचुने गए.

रक्षा राज्य मंत्री के नेतृत्व में साइक्लोथॉन के साथ शुरू हुआ सांसद खेल महोत्सव

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान से रविवार को सांसद खेल महोत्सव-2025 का शुभारंभ हुआ. हजारों युवाओं और खेल प्रेमियों की भागीदारी के बीच आयोजित इस भव्य कार्यक्रम की शुरुआत साइक्लोथॉन से हुई. आयोजन का नेतृत्व केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने किया. सांसद खेल महोत्सव-2025 की शुरुआत केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर किया. इस मौके पर संजय सेठ ने कहा कि खेल न केवल शरीर को तंदरुस्त रखता है, बल्कि समाज को अनुशासन और ऊर्जा भी देता हैं. उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि यदि देश को विकसित बनाना है, तो पहले फिटनेस और स्वास्थ्य पर जोर देना होगा. महोत्सव का मुख्य उद्देश्य भी 'स्वस्थ युवा फॉर विकसित भारत' अभियान को जन-जन तक पहुंचाना है. संजय सेठ ने कहा कि यह महोत्सव सिर्फ एक खेल का आयोजन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है. स्वस्थ भारत के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है. यह महोत्सव हर नागरिक को यह संदेश देता है कि फिटनेस सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है.

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि साइक्लोथॉन जैसे आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने का माध्यम हैं. खेल से बेहतर कोई साधन नहीं है, जो युवाओं को एकजुट कर सके और उन्हें जीवन में सकारात्मक ऊर्जा दे सके. उन्होंने उम्मीद जताई कि सांसद खेल महोत्सव आने वाले वर्षों में और बड़े स्तर पर आयोजित होगा और यह झारखंड की पहचान बनेगा.

साइक्लोथॉन में भारतीय नौसेना की रिटायर्ड अधिकारी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत चुकीं कमांडर गौरी मिश्रा भी मौजूद थीं. वह विश्व साइक्लिंग चैंपियनशिप में भारत का नाम रोशन करने वाली पहली महिला अधिकारी रही हैं.

गौरी मिश्रा ने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मेरा सपना है कि हर घर में एक साइकिल हो. यदि बच्चे और युवा रोजाना साइकिल चलाएंगे, तो फिट इंडिया का सपना जल्द ही साकार होगा.

साइक्लोथॉन में न केवल कॉलेज और स्कूलों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए, बल्कि विभिन्न खेल संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों के साथ ही आम लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. सड़कों पर जगह-जगह लोगों ने साइकिल चालकों का उत्साह बढ़ाने के लिए तालियां बजाईं. लोगों ने उनके लिए पानी की व्यवस्था भी की थी.

साइक्लोथॉन के दौरान साइकिल चालकों ने मोराहाबादी से उपायुक्त आवास होकर राजभवन होते हुए जस्टिस शहदेव चौक, कांके रोड, सिदो-कान्हू पार्क, रांची कॉलेज, ऑक्सीजन पार्क से वापस मोरहाबादी पहुंचे. प्रतिभागियों ने इस दौरान लगभग 3.30 किलोमीटर साइकिल चलाई. साइक्लोथॉन के शुभारंभ से पूर्व बैंड की शानदार प्रस्तुति से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने सबका मन मोह लिया. इनकी प्रस्तुति ने साइक्लोथॉन में शामिल प्रतिभागियों में जबरदस्त उत्साह का संचार भी किया. बैंड टीम में शामिल छात्राओं का उत्साहवर्द्धन कर, उन्हें प्रमाण पत्र देकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने सम्मानित किया. साइक्लोथॉन में शामिल प्रभागियों को भी केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. उल्लेखनीय है कि सांसद खेल महोत्सव में फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स और अन्य खेलों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी. इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा सांसद खेल महोत्सव डॉट इन पर उपलब्ध है.

जीएसटी सुधार 2025, आत्मनिर्भर भारत की नई कर क्रांति : डॉ प्रदीप वर्मा

शुभम संदेश। रांची

राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जीएसटी सुधारों के माध्यम से कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया है. 2017 में लागू हुए जीएसटी में अब 56वीं परिषद की बैठक के बाद दो-दर (5% और 18%) की व्यवस्था आई है, जिससे कराधान में आसानी और न्यायसंगतता आई है. घरेलू आवश्यक वस्तुओं और जीवन रक्षक दवाओं पर कर दर घटाई गई है, जिससे आम जनता, किसानों, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को आर्थिक राहत मिली है. डॉ वर्मा ने कहा कि विशेष रूप से कृषि, सिंचाई उपकरण, दोपहिया वाहन, छोटी कारें और निर्माण सामग्री पर कर दर कम करने से उत्पादन लागत घटेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा. शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी कर छूट से गरीब परिवारों को लाभ मिलेगा. हस्तशिल्प और ग्रामीण कला को बढ़ावा देने के लिए भी कर दरों में कमी की गई है, जिससे कारीगरों की आजीविका सुरक्षित होगी.

सांसद ने कहा कि झारखंड जैसे कृषि-प्रधान और औद्योगिक राज्य के लिए ये सुधार बेहद लाभकारी हैं. कम कीमतों से आवासीय योजनाओं और ग्रामीण विकास को गति मिलेगी, छोटे किसानों को सिंचाई उपकरण सस्ते मिलेंगे और स्थानीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी. जीएसटी सुधार न केवल कर कटौती बल्कि देश की आर्थिक स्वतंत्रता का प्रतीक हैं, जो 'विकसित भारत 2047' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं. सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि भाजपा इस सुधार को झारखंड के हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है. यह सुधार गरीब, मध्यम वर्ग, किसानों और उद्योगों को सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा.

संघ का शताब्दी वर्ष समारोह विजयादशमी से शुरु होगा, मंडलों और बस्तियों तक पहुंचेगा विस्तार

पंच परिवर्तन को बनाया गया केंद्र बिंदु

शुभम संदेश। रांची

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयादशमी के दिन अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करेगा. इस ऐतिहासिक अवसर को चिह्नित करने के लिए संघ शताब्दी वर्ष के रूप में वर्षभर विविध योजनाओं और कार्यक्रमों का आयोजन करेगा. नागपुर में स्थापना के दिन से लेकर अगले साल विजयादशमी तक यह अभियान चलेगा. इस महाअभियान का उद्देश्य संघ के विचार और कार्य को बस्तियों, मंडलों और आम जनमानस तक पहुंचाना है.शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर रांची प्रवास पर हैं. निवारणपुर स्थित कार्यालय में संघ के विभिन्न विभागों और प्रभागों के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों के साथ बैठकों का दौर जारी है. रांची समेत पूरे झारखंड में भी यह कार्यक्रम विजयादशमी से शुरू होंगे.

संघ का नया लक्ष्यः हर घर तक पहुंच

संघ ने 75वें वर्ष में जिला स्तर पर विचार गोष्ठियों और कार्यक्रमों के माध्यम से विस्तार किया था, जबकि इस बार 100वें वर्ष में योजना को और गहराई तक ले जाने की तैयारी है. अब कार्यक्रमों का आयोजन मंडलों और छोटी-छोटी बस्तियों में भी किया जाएगा. इसमें न केवल स्वयंसेवक, बल्कि स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक, समाजसेवी और प्रभावशाली लोग भी जोड़े जाएंगे.

संघ की योजना है कि हर उस घर तक पहुंचे जहां अभी तक उसकी पहुंच नहीं बन सकी है. आम नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद कर संघ के उद्देश्यों को मौखिक और लिखित रूप से समझाने का प्रयास किया जाएगा.

राष्ट्रीय स्तर पर संघ का विस्तार

- पिछले 100 वर्षों में संघ का विस्तार व्यापक हुआ है. देशभर में संघ द्वाराः
- 51740 स्थानों पर प्रतिदिन 83129 शाखाएं संचालित की जा रही हैं.
- 21936 स्थानों पर साप्ताहिक मिलन के रूप में 22866 बैठकें होती हैं.
- समाज सेवा के क्षेत्र में 129000 सेवा कार्य-स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन के तहत-चलाए जा रहे हैं.

शताब्दी वर्ष में इस नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ और व्यापक बनाने का लक्ष्य है.

पंच परिवर्तन: शताब्दी वर्ष की विचारधारा का मूल आधार

संघ शताब्दी वर्ष के दौरान 'पंच परिवर्तन' को विशेष फोकस क्षेत्र के रूप में आगे बढ़ाएगाः

सामाजिक समरसता: समाज में जाति, वर्ग, जन्म आधारित भेदभाव से ऊपर उठकर एकता और समरसता स्थापित करने का प्रयास.

पर्यावरण संरक्षण: पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने, पारिवारिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण से व्यवहार में बदलाव लाने पर जोर.

कुटुंब प्रबोधन: हिंदू परिवारों में विचार, जीवनशैली और कर्तव्यों को लेकर जागरूकता पैदा करना.

स्व आधारित जीवन: विदेशी प्रभाव से मुक्त होकर स्वभाषा, स्वभूषा और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना.

नागरिक कर्तव्य और शिष्टाचार: अच्छे नागरिक के रूप में राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को जीवन में उतारने की प्रेरणा.

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह के गंभीर आरोप, कहा

स्वास्थ्य मंत्री के संरक्षण में हो रहा है टेंडर घोटाला

शुभम संदेश। रांची

भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है. भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए दस्तावेजों के साथ दावा किया कि स्वास्थ्य विभाग में टेंडर घोटाले मंत्री के संरक्षण में हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि एक सुनियोजित लूट है, जिसमें नियमों को ताक पर रखकर एक खास समुदाय के एक ही परिवार की कंपनियों को सभी टेंडर सौंप दिए गए हैं.

अजय साह ने बताया कि रांची, दुमका, जामताड़ा, सरायकेला, बोकारो और देवघर सहित 11 जिलों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछले एक साल में जारी किए गए सभी 11 टेंडर एक ही परिवार की तीन कंपनियों, हिंद इंफ्राटेक, भारत सप्लायर्स और ग्लोबल सप्लायर्स को दिए गए. हैरान करने वाली बात यह है कि ये तीनों कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड हैं और इनमें से दो कंपनियों के डायरेक्टर भी एक ही व्यक्ति हैं.

प्रवक्ता ने जेम पोर्टल के क्लॉज 29 का हवाला देते हुए कहा कि इस नियम के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अलग-अलग कंपनियों के नाम पर टेंडर में भाग लेता है, तो तकनीकी रूप से उसकी सभी कंपनियों को अयोग्य घोषित कर उनकी बिड रद्द की जानी चाहिए. लेकिन यहां उल्टा हुआ, इन कंपनियों को न केवल योग्य घोषित किया गया, बल्कि उन्हें वर्क ऑर्डर देकर भुगतान भी कर दिया गया.

अजय साह ने स्पष्ट रूप से कहा कि इतना बड़ा घोटाला बिना मंत्री के संरक्षण के संभव नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य का स्वास्थ्य विभाग अब लूट खसोट का अड्डा बन गया है और इसमें मंत्री की सीधी भागीदारी है. उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान बचाने का ढोंग करती है, जबकि उसके मंत्री जनता के अधिकारों का दमन कर रहे हैं.

भाजपा ने सरकार से मांग की है कि उजागर किए गए सभी टेंडरों को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए और मामले की उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच कराई जाए. साथ ही यह भी जांच हो कि आखिर क्यों और कैसे एक ही परिवार की तीन कंपनियों को 11 जिलों के 11 टेंडर सौंपे गए.

भाजपा के आरोप निराधार और हास्यास्पद हैं : राकेश सिन्हा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति झूठ और अफवाह पर आधारित है. उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर भारत माता के रक्षा सौदे में दलाली का दोषी होने का आरोप है, ऐसे में भाजपा के प्रवक्ता द्वारा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सवाल उठाना हास्यास्पद है. भाजपा के पास ठोस मुद्दे खत्म हो चुके हैं, इसलिए वब झूठी और आधी-अधूरी जानकारी के सहारे जनता को भ्रमित कर रही है.

सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, जो अल्पसंख्यक समाज से आते हैं, को भाजपा जानबूझकर निशाना बना रही है. मंत्री ने शिकायत मिलते ही विभागीय जांच शुरू कराई है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. भाजपा के आरोप पूर्णतः तथ्यहीन और हास्यास्पद हैं. सिन्हा ने कहा कि आधी-अधूरी जानकारी पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करना भाजपा की पुरानी आदत है.

सिन्हा ने कहा कि शिकायत सबसे पहले मंत्री को प्राप्त हुई और उसी पर जांच जारी है.दोषी पाए जाने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई होगी.जिस संवेदक का भाजपा नाम ले रही है, वह विभाग में कई वर्षों से कार्यरत है और मामले की जांच चल रही है.मंत्री बनने के बाद डॉ. इरफान अंसारी ने किसी संवेदक को अतिरिक्त लाभ नहीं दिया.टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष है, आवश्यक संशोधन समीक्षा के बाद किया जाएगा. सिन्हा ने कहा कि ठेकेदार का चयन जिला टेंडर समिति करती है, मंत्री की इसमें कोई भूमिका नहीं है.भाजपा जिस टेंडर का हवाला दे रही है, वह मंत्री के कार्यभार संभालने से पहले से ही प्रक्रियाधीन थी. मामला सामने आने पर मंत्री ने तुरंत जांच टीम का गठन किया. राकेश सिन्हा ने भाजपा से अपील की कि वे झूठे आरोप लगाना बंद करें और तथ्य आधारित राजनीति करें. उन्होंने कहा कि डॉ. इरफान अंसारी ने हमेशा पारदर्शी और जनहित में काम किया है, भाजपा के आरोप उनकी बढ़ती लोकप्रियता से घबराहट का परिणाम हैं.

आमने सामने

विश्व के शीर्ष 2 फीसदी वैज्ञानिकों में शामिल हुए सीयूजे के 3 प्रोफेसर

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने जारी की लिस्ट

शुभम संदेश। रांची

सीयूजे के तीन प्रोफेसरों, डॉ भास्कर सिंह, डॉ सचिन कुमार और डॉ अर्णब शंकर भट्टाचार्य, को विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है. हर वर्ष स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं द्वारा यह रिपोर्ट तैयार किया जाता है और एल्सेवियर द्वारा यह सूची प्रकाशित की जाती है. 19 सितंबर 2025 को एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित सूची के अनुसार डॉ भास्कर सिंह लगातार पांचवें वर्ष, ऊर्जा और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में, डॉ सचिन कुमार लगातार तीसरे वर्ष ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में, और डॉ अर्णब शंकर भट्टाचार्य ने पहली बार एप्लाइड फिजिक्स और मटेरियल साइंस क्षेत्र में इस सूची में स्थान बनाया है. यह सूची किसी एकल वर्ष उनके काम के प्रभाव के आधार पर बनाई गई है.

डॉ भास्कर सिंह बायोडीजल विकास के विभिन्न पहलुओं के क्षेत्र में काम करते हैं और अन्य समकालीन पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित करते हैं. स्कोपस डेटा के अनुसार, डॉ. भास्कर सिंह के 110 अनुसंधान प्रकाशन हैं जिनमें 6535 साइटेशन हैं और उनके लेखों का वर्तमान एच-इंडेक्स '39' है. वहीं डॉ सचिन कुमार अपशिष्ट मूल्य निर्धारण के क्षेत्र में काम करते हैं और ऊर्जा से संबंधित अन्य मुद्दों की खोज करते हैं. स्कोपस डेटा के अनुसार,डॉ सचिन कुमार के 61 अनुसंधान प्रकाशन हैं जिनमें 2320 साइटेशन हैं और उनके लेखों का वर्तमान एच-इंडेक्स '22' है. डॉ अर्णब शंकर भट्टाचार्य नैनोस्ट्रक्चर्ड थिन फिल्म्स, कोटिंग्स, नैनोइंडेंटेशन अध्ययन, सरफेस इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग और ऊर्जा/बायोमेडिकल सामग्रियों के क्षेत्र में व्यापक रूप से कार्यरत हैं. स्कोपस के आंकड़ों के अनुसार, डॉ अर्णब शंकर भट्टाचार्य के 67 प्रकाशन हैं जिनमें 700 साइटेशन हैं और उनके लेखों का वर्तमान एच-इंडेक्स '16' है.

कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने तीनों शोधकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा है कि तीनों के द्वारा पर्यावरण, ऊर्जा और मटेरियल साइंस के क्षेत्र में विश्वस्तरीय सराहनीय कार्य किया गया है. इन तीनों शोधकर्ताओं ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है जो विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव की बात है. उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय में शोध को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए काफी कार्य किया गया है जिसकी सफलता लगातार दिखाई दे रही है.

बता दें कि डॉ भास्कर सिंह, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची के पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष और एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं. डॉ सचिन कुमार, ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य करते हैं और डॉ अर्णब शंकर भट्टाचार्य, मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग में सहायक प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं.

10वीं-12वीं में सेकेंड और थर्ड टॉपर्स का सरकार ने किया सम्मान

दिए लाखों रुपए, लैपटॉप और मोबाइल फोन

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और नया उदाहरण पेश किया है. हजारीबाग में आयोजित एक समारोह में बोर्ड परीक्षा 2025 के सेकंड और थर्ड टॉपर छात्रों को सम्मानित किया गया. इस मौके पर छात्रों की आंखों में सपने और उनके अभिभावकों की आंखों में खुशी के आंसू साफ दिखाई दे रहे थे.

हजारीबाग के सीएम एक्सीलेंस ऑफ स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में 9 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. झारखंड एकेडमिक काउंसिल के तहत आयोजित कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं के सेकंड टॉपर को 2 लाख रुपये का चेक, लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्कूल बैग और प्रशस्ति पत्र दिया गया, जबकि थर्ड टॉपर को 1 लाख रुपये का चेक, लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्कूल बैग और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया.

जो छात्र बाहर रहकर पढ़ाई कर रहे थे, उनके अभिभावकों को यह पारितोषिक सौंपा गया. इस मौके पर अभिभावकों का भावुक होना स्वाभाविक था. उन्होंने कहा, हमारे पास पहले से मोबाइल और लैपटॉप नहीं था. अब सरकार की इस मदद से बच्चों की पढ़ाई आसान हो जाएगी. हम झारखंड सरकार और एकेडमिक काउंसिल का दिल से धन्यवाद करते हैं. यह पहल न केवल छात्रों को आर्थिक मदद प्रदान करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी कई गुना बढ़ाती है. यह सम्मान उनके सपनों को नए पंख देने का काम करेगा. शिक्षा को भविष्य की कुंजी मानते हुए, झारखंड सरकार का यह कदम युवाओं के सपनों को साकार करने में अहम भूमिका निभा रहा है.

प्रथम शैलपुत्री

वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

03

रांची, सोमवार 22 सितंबर 2025 I आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 165 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

सदर अस्पताल में आज

मेडिसिन	-	डॉ पीके सिंह तथा डॉ शीला
फिजिशियन	-	--
हड्डी रोग	-	डॉ मुकेश प्रसाद
सर्जरी	-	डॉ संजीव गोलाश
नेत्र रोग	-	डॉ सरोजिनी मुर्मू
दंत रोग	-	डॉ अनुपमा
शिशु रोग	-	डॉ पल्लवी
मनोरोग	-	डॉ संजय कुमार
स्त्री एवं प्रसूति रोग	-	डॉ अंजना कुमारी
फिजियोथेरेपी	-	डॉ दीपाली राय
ईएनटी स्पेशलिस्ट	-	डॉविजया बाला मुर्मू

गायनी इमर्जेंसी

सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक	-	डॉ रुमा प्रसाद
दोपहर 2 से रात 8 बजे तक	-	डॉ संध्या तिवारी
रात 8 से सुबह 8 बजे तक	-	डॉ विश्व भारती

जेनरल इमर्जेंसी

सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक	-	डॉ पीपी पांडेय
दोपहर 3 से रात 9 बजे तक	-	डॉ शीला
रात 9 से सुबह 9 बजे तक	-	डॉ राकेश रंजन

ब्रीफ खबरें

कुड़मी समाज ने फूंका छह विधायकों को पुतला

तेतुलमारी। रविवार को कुड़मी समाज के लोगों ने तेतुलमारी शक्ति चौक पर छः विधायक का पुतला दहन किया। समाज के लोगों ने बताया कि मथुरा महतो, योगेन्द्र प्रसाद महतो, सबिता महतो, ममता देवी, चंद्रदेव महतो, शिल्ली अमित महतो ने पूर्व घोषित कार्यक्रम 20 को रेल टेका डहर छेका कार्यक्रम के तहत् झारखंड उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के स्टेशनों में कुर्मी समाज की ओर से लाखों लोगों ने रेल का चक्का जाम किया. दलगत नहीं होने के बावजूद यह विधायक लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए. इससे कुर्मी समाज में काफी रोष व्याप्त है, जिनको लेकर कुड़मी समाज ने इनका पुतला दहन किया. मौके पर नरेश महतो, देवनारायण, बबलू, टुनटुन, बिनोद महतो, शत्रुघ्न, हलधर, बनवाली आदि शामिल थे.

नावागढ़ लालाबाड़ी में चित्रांशों की बैठक

मधुबन। नावागढ़ लालाबाड़ी स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में रविवार को चित्रांश परिवार की बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता पंकज लाला एवं अजीत लाला ने संयुक्त रूप से की. बैठक में सर्वसम्मति से आगामी श्रीश्री चित्रगुप्त पूजा पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भीधूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में अमित सिन्हा, आलोक लाला, संतोष सिन्हा, सूरज सिन्हा, विशाल श्रीवास्तव, नारायण श्रीवास्तव, कृष्णा श्रीवास्तव, सोनू लाला सहित बड़ी संख्या में परिवार के सदस्य उपस्थित थे.

बारिश में भीग कर महिलाएं सड़क पर बैठी रहीं

गोधर में करंट से डीएवी छात्र की मौत पर हंगामा

50 लाख रुपये मुआवजे की मांग, सीआईएसएफ से नोकझोंक

शुभम संदेश। केंदुआ

गोधर कुर्मीडीह बस्ती में रविवार की शाम बिजली का करंट लगने से मुकुल महतो (15) की मौत के बाद उग्र ग्रामीणों ने जमकर हंगामा मचाया. महिलाएं भी तेज बारिश में भीगकर सड़क पर बैठी रही. जेएसईबी के गोधर सब स्टेशन का लाइन काट दिया गया. जिससे जिला मुख्यालय के कई क्षेत्र अंधेरे के डूब गए. कर्मी सबस्टेशन के अंदर अंधेरे में दुबके बैठे रहे. धनबाद-बोकारो सड़क को जाम कर दिया गया. ससे वाहनों की लंबी कतारें लग गयी. ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को 50 लाख रुपया मुआवजा देने व बस्ती में लगे बिजली के खम्भे को अविलंब हटाने की मांग की. सड़क जाम के दरम्यान मोटरसाइकिल सवार आम नागरिक के अलावे सीआईएसएफ जवानों से भी बकझक हो गयी. सड़क जाम करनेवाले कुछ युवक किसी पुलिस अधिकारी की भी नहीं सुन रहे थे.अभद्र व्यवहार भी किया. काफी देर बाद पुटकी अंचल के सीओ विकास आनन्द, केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडे व जेएसईबी के अधिकारी ने हरि पप्पू समेत ग्रामीणों से वार्ता की जो विफल रही. अधिकारी ने पांच लाख रुपया मुआवजा देने का प्रस्ताव दिया जिसे लोगों ने ठुकरा दिया.

इकलौते पुत्र की मौत से सदमे में परिवार

दिनेश महतो का एकलौता पुत्र नकुल डीएवी कुसुंडा में दसवीं का छात्र था .शाम को दोस्तों के संग गोधर शहीद मैदान में फुटबॉल खेलने पहुंचा था . बिजली के खम्भे के पास सभी बैठे थे . तभी पोल का जंपर कटा व पोल में करंट प्रवाहित हो गया . जिसकी चपेट में किशोर आ गया . परिजन किशोर को लेकर तीन बड़े अस्पताल ले गए .जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया . घटना से पूरा परिवार सदमे में आ गया .विरोध में इकलौती बहन ,फुआ समेत मुहल्ले की कई महिलाएं सड़क पर उतर आईं .

लाइन चार्ज करते ही लगा करंट

जेएसईबी के गोधर सबस्टेशन में मेंटेनेंस वर्क के कारण लाइन शट डाउन था .शाम करीब चार बजे लाइन को चार्ज किया गया . तभी कुर्मिडीह बस्ती के 11 हजार पोल का जंपर में स्पार्क होकर तार कटकर पोल के सम्पर्क में आ गया . जिससे पोल में विधुत प्रवाहित हो गयी व नकुल की करंट लगने से मौत हो गयी .

रैयतों की समस्या का एक महीने में होगा निराकरण

झारखंड विस की विशेष समिति ने किया निरसा स्थित कुइयां कोलियरी, गोपालपुर एवं मुगमा क्षेत्र का निरीक्षण

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) ने रविवार को समिति के सभापति सह विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, विधायक निरसा अरूप चटर्जी, विधायक धनबाद राज सिन्हा, विधायक सिंदरी चंद्र देव महतो, विधायक तोरपा सुदीप गुड़िया, विधायक चंदनक्यारी उमाकांत रजक, विधायक बोरियो धनंजय सोरेन की उपस्थिति में निरसा स्थित कुइयां कोलियरी, गोपालपुर एवं मुगमा क्षेत्र का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान समिति ने ग्रामीण रैयतों से उनकी समस्याओं एवं सुझावों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की. इसके बाद सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में सभापति ने मीडिया को बताया कि दौरे के दौरान समिति ने विभिन्न बिंदुओं का आकलन किया. ग्रामीणों की समस्या समझी. अब तक ग्रामीणों के विस्थापन की समस्या थी लेकिन उसका कोई निराकरण नहीं था. लेकिन समिति ने इसकी पहल की है. सभापति ने कहा कि रैयतों की समस्या का समाधान करने के लिए उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर एक विशेष कोषांग का गठन किया जाएगा. इसमें उनसे कागजात प्राप्त कर शीघ्र निराकरण किया जाएगा. (शेष पेज-11 पर)

23 हजार हेक्टेयर से अधिक जमीन पर किया खनन

समिति के सदस्य सह निरसा के विधायक अरुप चटर्जी ने मीडिया को बताया कि झरिया से बलियापुर तक भ्रमण के दौरान समिति ने पाया कि खनन कंपनियां खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के निर्देशों का पालन नहीं कर रही है . इसलिए डीजीएमएस को विगत 3 साल में उल्लंघन के लिए किए गए पत्राचार का विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है . उन्होंने यह भी कहा कि खनन कंपनियों द्वारा 1972 के नेशनलाइजेशन एक्ट के बाहर की सरकारी भूमि पर खनन किया जा रहा है . जो लगभग 23000 हेक्टेयर से अधिक है . इसकी मापी करके खनन कंपनी से राजस्व वसूला जाएगा . उन्होंने कहा कि 1972 के बाद से अब तक की राशि के साथ सूद जोड़कर वसूला जाएगा . मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, डीएमओ रितेश राज तिग्गा, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार के अलावा अन्य प्रशासनिक व बीसीसीएल के पदाधिकारी मौजूद थे .

रेल रोको आंदोलन स्थगित रेलवे ट्रैक से हटे कुड़मी नेता

शाह से मिलने का मांगा समय

शुभम संदेश। रांची

कुड़मी समाज ने खुद को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की अपनी लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर 20 सितंबर से रेल रोको आंदोलन की शुरुआत की थी. राज्य के कई जिलों में भारी संख्या में आंदोलनकारी रेलवे ट्रैक पर उतर आए थे, जिससे रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ था. मुरी समेत कई रेलवे स्टेशनों पर भी भारी संख्या में कुड़मी समाज के हजारों लोग मौजूद थे. जिससे ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो गई. इस आंदोलन को लेकर टोटेमिक कुड़मी एकता मंच के शीतल ओहदार ने जानकारी देते हुए बताया कि आंदोलनकारी अब रेलवे स्टेशनों हट गए हैं. उन्होंने यह भी बताया कि पूरे राज्य में कुल 15 रेलवे स्टेशनों पर आंदोलन सफलतापूर्वक चला और अब भी धनबाद के प्रधानखंता समेत कुछ रेलवे स्टेशनों पर आंदोलनकारी जमे हुए हैं. समाज की याह मांग है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उनके एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात का समय तय करें. क्योंकि उनकी एसटी सूची में शामिल होने की मांग वाजिब है जसी 75 वर्षों से दबा कर रखा गया है.

(शेष पेज-11 पर)

कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति से हटाना एक साजिश : जयराम महतो

वहीं विधायक जयराम महतो भी इस आंदोलन के समर्थन में दिखे . वह पारसनाथ रेलवे स्टेशन पहुंचे और आंदोलन का समर्थन किया उन्होंने कहा, राजनीतिक साजिश के तहत कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची से हटाया गया है, जिसे पुनः सूची में शामिल करने की उनकी मांग है . जयराम महतो ने बताया कि झारखंड के गठन के समय झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कुड़मी समाज को एसटी सूची में शामिल करने की मांग अपने मैनिफेस्टो में रखी थी . पदम श्री विजेता रामदयाल सिंह मुंडा और कोल्हान के दिग्गज नेता बागुन सुंब्रई ने भी इस मांग का समर्थन किया था . यह आंदोलन केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामाजिक अस्तित्व की लड़ाई है . जयराम महतो के अलावा पूर्व विधायक लंबोदर महतो, आजसू केंद्रीय महासचिव यशोदा देवी भी शामिल हुई थी .

नाले में बहा दो साल का मासूम, 15 घंटे बाद मिला शव

शुभम संदेश। गिरिडीह

नगर निगम क्षेत्र के गांधी चौक स्थित खुले नाले में शनिवार को बहे दो वर्षीय मासूम का शव रविवार को करीब 15 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बरामद कर लिया गया. प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया. घटना शनिवार को गांधी चौक स्थित अशोका होटल के पास की है, जहां खुले नाले में एक महिला अपने दो साल के बेटे के साथ गिर गई. स्थानीय लोगों की तत्परता से महिला को तो बचा लिया गया, लेकिन बच्चा पानी के तेज बहाव में बह गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार, मरगोडीह गांव निवासी दीपक ठाकुर अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ मार्केटिंग के लिए गिरिडीह शहर आया था. बच्चों में दो बेटियां और एक दो साल का बेटा शामिल था. मार्केटिंग के बाद जब परिवार लौट रहा था, तभी अशोका होटल के पास महिला बच्चे के साथ नाले में गिर गई थी .

दहेज में ट्रैक्टर नहीं देने पर हुआ विवाद, दामाद ने ससुर की कर दी हत्या

दुमका। दुमका से एक बड़ी घटना सामने आई है, जहां दहेज़ में ट्रैक्टर नहीं मिलने पर दामाद ने अपने ससुर की बेरहमी से पीट पीटकर हत्या कर दी. मामला सरैयाहाट-गोविंदपुर गांव के कदिया टोला का बताया जा रहा है. मिली जानकारी के अनुसार घटना उस वक्त हुई जब गोविंदपुर गांव निवासी रविन्द्र कापरी अपनी बेटी से मिलने उसके ससुराल गया था। इसी दौरान ट्रैक्टर की मांग को लेकर दामाद विवाद करने लगा. जो कि बाद में हिंसक रूप लेलिया और दामाद ने ससुर की लाठी -डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी.

मौत के सौदागरों के आका के पेट में दर्द शुरू : शारदा

अवैध खनन के खिलाफ मुहिम में शामिल होने से होगी तिलमिलाहट

- कतरास नागरिक मंच ने की अवैध खनन के खिलाफ मुहिम की शुरुआत

शुभम संदेश। कतरास

इलाके में हो रहे भू-धंसान की घटना को लेकर कतरास नागरिक मंच का पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत रविवार को भारतीय क्लब में परिचर्चा आयोजित की गई .इस दौरान प्रोफेसर डॉक्टर प्रमोद पाठक ने अपने संबोधन में कहा की भू-धंसान व अवैध उत्खनन होने के तीन प्रमुख कारण है. आपलोग को अभाव , सभाव तथा प्रभाव से अपने-आप को बचाना होगा. साथ-साथ वैज्ञानिक, साइंसथेटिक व सोशल तरीके यानि हर ऐंग्लस को एक साथ लेकर चलेंगे, तभी इस समस्या का समाधान हो पाएगा. वही परिचर्चा को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि इस मुहिम में उनके शामिल होने से कुछ लोगों के पेट मे दर्द होना शुरू हो चुका है.मजदूरों की मौत के सौदागरों के आका को तिलमिलाहट शुरू हो गई है.

(शेष पेज-11 पर)

झारखंड में 25 सितंबर तक बारिश का अलर्ट

रांची। झारखंड के विभिन्न हिस्सों में रविवार शाम तेज वज्रपात ने लोगों को डराया. राजधानी रांची, खूंटी, हजारीबाग और पूर्वी सिंहभूम में बिना बारिश के ही बिजली कड़कने लगी, जिससे घरों के अंदर बैठे लोग भी घबराए हुए थे. मौसम विभाग के अनुसार, 25 सितंबर तक राज्य में बादल छाए रहने की संभावना है और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. हालांकि, इस दौरान उमस और हल्की गर्मी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है. मौसम विभाग का अनुमान है कि 22 सितंबर के बाद राज्य में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है.

सियासत कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद पर रायशुमारी के दौरान संतोष का विरोध

विस में इकलौती सीट पर हार की संतोष पर गिरेगी गाज ?

- जिलाध्यक्ष के लिए कांग्रेस ओबीसी चेहरे पर खेल सकती है दांव

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नए नाम की घोषणा संभवतः दुर्गा पूजा के बाद होने की संभावना है. कांग्रेस के पर्यवेक्षक के द्वारा जिस प्रकार रायशुमारी कराई गई, अगर उसके नतीजे निकाले जाएं तो यह साफ है कि वर्तमान जिलाध्यक्ष संतोष सिंह को पार्टी दुबारा मौका नहीं देने जा रही है. क्योंकि रायशुमारी के दौरान संतोष सिंह का कई जगहों पर खुलकर विरोध हुआ तो कई जगहों पर कार्यकर्ताओं ने सीधे पर्यवेक्षक के समक्ष विरोध रखा. वैसे तो जिलाध्यक्ष के लिए 27 लोगों ने अपनी दावेदारी पेश की है. सबके अपने-अपने दावे हैं. लेकिन कांग्रेस की मंशा को इस बार ओबीसी पर विश्वास जताने की दिख रही है.

धनबाद में ओबीसी वर्ग का रुझान भाजपा की ओर है. जिसका असर लोकसभा चुनाव में साफ दिखा. ऐसे कांग्रेस ओबीसी वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ओबीसी जिलाध्यक्ष पर दांव लगा सकती है. अगर कांग्रेस ओबीसी वर्ग से जिलाध्यक्ष बनाती है तो रविन्द्र वर्मा, राजकुमार महतो एवं राजेश्वर सिंह यादव, मदन महतो समेत अन्य कई को भी मौका मिलने से इंकार नहीं किया जा सकता है. हालांकि कांग्रेस ने इस बार जिलाध्यक्ष के लिए 55 साल की उम्र सीमा भी तय कर रखी है. 55 से जायद उम्र वाले को जिलाध्यक्ष नहीं बनाने की भी बात है.

पूरे कार्यकाल में कोई उपलब्धि नहीं

कांग्रेस के पर्यवेक्षक के सामने ही रायशुमारी के दौरान पहले भूली और फिर झरिया में संतोष सिंह का जमकर विरोध हुआ . पार्टी नेताओं के अनुसार भूली और झरिया के साथ-साथ अन्य जगहों पर भी कार्यकर्ताओं ने सीधे पर्यवेक्षक के समक्ष ही अपना विरोध दर्ज कराया है . संतोष सिंह के जिलाध्यक्ष बने करीब तीन साल हो गए हैं . इस बीच लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है . कांग्रेस के खाते की इकलौती सीट झरिया से भी इस विधानसभा चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा है . पार्टी सूत्रों के अनुसार इनके कार्यकाल में पार्टी ने कोई बेहतर प्रदर्शन नहीं किया है . इनके कार्यकाल में सदस्यों की संख्या में भी इजाफा नहीं हुआ है . 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस झामुमो गठबन्धन ने पूरे प्रदेश में अपना झंडा गाड़ा . इसके बावजूद धनबाद में कांग्रेस का हाथ पूरी तरह खाली रहा है . धनबाद, झरिया और बाघमारा विधानसभा में कांग्रेस की करारी हार की कीमत संतोष सिंह को जिलाध्यक्ष पद से हटा कर चुकानी पड़ सकती है .

कार्मिक विभाग ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

धनबाद मंडल इंटर डिपार्टमेंटल

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद मंडल में रविवार को आयोजित इंटर डिपार्टमेंटल फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 के फाइनल मैच का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ सम्पन्न हुआ. अंतर विभागीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 के फाइनल मैच पर्सनल एवं ऑपरेटिंग विभाग के बीच खेला गया. जिसमें कार्मिक विभाग ने 1-0 से ऑपरेटिंग विभाग को हरा कर विजेता कप अपने नाम किया.मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा विजेता एवं उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल खेल भावना का उत्सव नहीं थी, बल्कि टीम-वर्क, अनुशासन और परिश्रम का जीवंत उदाहरण रही. खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान उत्कृष्ट कौशल और निष्पक्ष खेल का परिचय देकर सभी को प्रेरित किया. मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने विजेता टीम को हार्दिक बधाई दी एवं उपविजेता टीम को भी समान प्रोत्साहन प्रदान किया. उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी खेल संस्कृति को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे.

ब्रीफ खबरें

चीराबाद में स्वास्थ जांच शिविर

गोमो। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के 75 वें जन्म दिवस पर केएम मोमोरियल अस्पताल की तरफ से रविवार को गोमो मंडल के गुनघुसा ग्राम पंचायत के चीराबाद गांव में निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श के साथ दवाइयों का वितरण किया गया.मुख्य अतिथि टुंडी विधान सभा क्षेत्र के भाजपा नेता बिक्रम पाण्डेय ने फीता काट कर शुभारंभ किया. मौके पर मंडल महा मंत्री सत्य नारायण वर्ण वाल, एस टी मोर्चा के मनोज रजक , सुनील मंडल, दिलीप गोस्वामी, राजू तिवारी, बिनोद सिंह, तारकेशवर सिन्हा, धनु गोस्वामी, पूर न गोस्वामी भाजपाई उपस्थित थे. स्वास्थ शिविर में सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ की जांच कराई और दवा लेकर लाभ उठाया.

पूजा पंडालों के आसपास साफ-सफाई की अपील

गोविंदपुर। नागरिक समिति गोविंदपुर के अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण दुर्गापुर के परियोजना निदेशक को पत्र लिखकर जीटी रोड किनारे के दुर्गापूजा पंडालों के आसपास सफाई की अपील की है. गोविंदपुर अंचल इलाके में जीटी रोड किनारे पांच स्थानों पर स्थानों में दुर्गोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. इनमें पंडुकी, कौवाबांध, गोविंदपुर ऊपर बाजार, लाल बाजार वाणी मंदिर और देवली शामिल है. उन्होंने लिखा है कि कि जीटी रोड के किनारे जगह-जगह गंदगी है और सड़क पर भी जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं. इस कारण आवाजाही में परेशानी हो रही है. अतः दुर्गा पूजा के पूर्व पूजा पंडालों के आसपास के क्षेत्र की सफाई तथा गड्ढों की भराई और सड़क की मरम्मत आवश्यक है. उन्होंने कहा कि पिछली बार भी पत्र लिखा गया था परंतु सुभाष चौक के गड्ढों की मरम्मत आज तक नहीं हो सकी है.

मोहरीबांध भू-धंसान क्षेत्र का निरीक्षण

झरिया। झरिया-बलियापुर मुख्य सड़क के मोहरीबांध स्थित हुए भू-धंसान क्षेत्र का निरीक्षण सड़क निर्माण संघर्ष मोर्चा द्वारा रविवार को किया गया. डायवर्सन रोड बनने की प्रगति को देखा गया और दुर्गापूजा के पहले बनाने के लिए कहा गया. साथ ही लाइट लगाने की बात चीत हुई, उक्त स्थल पर बीसीसीएल प्रबंधन की और से संदीप कश्यप परियोजना पदा0, परियोजना प्रबंधक अजय कुमार विश्वकर्मा के आलावे मोर्चा की और से तुलसी रवानी, प्रभाष प्र0 सिंह, कानहाई प्र 0 सिंह, लुखु हेम्ब्राम जांच किया, इस दौरान सड़क निर्माण मोर्चा के नेतागण लोदना क्षेत्र के महाप्रबंधक निखल चंद्र दुवेदी के साथ एनटी-एसटी कार्यालय में निम्न मुद्दों पर वार्ता हुई. इस दौरान नेताओं ने एक स्वर में कहा कि झरिया - बलियापुर सड़क पूर्व की तरह बनाया जाय, सड़क से सटे सौ मीटर खाई माइंस की भराई की जाय, डाईवर्सन रोड पर वेपर लाइट लगाई जाय, जीएम द्वारा आध्वासन दिया गया कि सभी कामों को जल्द किया जायेगा.

बासुदेवपुर कोलियरी गोदाम में फिर सेंधमारी

50 फीट कॉपर केबल समेत कई बिजली उपकरणों की चोरी

- कई बार चोर बना चुके हैं गोदाम को निशाना

शुभम संदेश। लोयाबाद

सिजुआ क्षेत्र के बासुदेवपुर कोलियरी स्थित गोदाम में शनिवार की रात एक बार फिर चोरों ने सेंधमारी की घटना को अंजाम दिया है. अज्ञात चोरों ने गोदाम की पिछली दीवार तोड़कर भीतर प्रवेश किया और करीब 50 फीट कॉपर केबल सहित कई कीमती बिजली उपकरण व पार्ट-पुर्जे चोरी कर लिए. गोदाम में हाल ही में बड़ी मात्रा में कॉपर केबल मंगाकर रखा गया था. तभी से चोरों की नजर उस पर बनी हुई थी. शनिवार देर रात गोदाम को निशाना बनाते हुए चोरों ने योजना के तहत सेंधमारी की. बिजली विभाग के फोरमैन हिरालाल महतो ने बताया कि चोरों ने गोदाम की पिछली दीवार में सेंध लगाकर कॉपर केबल और अन्य बिजली उपकरण गायब कर दिए हैं. रविवार होने के कारण पुलिस को अभी तक औपचारिक आवेदन नहीं दिया गया है. सोमवार को विस्तृत रिपोर्ट थाने में दी जाएगी. इस मामले में कोलियरी मैनेजर संतोष कुमार चौधरी ने कहा कि रविवार सुबह मजदूरों ने गोदाम की टूटी दीवार और चोरी की घटना की जानकारी दी. इसके बाद बिजली इंजीनियर को सूचित किया गया है. इंजीनियर की लिखित रिपोर्ट मिलने पर लोयाबाद थाना में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी. स्थानीय लोगों ने बताया कि बासुदेवपुर कोलियरी का यह गोदाम पहले भी कई बार चोरों का निशाना बन चुका है. बार-बार होने वाली घटनाओं से कोलियरी प्रबंधन और मजदूरों में आक्रोश है तथा सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं.

गिट्टी दुकानदार को पीटकर किया जख्मी

झरिया (शुभम संदेश)। झरिया थाना क्षेत्र के एना इस्लामपुर के समीप रविवार को बालू गिट्टी दुकान संचालक व ग्राहक के बीच मारपीट हो गई. जिसमें दुकान संचालक शाहबाज अंसारी (24) गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे झरिया स्थित एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज कर उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद के एक अस्तपताल भेज दिया गया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि ईस्ट भगतडीह के रहने वाले बादशाह खान नामक युवक शाहबाज अंसारी की दुकान से गिट्टी बालू खरीद कर गया था. बादशाह का कहना था कि उसे कुछ कम मात्रा में गिट्टी नाप कर दिया गया. इसी बात को लेकर दोनों रविवार को भिड़ गए. बादशाह अपने एक दोस्त के साथ बाइक से सवार होकर शाहबाज की दुकान पर पहुंचा पहले दोनों के बीच में तू-तू मैं-मैं हुई. इसी बीच बादशाह ने एक धारदार हथियार से शाहबाज पर हमला कर दिया. फिर बादशाह अपने दोस्त के साथ घटनास्थल का फरार हो गया. सूचना पाकर झरिया थाना पुलिस छानबीन में जुट गई है.

न्यूज अपडेट

ब्रह्माकुमारी विद्यालय में विश्व शांति दिवस

चिरकुंडा (शुभम संदेश)। राजयोग भवन नेहरू रोड स्थित ब्रम्हा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय चिरकुंडा शाखा में रविवार को विश्व शांति दिवस मनाया गया. इस अवसर पर निवर्तमान नगर अध्यक्ष डब्लू बाउरी, स्कुल ऑफ एजुकेशन के प्रधानाचार्य गणेश यादव, सेन्टर संचालिका अर्चना दीदी, पिंकी दीदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. डब्लू बाउरी व गणेश यादव ने लोगों को सन्देश दिया कि पलंग चाहे पचास लाख का हो पर मन में शान्ति नहीं तो नींद नहीं आती है. जीवन में शान्ति नहीं तो सबकुछ बेकार लगता है. इसलिए समय निकाल कर विश्व शांति दिवस पर राजयोग जरुर सिखना चाहिए. कार्यक्रम में मुकेश पाण्डेय, अनिता बहन, जयनंदन भाई, सुबोध भाई, कृष्णा पाण्डेय,अरविंद मुखर्जी,नंदू भाई ने नाटक खेल कर नशामुक्ति से जीवन में शान्ती आयेगी सन्देश दिया. मौके पर मिठू भाई,जोगेंद्र भाई, रघुपति गोराई, ऊशा बहन, मोनीता बहन, ममता अग्रवाल, शुमन वहन आदि थे.

गोविंदपुर में डांडिया नाइट की धूम

बेस्ट डांस में नेहा अग्रवाल एवं स्नेहा अग्रवाल ने मारी बाजी

गोविंदपुर (शुभम संदेश)। मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर उन्नति शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा के संयुक्त तत्वाधान में होटल मधुबन गोविंदपुर में डांडिया नाइट के प्रोग्राम का आयोजन किया गया. मुख्य आकर्षण डिस्को डांडिया, डांस विद डांडिया ट्रप ,वेशभूषा कंपटीशन,कपल डांस कंपटीशन , बेस्ट डांस प्रतियोगिता, सवाल जवाब प्रतियोगिता एवं बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के गेम का आयोजन आकर्षण का केंद्र रहा. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन गणेश वंदना, एवं दुर्गा मां की आराधना के साथ की गई. कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल के 7 प्रांतीय उपाध्यक्ष आदित्य अग्रवाल ,प्रांतीय सहायक मंत्री स्नेहा अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष बजरंग अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल , सचिव पायल मित्तल, शाखा अध्यक्ष शैलेश बंसल, सचिव आशिष मित्तल, कोषाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल आदि कार्यक्रम संयोजक प्रीति बंसल, नेहा अग्रवाल, रेशम अग्रवाल ,नेहा सरिया, शुभम पिलानिया ,कुणाल केजरीवाल एवं शाखा की सभी सदस्य उपस्थित थे. डांडिया प्रोग्राम में गोविंदपुर एवं धनबाद के बहुत से अन्य लोगों ने हिस्सा लिया और खूब आनंद उठाया. इस प्रोग्राम में बच्चों में बेस्ट ड्रेस प्रतियोगिता में कनवी राजगरढ़िया, बेस्ट डांस प्रतियोगिता में अनाया केजरीवाल अव्वल रही. बेस्ट डांडिया वेशभूषा प्रतियोगता में महिलाओं में पायल अग्रवाल एवं गजल गोयल, बेस्ट डांस प्रतियोगिता में नेहा अग्रवाल एवं स्नेहा अग्रवाल, कपल डांस प्रतियोगिता में पायल मित्तल आशीष मित्तल और लकी ड्रॉ में नेहा सरिया विजेता रहीं.

चोरी की 16 बाइक समेत तीन गिरफ्तार

गिरोह ने अब तक चुराई है 40 बाइक, नेटवर्क को खंगालने में जुटी पुलिस

- चोरी की बाइकों की बरामदगी और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी

शुभम संदेश। बरोरा

ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने बरोरा थाना परिसर में रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि बरोरा और बाघमारा थाना क्षेत्रों से चोरी की 16 मोटरसाइकिल बरामद की गई है. तीन आरोपी रोहित कुमार वर्णवाल उर्फ विवेक, राज चौहान उर्फ गुड्डू, और रंजीत यादव—को गिरफ्तार किया गया. साथ ही, दो नाबालिगों को निरुद्ध किया गया. यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के तहत हुई. ग्रामीण एसपी ने बताया कि हिरक रोड, मुराईडीह कॉलोनी गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक को रोका गया, इसके बाद पूछताछ में चोरी का खुलासा हुआ. गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे भीड़-भाड़ वाले बाजारों से बाइक चुराकर धनबाद और बोकारो में बेचते थे. गिरोह ने अब तक करीब 40 मोटरसाइकिल चुराई हैं. पुलिस ने त्वरित छापामारी कर 16 बाइक बरामद कीं, जिनमें पैशन प्रो, होंडा साइन, हीरो होंडा सीडी डीलक्स, ग्लैमर और पैशन प्लस शामिल हैं. मामले में बरोरा थाना में कांड संख्या 35/2025 दर्ज किया गया है. छापामारी दल में कतरास, बरोरा, सोनारडीह, मधुबन, बाघमारा, हरिहरपुर, और तेतुलमारी थानों की पुलिस शामिल थी. पुलिस का यह अभियान शेष चोरी की बाइकों की बरामदगी और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जारी है. इस कार्रवाई से बाइक चोरी के नेटवर्क को तोड़ने में पुलिस कामयाब हुई है. इस कार्रवाई में बरोरा थाना प्रभारी साधन कुमार एवं उनकी टीम की अहम भूमिका रही. बरोरा थाना प्रभारी ने दिन रात एक कर सभी चोरी हुई दो पहिया वाहन को जप्त किया.आरोपी को पकड़ कर न्यायिक हिरासत में भेजा. इस कार्रवाई से बरोरा थाना प्रभारी की क्षेत्र में चर्चा हो रही है.

विस की विशेष टीम ने किया कुइयां कोलियरी क्षेत्र का दौरा

- ग्रामीणों ने समिति के समक्ष रखी अपनी बातें, मिला भरोसा

शुभम संदेश। झरिया

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति टीम ने रविवार को कुइयां कोलियरी क्षेत्र का दौरा कर दुर्गा मंडप प्रांगण में बैठक की. जहां टीम ने रैयत व ग्रामीणों की समस्याओं को जाना. इस दौरान ग्रामीणों ने टीम को बताया कि बीसीसीएल ने 1975 में 84 एकड़ जमीन अधिग्रहण किया था लेकिन आज तक मुआवजा नहीं दिया. जमीन के बदले नौकरी भी बाकी है. प्रबंधन से लेकर राज्य सरकार तक को पत्राचार किया गया है, लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिला. ग्रामीणों की जमीन पर जबरन बीसीसीएल एवं आउटसोर्सिंग प्रबंधन की ओर से ओबी पत्थर गिराया जा रहा है. जमीन भी बर्बाद कर दिया गया और नियोजन भी नहीं मिला. आखिर ग्रामीण जाएं तो जाएं कहां. स्थानीय बेरोजगारों को भी आउटसोर्सिंग में नियोजन नहीं मिलता है. फिर नये आउटसोर्सिंग के लिए जमीन अधिग्रहण कि प्रक्रिया चल रही है. रैयतों ने कहा कि जब तक पुराने मामलों का फैसला नहीं होगा, जमीन नहीं देंगे. समिति के संयोजक सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने ग्रामीणों एवं रैयतो को आश्वस्त किया कि इस बार न्याय मिलेगा. हम लोग सारा रिपोर्ट विधानसभा स्तर पर रखेंगे और समाधान भी किया जाएगा. समिति में निरसा विधायक अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक, विधायक संदीप कुमार थे. मौके पर बीसीसीएल अधिकारी एवं बलियापुर अंचलाधिकारी के अलावे आनंदमई पाल, प्रहलाद महतो, संजय कुमार महतो आदि थे.

जलवायु परिवर्तन पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता

शुबम संदेश। महुदा

जलवायु परिवर्तन,जेंडर हिंसा एवं बाल विवाह मुक्त धनबाद निर्माण के लिए रविवार को झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा पदुगोड़ा पंचायत के पदुगोड़ा ग्राम में निबंध,लेखन एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में पदुगोड़ा के 36 किशोरियों एवं युवा महिलाओ ने भाग लिया. उपस्थित किशोरियों को सम्बोधित करते हुए झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट की सचिव हलीमा एजाज ने कहा कि देश का हर तीसरा बाल विवाह झारखंड में हो रहा है जो काफी दुःखद है.बाल विवाह के नाम से बच्चियों के साथ शारीरिक और मानसिक शोषण होता है,बाल विवाह पर अबिलम्ब रोक लगनी चाहिए. झारखण्ड सरकार ने बाल विवाह मुक्त झारखण्ड निर्माण के लिए कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं. ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद महतो, फील्ड कॉर्डिनेटर चन्दा कुमारी ने बाल विवाह निषेध अधिनियम ने किशोरियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब दिया. किशोरियों ने चित्रांकन एवं निबंध के माध्यम से बाल विवाह, जेंडर हिंसा एवं जलवायु परिवर्तन के परिणामों को दर्शाया. ट्रस्ट के समन्वयक नइमुद्दीन अंसारी, फील्ड कॉर्डिनेटर गुलनाज बानो, नन्दनी कुमारी, संजलि कुमारी, दुलाली कुम्भकार, नीलम कुमारी, रिंकी कुमारी, नेहा कुमारी, कशीष कुमारी, रौशनी कुमारी एवं सहिया आशा देवी आदि ने सम्बोधित किया.

दुर्गापूजा की तैयारियों में जुटी पुलिस, जिले के कई थानों में शांति समिति की बैठक

गोमो थाना में शान्ति समिति की बैठक

सौहार्द्रपूर्ण माहौल में पूजा मनाने का निर्णय

- मनचलों पर होगी कड़ी कार्रवाई

गोमो। दुर्गा पूजा का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्द्रपूर्ण माहौल में मनाने के लिए रविवार शाम चार बजे गोमो स्थित हरिहरपुर थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में मुख्य अतिथि अंचल अधिकारी तोपचांची नीलू टुडू, इंपेक्टर असीम कमल टपनो, थाना प्रभारी राहुल कुमार झा, जिप सदस्य प्रतिनिधि हिरामन नायक उपस्थित थे. बैठक में थाना क्षेत्र के गोमो के साउथ कॉलोनी, सिक लाईन, महिला समिति, दुर्गा पाड़ा, जीतपुर, हरिहरपुर कोरकोट्टा, खरियो पूजा समिति के अध्यक्ष, सचिव, व सदस्य जन प्रतिनिधियों और शांति समिति के सदस्यों ने विचार रखे. साथ ही प्रशासन ने समन्वय बना कर त्यौहार को शांति और सौहार्द पूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई. थाना प्रभारी राहुल कुमार झा ने सभी पूजा समिति के अध्यक्षों से पूजा के दौरान कार्यक्रम और विसर्जन मार्ग की जानकारी ली. अंचल अधिकारी नीलू टुडू ने कहा कार्यक्रम के लिए अनुमति अनिवार्य है, उन्होने कहा गाइड लाइन अनुसार पूजा पंडाल में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. बेरिकेटिंग सीसीटीवी, वेलिंटियर और अन्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित पूजा समिति करेंगे. पूजा पंडाल में मजिस्ट्रेट और पुलिस जवान तैनात रहेंगे. थाना प्रभारी राहुल कुमार झा ने कहा कि पूजा पंडालों में वेलेंटियर सक्रिय रहेगें. मनचलों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. बैठक में पूजा समिति बेनू लाल वर्धन, पंकज नाग, संजय मंडल, उमेश सिंह, संजय सिंह, मोहन दास, जगर नाथ महतो, सोहन महतो, मुखिया प्रतिनिधि लाल चंद महतो, जितेंद्र पाण्डेय , श्री कांत मंडल आदि मौजूद थे.

सुदामडीह में शांति समिति की बैठक

दुर्गा पूजा में बाधा उत्पन्न करने वालों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर

चासनाला। सुदामडीह थाना परिसर में दुर्गा पूजा त्योहार को लेकर रविवार को शांति समिति की एक बैठक का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता सुदामडीह थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह ने की तथा संचाल समाजसेवी मौसम महंती ने किया. बैठक में सभी संप्रदाय के प्रबुद्ध बुद्धिजीवी गण, दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष एवं सचिव ,शांति समिति के सदस्य, पत्रकार गण उपस्थित रहे। क्षेत्र के पूजा समिति के द्वारा अपनी अपनी बातों को थाना प्रभारी के समक्ष रखा गया. इस दौरान थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह ने अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन का अनुपालन हर हाल करना होगा. उन्होंने कहा की हुड़दंगियों पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर होगी. शांति समिति के बैठक में सुदामडीह पुलिस पदाधिकारी के अलावे पार्षद चंदन महतो,पूनम देवी, विशाल श्रीवास्तव,कैलाश विश्वकर्मा,प्रभाष अग्रवाल,राजेश साव,राजू वर्मा,लक्ष्मण सिंह,पप्पू कुमार,लक्ष्मण सिंह,ननका साव,आदि उपस्थित थे.

चिरकुंडा : सरकार की गाइडलाइन का पालन करें

चिरकुंडा। दुर्गा पूजा को लेकर चिरकुंडा थाना परिसर में रविवार को शांति समिति की बैठक हुई. अध्यक्षता इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी रामजी राय ने किया. एसडीपीओ रजत मणिक बाखला बतौर मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद थे. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूजा पंडाल समिति के सदस्यों को सरकार के गाइड लाइन का उपयोग करने का निर्देश दिया गया. संचालन योगनाथ गोस्वामी ने किया. इस दौरान सौहार्द और शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा मनाए जाने का निर्णय लिया गया. बैठक के दौरान चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्रों में नियमित साफ सफाई, अनियमित बिजली का मुद्दा छाया रहा. लोगों ने नगर व्यवस्था पर जमकर भड़ास निकाली. कहा कि प्रायः बैठकों में इस तरह के कई मुद्दों पर चर्चा की जाती है लेकिन अमल नहीं किया जाता है. बिजली विभाग के एसडीओ ने कहा दुर्गा पूजा के दौरान निर्बाध तरीके से बिजली रहेगी. पूजा पंडाल में वैध कनेक्शन लेकर उपयोग करें. मौके पर एसडीओ बिजली संतोष मंडल, सीएलडीसी पप्पू कुमार, निवर्तमान अध्यक्ष डब्लू बाउरी, जयप्रकाश सिंह, संतू चटर्जी, वरुण दे, मुखिया रंजीत पासवान, शशिभूषण तिवारी, प्रो अरुण कुमार, दशरथ साव, इरफान अहमद खान, मानिक गोराई, काजल चक्रवर्ती, सुनीता देवी, अनिल साव, उपेंद्र यादव, पवन शर्मा, प्रशांत लायक, मोइज खान, राजू अंसारी, निशिकांत मिश्रा, अरुणकांति गोस्वामी, फिरोज खान आदि थे.

जोरापोखर : मनचलों पर होगी कार्रवाई

झरिया। दुर्गा पूजा दशहरा की त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने को रविवार को जोरापोखर थाना में थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई .बैठक का संचालन समाजसेवी किशोर कुमार ने किया. बैठक में सदस्यों ने पूजा के दौरान क्षेत्र में पानी बिजली की नियमित आपूर्ति करने, शराब की बिक्री पर रोक लगाने, फुसबंगला चौक पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने तथा बाइक सवारों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखने की मांग की. थाना प्रभारी ने सदस्यों को उनके द्वारा सुझाए गए मुद्दों के सुलझाने का आश्वासन देते हुए पूजा के दौरान डीजे नहीं बजाने,समयानुसार प्रतिमा का तय रूट के तहत विसर्जन करने का निर्देश दिया. मौके पर अंचल निरीक्षक, माडा एवं विद्युत अधिकारी के अतिरिक्त कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता शमशेर आलम,अशोक झा,अलीम अंसारी, डॉ एम के ठाकुर,आरिफ सिद्धकी,कार्तिक हाड़ी,समरेंद्र पासवान आदि थे.

तिसरा : पंडालों में लगाएं सीसीटीवी

झरिया। दुर्गा पूजा को लेकर तिसरा थाना परिसर में थानेदार सुमन कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई. संचालन अशोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया. क्षेत्र में दुर्गा पूजा शांति पूर्वक संपन्न हो, इसके लिए सभी लाइसेंसी पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों को बुलाया गया. प्रभारी ने कहा कि पूजा पंडाल में सीसीटीवी, अग्नि शमन, पार्किंग तथा सुरक्षा के सभी नियमों का पालन करें. झरिया बलियापुर मुख्य रोड जो अग्नि और भूधंसान की चपेट में है. इस कारण आम जनता परेशान है. लाइट की व्यवस्था के लिए बीसीसीएल प्रबंधन से कहा जाएगा. उन्होंने कहा कि डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. रात्रि में लाउडस्पीकर की आवाज धीमी रहनी चाहिए. पूजा पंडाल में पुलिस बल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगा. बैठक में थाना के पदाधिकारी के अलावा पूजा कमेटी के सदस्य मौजूद थे.

भाटडीह : डीजे पर रहेगा प्रतिबंध

महुदा। दुर्गा पूजा शान्तिपूर्वक मनाने को लेकर रविवार को भाटडीह ओपी परिसर में ओपी प्रभारी अनुप कुमार सिंह के नेतृत्व में शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई. बैठक में ओपी प्रभारी द्वारा दुर्गा पूजा मनाने के लिए कई दिशा-निर्देश जारी की है. कहीं भी असमाजिक तत्वों द्वारा हुडदंग किया जाता है तो उसपर कानूनी कार्रवाई होगी. डीजे साउण्ड का प्रयोग नहीं होगा.पूजा कमिटि पूजा स्थल में स्वंयसेवकों की टीम गठित कर लोगों को सही मार्ग दर्शन करें. मौके पर एसआइ बाजुन हेम्ब्रम, निरंजन प्रताप,श्याम किशोर शर्मा, प्रवीण कुमार मुन्सी, मुखिया प्रतिनिधि संपद घोषाल, मेहंदी हसन, काली सिंह, अतोनु घोषाल, रियाज अंसारी, संतोष कुमार ठाकुर, विद्या प्रकाश पाण्डेय, अब्दूल समद अंसारी, बोधी राम, दिनानाथ यादव, अशोक कुमार दशोंधी, राजेश कुमार पासवान, बिनोद कुमार महतो, मो .बेलाल अंसारी, कलीमुद्दीन अंसारी, संजय कुमार सिंह आदि मौजूद थे.

रामकनाली : संदिग्ध दिखे तो सूचित करें

कतरास। रामकलानी ओपी परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. जिसकी अध्यक्षता ओपी प्रभारी संतोष रवि व संचालन मजदूर नेता राजेंद्र प्रसाद राजा ने की. इस दौरान कमिटी ने पूजा की तैयारियों की जानकारी दी. बैठक को संबोधित करते हुए ओपी प्रभारी संतोष कुमार रवि ने कहा कि जिला प्रशासन की गाइड लाइन का शत-प्रतिशत पालन करना होगा. किसी भी तरह की कोई घटना या संदिग्ध मामला दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें. साथ ही कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने वाले व असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी. मौके पर जमुआटांड पंचायत के मुखिया निरंजन गोप और निवर्तमान पार्षद छोटू सिंह समेत अन्य मौजूद थे.

गद्दर पावर ग्रिड की एनओसी : विकास पर राजनीति का शिकंजा

आदित्य कुमार

गावां (गिरिडीह) । धनवार विधानसभा क्षेत्र के गावां प्रखंड के गद्दर में 130 करोड़ रुपये की लागत से बन रही पावर ग्रिड के ट्रांसमिशन लाइन के लिए आखिरकार वन विभाग से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मिल गया है। यह मंजूरी स्थानीय जनता के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। हालांकि, इस उपलब्धि ने एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। भाजपा और भाकपा (माले) दोनों ही इसे अपनी जीत बताने में जुटे हैं।

2019 के बाद, सरकार बदली, विधायक बदले और क्षेत्र हाशिए पर : 2019 के चुनाव में तस्वीर बदल गई। राजकुमार यादव चुनाव हार गए, और धनवार से बाबूलाल मरांडी झाविमो के टिकट पर विधायक बने। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का विलय कर भाजपा में शामिल हो गए। दूसरी ओर, राज्य में झामुमो के नेतृत्व में हेमंत सोरेन की सरकार सत्ता में आई। इस बदले समीकरण का असर यह हुआ कि धनवार विधानसभा क्षेत्र एक बार फिर राजनीतिक हाशिए पर चला गया, और विकास की गति थम गई। रघुवर सरकार में शुरू हुआ ग्रिड के ट्रांसमिशन लाइन का काम वन विभाग से एनओसी न मिलने के कारण ठप पड़ गया। पांच साल तक फाइलें दफ्तरों में धूल फांकती रहीं, और जनता उम्मीदों के सहारे इंतजार करती रही।

राजकुमार यादव, विपक्ष में रहते हुए भी सत्ता की गुड लिस्ट में

गद्दर पावर ग्रिड योजना को 2019-20 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास की भाजपा सरकार ने मंजूरी दी थी। उस समय धनवार के विधायक भाकपा (माले) के राजकुमार यादव थे। विपक्षी विधायक होने के बावजूद उनकी पहचान रघुवर सरकार की ₹गुड लिस्ट₹ में शामिल विधायक की थी। इसका कारण स्पष्ट था—2014 के चुनाव में उन्होंने झाविमो प्रमुख बाबूलाल मरांडी को हराया था, और उस समय रघुवर दास व बाबूलाल मरांडी के बीच राजनीतिक तनातनी किसी से छिपी नहीं थी। नतीजतन, विपक्षी विधायक होने के बावजूद राजकुमार यादव के कार्यकाल में धनवार विधानसभा क्षेत्र में योजनाओं की झड़ी लग गई। गांव-गांव सड़कों का जाल बिछा और गद्दर पावर ग्रिड जैसी महत्वाकांक्षी योजना को भी स्वीकृति मिली। यह उदाहरण दर्शाता है कि राजनीति में व्यक्तिगत समीकरण क्षेत्रीय विकास को कैसे गति दे सकते हैं।

आंदोलन और पैरवी, दोनों पक्षों का दावा : एनओसी में देरी को लेकर भाकपा (माले) ने भाजपा नेताओं को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक बाबूलाल मरांडी और सांसद सह केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रहे। दूसरी ओर, भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने राजनीतिक कारणों से फाइलें अटकाए रखीं। भाजपा की ओर से दावा किया गया कि बाबूलाल मरांडी और अन्नपूर्णा देवी ने निर्माण कंपनी और वन विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर एनओसी दिलाने का प्रयास किया। इस बीच, पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने आंदोलन का रास्ता चुना। सड़क से सदन तक दबाव बनाया गया। जुलाई 2025 में उन्होंने छह दिन तक बेमियादी धरना दिया और मुख्यमंत्री से मिलकर एनओसी जारी करने की मांग की। दबाव इतना बढ़ा कि सरकार को लिखित आश्वासन देना पड़ा, और अंततः एनओसी जारी हो गया।

जनता की उम्मीदें बनाम नेताओं की होड़ : एनओसी मिलने से क्षेत्र में खुशी की लहर है। लोग मानते हैं कि ग्रिड के बनने से बिजली आपूर्ति में सुधार होगा और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, जनता यह भी देख रही है कि भाजपा और भाकपा (माले) श्रेय लेने की होड़ में लगे हैं। जनता का स्पष्ट कहना है, "नेताओं को क्रेडिट की लड़ाई लड़ने दें, हमें तो बस यह चाहिए कि ग्रिड समय पर बन जाए और बिजली संकट खत्म हो।

पति ने की पत्नी और सास की हत्या, गिरफ्तार

शुभम संदेश। दुमका

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के आमचुआ गांव में शुक्रवार की रात एक ही परिवार की दो महिलाओं की हत्या का मामला सामने आया। हत्यारा मृतक सोना मुर्मू का पति राजू सोरेन निकला। घटना की सूचना मिलते ही शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित लकड़ा और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक 70 वर्षीय सोनाबास्की और उनकी नतिनी सोना मुर्मू (20 वर्ष) के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेजा गया। खोजी कुत्ते के संकेत और जांच के बाद पुलिस का शक सोना मुर्मू के पति राजू सोरेन पर गया, जिसे शुक्रवार को ही हिरासत में लिया गया। दुमका पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खरवार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जांच के लिए गठित टीम ने ग्रामीणों और परिजनों के बयान लिए। राजू सोरेन के बयान और आचरण से संदेह होने पर उससे गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में राजू ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसकी पत्नी सोना मुर्मू के साथ कुछ महीनों से अनबन चल रही थी। बात-बात पर होने वाले झगड़ों के कारण उसने मुंगरे से अपनी सास और पत्नी की हत्या कर दी। सोना मुर्मू के पिता के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने 22 वर्षीय राजू सोरेन, ग्राम जलवा डूबा, थाना कठीकुंड को गिरफ्तार कर लिया। घटना के समय पहनी गई उसकी शर्ट और हत्या में प्रयुक्त खून से सना लकड़ी का मुंगरा भी जब्त किया गया। जांच टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार महतो, थाना प्रभारी अमित लकड़ा, पुलिस अवर निरीक्षक बलराम सिंह (रानीश्वर थाना), और मुनाजिर हसन (शिकारीपाड़ा थाना) शामिल थे।

ब्रीफ खबरें

बिजली चोरी के आरोप में आठ पर प्राथमिकी

गावां(गिरिडीह)। विद्युत विभाग के अफसरों ने शनिवार को गावां थाना क्षेत्र के पिहरा में सघन छापामारी अभियान चलाया. अभियान में आठ लोगों को विद्युत चोरी करते हुए पकड़ा गया. उनके विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी तथा जुर्माना भी लगाया गया. इनमें मनोज मुसहर, कोलेश्वर भुंइया, चंदन भुइयां, वीरेंद्र मुसहर, राजू मुसहर, फुटून साव पर 10,115 रुपये एवं बिकु साव पर 18,429 रुपये एवं संतोष कुमार पांडेय पर 14272 रुपये का जुर्माना लगाया गया. अभियान में सहायक विद्युत अभियंता प्रदीप राय, उदय सिन्हा, आलोक कुमार खलखो, मुमताज अंसारी शामिल थे.

दामोदर से दो भाइयों के शव बरामद

बोकारो। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर मूर्ति विसर्जन के दौरान दामोदर नदी में डूबे दो भाइयों के शव रविवार को एनडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिए. यह हादसा शुक्रवार शाम बेरमो थाना क्षेत्र के करगली गेट स्थित फिल्टर प्लांट के पास हुआ था. मृतकों की पहचान बिहार के जहानाबाद निवासी राकेश कुमार (22 वर्ष) एवं अंकित कुमार (18 वर्ष) के रूप में हुई है. दोनों कुछ दिन पहले अपने मामा शिव विनय कुमार के घर करगली नंबर-3, बेरमो आए थे और मूर्ति विसर्जन में भाग लेने गए थे, जहां नदी की तेज धारा में बह जाने से उनकी मौत हो गई. स्थानीय गोताखोरों के असफल रहने के बाद एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया था, जिसने घंटों की मशक्कत के बाद दोनों शव बरामद किए.

नईटांड़ में पूजा पूर्व चला संपूर्ण स्वच्छता अभियान

जमुआ (गिरिडीह)। दुर्गा पूजा की तैयारियों के क्रम में जमुआ प्रखंड अंतर्गत बडडीहा पंचायत के नईटांड गांव में रविवार सुबह सनातनी एकता युवा संघ के आह्वान पर एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया. अभियान में दर्जनों समाजसेवियों ने भाग लिया और गांव की मुख्य सड़कों तथा मंदिर परिसर की साफ-सफाई की. साथ ही जिन घरों से गंदा पानी सड़क पर बहाया जा रहा था, उन घरों में जाकर कमेटी के सदस्यों ने सख्त चेतावनी दी कि दुर्गा पूजा के दौरान सड़क पर कचरा या जल न छोड़ें. समिति ने ग्रामीणों से अपील की कि सभी लोग अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा बनाए रखें, ताकि त्योहार का माहौल स्वच्छ और सौम्य बना रहे.

हत्या के मामले में दो युवक गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

गुहिया पहाड़िया की लाठी डंडों से पीट कर हुई थी हत्या

शुभम संदेश। साहिबगंज

रविवार को राजमहल एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि शनिवार 20 सितंबर को सूचना प्राप्त हुई कि तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलोटीक गांव में एक व्यक्ति कि हत्या कर दी गयी है. इस हुए वारदात की घटना की खबर वरीय पदाधिकारी को दी गयी. पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के द्वारा सत्यापन और करवाई को लेकर राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया. सत्यापन उपरांत पाया गया कि ग्राम तेलोटोक के गुहिआ पहाड़िया उम्र करीब 60 वर्ष पिता स्व पहाड़िया गांव के प्रधान से आपसी रंजिश थी. गांव की प्रधान की मृत्यु करीब दस दिन पहले हुई थी. मृतक इसका खुशी मना रहा था और बोला जा रहा था ठीक हुआ प्रधान मर गया. इसी बात को लेकर प्रधान के परिवार के सदस्यों के द्वारा गुहिया पहाड़िया को लाठी डंडा से मारपीट की गयी, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी. मृतक गुहिया पहाड़िया के शव को अंत्य परीक्षण के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेजा गया. इस संबंध में मृतक की पत्नी के आवेदन के आधार पर तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 132/2025 धारा 103 (2)/3(5) बीएनएस दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है. छापामारी दल के द्वारा इस कांड के दो प्राथमिक पौलुस माल्टो उम्र लगभग 25 वर्ष और सुशील माल्टो उर्फ सूरजा पहाड़िया उम्र करीब 19 वर्ष दोनो पता ग्राम टेलोटोक थाना तीनपहाड़ जिला साहिबगंज अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है. साथ ही न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है. वहीं साहिबगंज में अब भी सरकार और जिला प्रशासन डायन विसाही जैसे कुप्रथाओं को रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है. इस तरह की कुप्रथाओं को रोकने के लिए सरकार लगातार जागरूकता अभियान चलाती हैं. लेकिन इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है.ताजा मामला साहिबगंज जिला के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र की है जहां डायन बिसाही के संदेह पर एक वृद्ध की निर्मम हत्या कर दी गई है. इस छापेमारी दल मे राजमहल सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडे, महेंद्र कुमार, शहीद अहमद खान, संजय कुमार, फिरोज खान, मो. मुन्ना, अनिल कुमार पुलिस बल के जवान शामिल थे.

महेशमुंडा मेला श्री श्री लक्ष्मी पूजा की तैयारी शुरू

बेंगाबाद (शुभम संदेश)। बेंगाबाद प्रखंड अंतर्गत मधवडीह पंचायत के रघैडीह गांव में रविवार को महेशमुंडा मेला एवं श्री श्री लक्ष्मी पूजा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता स्थानीय मुखिया मोहम्मद सिद्दीक अंसारी ने की, जबकि संचालन नेसाब अहमद ने किया. बैठक में मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष धनंजय राणा, सचिव विजय गोस्वामी, कोषाध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि महेशमुंडा मेला 6 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक भव्य रूप से आयोजित होगा. 6 अक्टूबर की रात भजन-कीर्तन और जागरण का आयोजन होगा, जबकि 7 से 9 अक्टूबर तक मेला धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ जारी रहेगा. 9 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा. सुरक्षा, रोशनी, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई और सभी को जिम्मेदारी बांटी गई. ग्रामीणों ने इस बार मेला को ऐतिहासिक और भव्य बनाने का संकल्प लिया. गौरतलब है कि महेशमुंडा मेला इस क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जहां हर वर्ष हजारों श्रद्धालु आकर आस्था और संस्कृति का अनुभव करते हैं.

न्यूज अपडेट

सिविल सर्जन ने की दो स्वास्थ्य केंद्रों की जांच

बोकारो (शुभम संदेश)। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद एवं नोडल पदाधिकारी एनयूएचएम डॉ सेलिना टुडू ने शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर यदुवंश नगर एवं महतो बांध का औचक निरीक्षण किया. जांच के क्रम में पाया गया कि दोनों आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में जीएनएम द्वारा लोगों का मधुमेह, उच्च रक्त चाप की जांच की जा रही थी. साथ ही सिविल सर्जन द्वारा सभी रजिस्टर की जांच की गई, जिसमें रिकार्ड संधारण में कमी पाई गई जिसे सुधार करने का निर्देश दिया. सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने भ्रमण के दौरान दोनो स्टाफ नर्स को निर्देश दिया गया कि अपने अपने शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में डिलवरी कराना सुनिश्चित करें. इससे सम्बन्धित आवश्यक उपकरण को उपलब्ध कराने हेतु शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक को निर्देश दिया गया. साथ ही सभी स्टाफ नर्स, सफाई कर्मी एवं गार्ड को प्रत्येक दिन ड्रेस कोड में रहने हेतु निर्देर्शित किया गया. नोडल पदाधिकारी डॉ सेलिना टूडू द्वारा बताया गया कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत मानसिक स्वस्थ्य की स्क्रीनिंग, बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच एवं स्वयं सहायता समूह के लोगो की स्वास्थ्य जांच की जा रही थी. भ्रमण के समय तक लगभग 68 लोगो की जांच की जा चुकी थी. औचक निरीक्षण के दौरान शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक विश्वरंजन, ज्योतिका कुमारी स्वास्थ्य प्रशिक्षक आदि उपस्थित थे.

झलकडीहा की गैरमजरूआ जमीन पर अवैध खदान

बेंगाबाद(शुभम संदेश)। बेंगाबाद प्रखंड के झलकडीहा मौजा में गैरमजरूआ जमीन पर इन दिनों बड़े पैमाने पर सफेद पत्थरों (क्वार्टज) का अवैध खनन किया जा रहा है. स्थानीय लोगों के अनुसार इस खनन से खनन विभाग को राजस्व की भारी क्षति पहुँच रही है. अवैध तरीके से निकाले गए पत्थरों को ट्रैक्टरों से पास के मीलों तक पहुँचाया जाता है और वहाँ से तैयार माल बाहर भेजा जाता है. ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार सूचना देने के बावजूद विभागीय अधिकारी मौन साधे हुए हैं. ग्रामीणों ने यहाँ तक कहा कि विभाग की मिलीभगत से यह पूरा खेल संचालित हो रहा है. शिकायत करने वालों को झूठे केस में फँसाने की धमकी मिलने की बात भी सामने आई है. इसी सिलसिले में नकुल मंडल, राधा देवी, सीताराम, महेश मंडल समेत कई ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से गिरिडीह डीसी रामनिवास यादव को आवेदन देकर अवैध खनन की उच्चस्तरीय जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है. रविवार शाम 5 बजे जिला खनन पदाधिकारी सत्यजीत सिंह से 7739043600 पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कॉल फॉरवर्ड रहने के कारण बातचीत संभव नहीं हो सकी. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अवैध खनन पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन करना उनकी मजबूरी होगी.

बराकर नदी से शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी

गांडेय (शुभम संदेश)। ताराटांड थाना क्षेत्र अंतर्गत बुच्चादह गांव के समीप बह रही बराकर नदी से रविवार को एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया. स्थानीय ग्रामीणों ने नदी में शव को तैरते देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही ताराटांड थाना प्रभारी सुशांत कुमार चिरंजीवी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेजा गया. थाना प्रभारी ने बताया कि शव की अब तक पहचान नहीं हो पाई है. प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत हो रहा है कि शव किसी दूरस्थ क्षेत्र से पानी के बहाव के साथ यहां तक आया है. पुलिस ने सभी संभावित पहलुओं से जांच शुरू कर दी है. इस घटना को लेकर ग्रामीणों में चिंता और भय का माहौल देखा गया. पुलिस द्वारा आसपास के थानों और जिलों में लापता व्यक्ति की सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि शव की पहचान सुनिश्चित की जा सके.

अटल जागृति मंच का संगठनात्मक विस्तार जयशंकर बने संयोजक

बोकारो (शुभम संदेश)। अटल जागृति मंच की तीसरी बैठक का आयोजन चास के भोजपुर कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को किया गया. बैठक की अध्यक्षता प्रदीप कुमार शर्मा ने की जबकि संचालन प्रवीण कुमार द्वारा किया गया. बैठक में संगठन के विस्तार पर गहन चर्चा की गई. सर्वसम्मति से जयशंकर सिंह को संगठन का संयोजक मनोनीत किया गया. वहीं संयोजक मंडल का भी गठन किया गया, जिसमें राकेश कुमार मधु, प्रवीण कुमार, टुनटुन मिश्रा, सुनील कुमार और अजीत कुमार ठाकुर को सदस्य नियुक्त किया गया. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अटल जागृति मंच की ओर से नगर आयुक्त से संपर्क कर नगर क्षेत्र के सभी पूजा पंडालों में कूड़ेदान और प्रकाश की समुचित व्यवस्था की मांग की जाएगी. बैठक में प्रमुख रूप से सुनील कुमार, अजीत ठाकुर, जय भूषण त्रिपाठी, सियाराम सिंह, कुंदन कुमार सिंह, शैलेन्द्र सिंह, अरुण शर्मा, अमित कुमार समेत कई सक्रिय सदस्य उपस्थित थे.

तालझारी में चोरी के 43 एंड्रॉयड फोन बरामद

शुभम संदेश। साहिबगंज

तालझारी थाना क्षेत्र के डाक बंगला महाराजपुर इलाके में चोरी के मोबाइल बेचने की गुप्त सूचना मिलने पर साहिबगंज पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की. पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर गठित छापामारी दल ने मौके पर दबिश देकर होंडा कंपनी की एक लाल रंग की एक्टिवा स्कूटी (पंजीयन संख्या जेएच 18के -2128) से विभिन्न ब्रांड के कुल 43 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए. पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी युवक स्कूटी में चोरी के मोबाइल रखकर टेम्पो स्टैंड के आसपास यात्रियों को बहला-फुसलाकर मोबाइल बेचने की फिराक में थे. छापामारी दल में राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय और एएसआई चिन्तु कुमार शामिल थे. राजमहल डीएसपी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि मामले को लेकर तालझारी थाना में कांड संख्या 165/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और अन्य बिंदुओं पर अनुसंधान जारी है. बरामद मोबाइलों में वीवो, ओप्पो, सैमसंग, रियलमी, रेडमी, मोटोरोला, इन्फिनिक्स, पोको, वनप्लस और टेक्नो स्पार्क जैसे ब्रांड शामिल हैं.

नोबा बोकारो चैप्टर की बैठक, सामाजिक पहल पर लिए गए कई निर्णय

बोकारो के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहे : डीसी

शुभम संदेश। बोकारो

शनिवार शाम बीएस सिटी स्थित हंस रीजेंसी होटल में नेतरहाट ओल्ड बॉयज एसोसिएशन (नोबा) बोकारो चैप्टर की बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में जिले के उपायुक्त एवं नेतरहाट विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र अजय नाथ झा विशेष रूप से उपस्थित हुए. इस अवसर पर नोबा सदस्यों ने उपायुक्त का गर्मजोशी से स्वागत किया. बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि साधक हैं समता के, सत्य, न्याय और करुणा के. हिन्द प्रेम संबल है और विश्व प्रेम साध्य बना. उन्होंने कहा कि नेतरहाट विद्यालय की इन्हीं मूल भावनाओं और आदर्शों से प्रेरणा लेकर हमें बोकारो के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर समर्पित रहना चाहिए. बैठक में वर्ष 1960 से लेकर वर्तमान बैच तक के पूर्व छात्र शामिल हुए. सभी ने मिलकर जिले के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की. बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. नोबा बोकारो चैप्टर जिले के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएगा. बुजुर्गों की विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी, ताकि उनके अनुभवों और सुझावों से बोकारो को आगे बढ़ाया जा सके. बेटियों के जन्म को सामाजिक उत्सव के रूप में मनाने की पहल की जाएगी, जिससे समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिले.

बैठक में एनएन झा, वशिष्ठ एन सिंह, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ जीएन साहू, चन्देश्वर ठाकुर, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. सुशील कुमार, अविनाश झा, हरीश सिन्हा, जयंत खल्खो, राजेश राजन समेत कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे.

मिथिला सांस्कृतिक परिषद् ने किया मैथिली कवि सम्मेलन का आयोजन

मणिपद्म की रचनाएं सामाजिक सरोकार से ओतप्रोत : राजेंद्र

शुभम संदेश। बोकारो

मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, बोकारो द्वारा शनिवार की देर शाम सेक्टर 4 ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित मैथिली साहित्यकार डॉ. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' की स्मृति जयंती समारोह सह मैथिली कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, परिषद् के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी, महासचिव नीरज चौधरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक, वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर, स्कूल के उपाध्यक्ष बटोही कुमार, आमंत्रित कवि आदि ने दीप प्रज्ज्वलन, मणिपद्म की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन के साथ किया। अपने स्वागत भाषण में महासचिव नीरज चौधरी ने मैथिली साहित्य को समृद्ध करने में मणिपद्म के योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार ने मणिपद्म के उपन्यास नैका बनिजारा के कथानक का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं सामाजिक सरोकारों से ओतप्रोत हैं।उन्होंने बताया कि वर्ष 1973 में मणिपद्म को साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साथ ही, मिथिला सांस्कृतिक परिषद् 1990 से लगातार मणिपद्म जयंती पर साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर परिषद् के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी, महासचिव नीरज चौधरी और सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक ने राजेंद्र कुमार को पाग, शॉल और पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। मैथिली महाकाव्य ऊं महाभारत के रचयिता बुद्धिनाथ झा ने मणिपद्म के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला, उन्हें बहुआयामी और विशिष्ट साहित्यकार के रूप में याद किया। वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक ने अपनी मैथिली कविता "ओ मणिपद्म कहां आब पाबी, जिनकर गुण अद्यहुं सभ गाबी" के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी। कवयित्री शैलजा झा ने कहा कि मणिपद्म भावी पीढ़ी और समाज के लिए ध्रुवतारा की तरह हैं, जो सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे। अरुण पाठक ने मणिपद्म की रचनाओं में लोकगाथाओं के अद्भुत समावेश की प्रशंसा की। श्रवण कुमार झा और मंच संचालक शंभु झा ने भी मणिपद्म को महान साहित्यकार और विशिष्ट व्यक्तित्व के रूप में याद किया। दूसरे सत्र में बुद्धिनाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित मैथिली कवि सम्मेलन में कवियों और कवयित्रियों ने मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण विभिन्न रसों की कविताएं और गीत प्रस्तुत कर देर रात तक श्रोताओं का मन मोहा। राजीव कंठ ने सभ सं पैघ काज, नीलम झा ने ई धरा के शान मिथिला, थिक हमर पहिचान मिथिला, विनय दरिहरे ने मणिपद्म की एक कविता, शैलजा झा ने उपेक्षित स्वरक पुकार और प्रतीक्षा, अरुण पाठक ने बिहारक गौरव गाथा और सद्भावना गीत जाति धर्म के नाम पर नहि बांटू इंसान के, विजय शंकर मल्लिक ने मैथिली कविता, और बुद्धिनाथ झा ने अकुलाहटि सुनाकर सबकी प्रशंसा बटोरी। मंच संचालन शंभु झा ने और धन्यवाद ज्ञापन अरुण पाठक ने किया। इस अवसर पर मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, परिषद् के अविनाश अवि, मिहिर झा राजू, सुदीप कुमार ठाकुर, गोविंद कुमार झा, अमन कुमार झा, डॉ. राम नारायण सिंह, ए.के. मिश्र, विजय कुमार मिश्र 'अंजु', विश्वनाथ झा, दुर्गानंद झा, नवीन कुमार झा, किरण झा, अजय कुमार ठाकुर, गणेश झा, बाल शेखर झा, मनोज झा, शंकर सिंह, अरविंद कुमार मिश्र, विनय किशोर, मनोज कुमार झा, विश्वनाथ गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

डीसी-एसपी की बैठक में एसडीओ, बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी को निर्देश

अग्निशमन, सीसीटीवी के साथ पंडाल में बनाएं कंट्रोल रूम

शुभम संदेश। गोड्डा

दुर्गा पूजा को लेकर उपायुक्त अंजली यादव एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार की संयुक्त बैठक में वरीय अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचलाधिकारियों एवं संबंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी को कई निर्देश दिए गए. बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा बताया गया कि जिले में धूमधाम से आगामी दुर्गा पूजा का आयोजन किए जाएंगे. इस बार श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल सकती है. जिसके लिए संबंधित अधिकारी के द्वारा अलर्ट मोड में रहते हुए छोटी एवं बड़ी सभी बिंदुओं पर ध्यान रखने की आवश्यकता है. उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी अपने- अपने क्षेत्र स्थित पूजा पंडालों का निरीक्षण कर सुनिश्चित करें कि सभी जगह अग्निशमन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है तथा अलग- अलग प्रवेश और निकास द्वार बनाए गए हैं. पंडाल एवं आसपास सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापित किए गए हैं. पंडाल में ही छोटा सा कंट्रोल रूम बनाया गया है अथवा नहीं. उन्होंने सभी थानों में दो तीन दिनों के अंदर शांति समिति की बैठक करने का निर्देश दिया साथ ही अतिसंवेदनशील, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया. उपायुक्त के द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को पूजा पंडालों के निरीक्षण क्रम में पूजा समिति सदस्यों के साथ बैठक करने, जिला द्वारा तैयार किए गए मुख्य बिंदुओं की चेक लिस्ट को चेक करने एवं पूजा समिति सदस्यों को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी निर्देश दिया गया. इस मौके पर उपविकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा, बैद्यनाथ उरांव, अनुमंडल पदाधिकारी महगामा, आलोक वरण केसरी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गोड्डा, अशोक कुमार प्रियदर्शी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महगामा, चंद्रशेखर आजाद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश कुमार पूर्णेन्दु, जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया, नगर प्रशासक, अरविंद कुमार अग्रवाल संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित कई अधिकारी उपस्थित थे.

भारत में 75 स्थानों पर "नमो युवा रन" का आयोजन, धनबाद सहित रांची और जमशेदपुर में कार्यक्रम

नशे को छोड़ो चलो दौड़ो, मैराथन दौड़ का आयोजन

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल और धनबाद ग्रामीण जिलाध्यक्ष मनीष साव की संयुक्त अध्यक्षता में "नमो युवा रन" कार्यक्रम, जिसका नारा था नशे को छोड़ो चलो दौड़ो के तहत हजारों युवाओं ने जगजीवन नगर पार्क से गोल्फ ग्राउंड तक 3.5 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया. मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय, सांसद ढुल्लू महतो, पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह, विधायक सह सचेतक राज सिन्हा, विधायक रागिनी सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा, प्रदेश उपाध्यक्ष विकास महतो, बीसीसीएल डीपी मुरली कृष्ण रमैया, भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, सत्येंद्र कुमार, रमेश राही, मानस प्रसून, पुष्परंजन, रिंकू सिंह, शुभम सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता उपस्थित थे.

दौड़ से पूर्व भाजयुमो द्वारा प्रतिभागियों के बीच टी-शर्ट का वितरण किया गया. इसके बाद, भाजपा नेताओं ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ की शुरुआत की. मुख्य अतिथि रविंद्र राय और सांसद ढुलू महतो ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में पार्टी ने पूरे भारत में 75 स्थानों पर युवा रन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया. इसी के तहत झारखंड में रांची, जमशेदपुर और धनबाद में यह दौड़ आयोजित की जा रही है.। आप सभी नशे से दूरी बनाए रखें. आपके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि आप कल के भारत का भविष्य हैं. प्रधानमंत्री दिन-रात देश की सेवा में लगे हैं, और उनके नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान लगातार बढ़ रहा है

पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, उसे करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इसका प्रमाण है.विधायक राज सिन्हा ने कहा कि नशा मुक्त भारत के लिए यह युवा रन कार्यक्रम आयोजित किया गया है. आइए, संकल्प लें कि हम नशे से दूर रहेंगे.भाजयुमो प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा ने कहा, "भाजयुमो का यह युवा रन कार्यक्रम, जिसका नारा है 'नशे को छोड़ो, चलो दौड़ो', प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया है. पुरुष और महिला प्रतिभागियों में प्रथम पुरस्कार 10,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 3,000 रुपये और सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1,000 रुपये दिए गए. कार्यक्रम का संचालन तमाल राय ने किया, और धन्यवाद ज्ञापन मनीष साव ने किया.

तेतुलमारी में शांति समिति की बैठक

शुभम संदेश। तेतुलमारी

दुर्गापूजा को लेकर रविवार को तेतुलमारी थाना परिसर मे शांति समिति की बैठक तेतुलमारी थाना प्रभारी विवेक चौधरी की अध्यक्षता में हुई. बैठक में थाना क्षेत्र हो रहे सभी पूजा कमेटी समेत शांति समिति के सदस्य शामिल हुए. जिसमें शांति व्यवस्था के साथ इस वर्ष भी दुर्गापूजा मनाने का विचार विमर्श किया गया. थाना प्रभारी ने पूजा पर जिला प्रशासन से आये निर्देश को जानकारी दी. थानेदार ने कहा पूजा मे हुड़दंग करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा. बैठक में शिव प्रसाद महतो, मंटू महतो, उपेन्द्र प्रजापति, मदन ठाकुर, पप्पू सिंह, राकेश सिंह, विरेन्द्र सिंह, प्रेमा पांडेय, चंदन महतो, राजू मल्लाह,कोशल्या देवी, मुखिया अशोक ठाकुर, देवेन्द्र राम, आकाश कुमार सिंह, बिरजू बाउरी के अलावा पूअनि सुरेश ठाकुर उपस्थित थे.

ईसीएल सीएमडी ने किया बैजना व खुशरी ओसीपी का निरीक्षण

शुभम संदेश। निरसा बाजार

ईसीएल सीएमडी सतीश झा ने रविवार को निरसा स्थित इसीएल मुगमा एरिया की बैजना खुशरी ओसीपी एवं निरसा ओसीपी का निरीक्षण किया. इस दौरान इसीएल मुगमा एरिया महाप्रबंधक ओपी चौबे एवं अन्य पदाधिकारीगण मौजूद थे. सीएमडी सतीश झा ने बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इसीएल मुगमा एरिया को 30 प्रतिशत वृद्धि दर से उत्पादन करना है. साथ ही अन्य वर्षों की उपेक्षा इस वर्ष बारिश भी अधिक हुई है.इसके बाबजूद उत्पादन वृद्धि दर बढ़ाना है जो एक चुनौती है. जिसमें सबका सहयोग उपेक्षित है. इन्हीं सब पहलुओं को लेकर बैजना खुशरी ओसीपी एवं निरसा ओसीपी का निरीक्षण किया गया है और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं.

बाइक चोरी कांड का खुलासा, एक गिरफ्तार

■ चोरी की गई बाइक व मास्टर चाबी बरामद

शुभम संदेश। चासनाला

सुदामडीह थाना परिसर में रविवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई. इस दौरान जोरापोखर अंचल निरीक्षक आशुतोष कुमार ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि मोहलबनी बस्ती निवासी वादी आनंद महतो के आवेदन के आधार पर सुदामडीह कांड संख्या 74/25, दिनांक 18 सितंबर, धारा 303(2) बीएनएस 2023 के तहत अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

अनुसंधान के क्रम में सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा के बाद यह स्पष्ट हुआ कि 27 अगस्त को मोहलबनी बस्ती में घर के सामने से एक्सप्लेंडर मोटरसाइकिल (संख्या जेएच10बीजेड3267) चोरी की गई थी. फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी मुकेश रजवार (उम्र 45), पिता स्व. मदन रजवार, ग्राम बेलडीह, थाना चंदनकियारी, जिला बोकारो को 21 सितंबर को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई बाइक और मास्टर चाबी बरामद की है. गिरफ्तार आरोपी को रविवार को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए धनबाद जेल भेज दिया गया.

इस छापेमारी दल में सुदामडीह पुलिस के अवर निरीक्षक राहुल कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक मो. करीम, चौकीदार चंडी चरण महतो और करण महतो शामिल थे.

अग्रोहा नरेश श्री अग्रसेन जी महाराज की 5150 वीं जयंती

शुभम संदेश। झरिया

बालिका विद्या मंदिर में नर-नारायण भोज

अग्रोहा नरेश श्री अग्रसेन जी महाराज की 5150 वी जयंती पखवाड़ा रविवार 21 सितंबर को बालिका विद्या मंदिर में नर नारायण भोज के साथ आरंभ हुआ. सर्वप्रथम भगवान नारायण को भोग लगाया गया. इसके बाद मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने नर नारायण का आदर के साथ स्वागत किया. सहसम्मान सभी नर नारायणो को बैठा कर पूड़ी, बुंदिया, कचौड़ी, जलेबी, सब्जी, रायता, सेव आदि समाज के लोगों ने अपने हाथों से परोसकर खिलाया. नर नारायणों की सेवा के बाद उन्हें गमछा, बर्तन, 21 रुपया, साबुन, बिस्कुट आदि देकर विदाई दी गई.

इस दौरान सम्मेलन अध्यक्ष राज कुमार अग्रवाल ने कहा कि अग्रोहा नरेश अग्रसेन जी महाराज के बताए मार्ग पर चलते हुए अग्रोहा समाज के लोग आज समाज सेवा के कार्य में लगे हुए हैं.नर सेवा ही नारायण सेवा है. नर नारायण भोज के साथ पखवाड़ा की शुरुआत की जा रही है. अग्रसेन जी महाराज का कहना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास व सेवा कार्य पहुंचना चाहिए.

मौके पर मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष डॉ. ओपी अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, अशोक शर्मा, सी ए दीपक अग्रवाल, अरुण बंसल, गणेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, सत्यनारायण भोजगडिया, अनिल खरकिया, कृष्णकांत अग्रवाल, महेश जालुका, नरेश अग्रवाल, प्रमोद जालुका, विनोद मोदी, अमित अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अनूप लिल्हा, विवेक लिलहा, मनीष शर्मा, मीनू गोयल सहित काफी संख्या में समाज की महिलाएं व पुरुष मौजूद थे.

पेड़ पर दिखा विशालकाय अजगर

शुभम संदेश। महुदा

धनबाद बोकारो मुख्य मार्ग ब्रह्मबाबा मंदिर के समीप महुदा रेलवे कॉलोनी क्वार्टर के पास एक पेड़ पर अजगर सांप को देखा गया. उक्त स्थल पर आनेजाने वाले लोगो अजगर देखने का भीड़ उमड़ पड़ी है. अजगर सांप सागवान का पेड़ पर चढ़ा हुआ है. इधर ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते अगर अजगर को नहीं पकड़ा गया तो आसपास लोग भयभीत रहेंगे. फिलहाल सांप को देखने के लिए लोगों की हुजूम उमड़ रही है.

संकल्प एजुकेशन में लाइफ मैनेजमेंट पर वर्कशॉप

■ निश्चित लक्ष्य, मजबूत इरादा, उचित मार्गदर्शन से ही मिलती है सफलता : डॉक्टर रविंद्र विश्वकर्मा

शुभम संदेश। कतरास

रविवार को जय धरती मां फाउंडेशन के तत्वाधान संकल्प एजुकेशन अंगार पथरा में लाइफ मैनेजमेंट ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया. जिसमें नेशनल मोटीवेटर डॉ रविंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बच्चों को स्ट्रेस फ्री होकर परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए, एक कार्यशाला के द्वारा बताया. उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए निश्चित लक्ष्य ,मजबूत इरादा, उचित मार्गदर्शन के अनुसार कड़ी मेहनत, ईमानदारी और नियमितता सफलता के मूल मंत्र हैं. डॉ रविंद्र विश्वकर्मा वियट लाइफ के संस्थापक और बीसीसीएल के एचआरडी ट्रेनर हैं. मौके पर संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो, जय धरती मां फाउंडेशन के संस्थापक रवि कुमार निषाद, सह संस्थापक रंजीत कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी शमशेर अली, संकल्प एजुकेशन के छात्र- छात्राएं एवं उनके अभिभावक गण उपस्थित थे.

आसनसोल

विजयादशमी महावीर अखाड़ा शोभायात्रा के लिए तैयारियां प्रारंभ

महावीर दल अखाड़ा कमेटियों को देगा 25,000 का अनुदान

शुभम संदेश। बर्नपुर

आगामी विजयादशमी के अवसर पर निकलने वाली महावीर अखाड़ा शोभायात्रा को लेकर महावीर दल सेंट्रल अखाड़ा कमेटी की एक अहम बैठक शिव स्थान परिसर, बर्नपुर में आयोजित की गई. इस बैठक में 14 अखाड़ा कमेटियों के अध्यक्ष, सचिव, स्थानीय पुलिस प्रशासन के अधिकारी तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे. बैठक की अध्यक्षता महावीर दल सेंट्रल अखाड़ा कमेटी के अध्यक्ष मलय घटक ने की, जबकि संचालन महासचिव गौरी शंकर सिंह ने किया. बैठक में सीआई अशोक सिंह महापात्र एवं हीरापुर थाना प्रभारी तन्मय राय विशेष रूप से उपस्थित रहे.

सीआई महापात्र ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार शोभायात्रा के दौरान किसी भी प्रकार के हथियार और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. साथ ही उन्होंने नशा सेवन से परहेज करते हुए शोभायात्रा में भाग लेने की अपील की. थाना प्रभारी तन्मय राय ने कहा कि बर्नपुर में सभी धर्मों के त्योहार मिलजुल कर मनाने की परंपरा रही है, जिसे इस बार भी कायम रखा जाएगा. उन्होंने शोभायात्रा के लिए निर्धारित रूट का पालन सुनिश्चित करने, पुलिस और वॉलेंटियर्स के बीच समन्वय बनाए रखने, तथा लाठी और आग के खेल में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया. इस दौरान महावीर दल की ओर से सभी अखाड़ा कमेटियों को 25,000 का अनुदान देने की घोषणा की गई. अध्यक्ष मलय घटक ने सभी कमेटियों से सोसायटी एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन करवाने का आग्रह किया. साथ ही दो अन्य अखाड़ा दलों को भी इस मुख्य शोभायात्रा में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया. अनुदान की घोषणा से अखाड़ा दलों में खासा उत्साह देखा जा रहा है.

नितुरिया पारबेलिया में होगा 24 कुण्डीय राष्ट्र जागरण यज्ञ

गायत्री परिवार का उद्देश्य जन-जन में देवत्व का विकास

शुभम संदेश। नितुरिया

प्रखंड अंतर्गत पारबेलिया में युग निर्माण समिति एवं शांतिकुंज हरिद्वार की पारबेलिया शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 12 नवंबर से 15 नवंबर 2025 तक 24 कुण्डीय राष्ट्र जागरण यज्ञ का आयोजन किया जाएगा.

इस संबंध में रविवार 21 सितंबर को पारबेलिया फुटबॉल मैदान में आयोजन की तैयारी हेतु आवश्यक बैठक संपन्न हुई. आयोजन का उद्देश्य जन-जन में देवत्व के गुणों का विकास, अज्ञान का नाश, एवं सद्विचारों का प्रसार करना है.

बैठक में रविंद्र शर्मा, दामोदर सिंह, कामेश्वर प्रसाद यादव, काजल सेन, योगेश त्रिपाठी, शिव शंकर महतो, मीना देवी सहित दर्जनों गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

भाजपा ने 'सेवा सप्ताह' में मरीजों को बांटे फल

शुभम संदेश। पुरुलिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के काशीपुर मंडल नंबर 1 द्वारा रविवार को हुड़ा ग्रामीण अस्पताल में 'सेवा सप्ताह' के अंतर्गत फल, केक, बिस्कुट, ब्रेड और पानी की बोतलों का वितरण कर मरीजों की सेवा की गई.

कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष एवं हुड़ा ग्राम पंचायत के प्रधान संदीप सिंह सरदार ने किया. उन्होंने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व से प्रेरित होकर समाज सेवा के कार्यों को गति दी जा रही है. इस अवसर पर असीम रक्षित, शक्तिपद पातर, स्वर्ण सहिस, गणेश माझी, तापस परमानिक, विकास महतो, विजय दास समेत कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे. मंडल अध्यक्ष ने कहा कि समाज सेवा ही इस विशेष दिन को मनाने का सच्चा अर्थ है.

शताब्दी वर्ष में आरएसएस का कुल्टी में भव्य पथ-संचलन, पुष्पवर्षा कर स्वागत

संघ वटवृक्ष, विश्वभर में हैं इसकी शाखाएं:सेल ईडी

शुभम संदेश। कुल्टी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष और महालया के पावन अवसर पर रविवार को कुल्टी डिभीसी मैदान से भव्य पथ-संचलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन कुल्टी नगर संघ चालक विजय कृष्ण खेमानी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया. पथ-संचलन की शुरुआत आरएसएस की प्रार्थना, गीत और शारीरिक व्यायाम प्रदर्शन के साथ हुई. इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने शिवपुर रोड से कॉलेज रोड तक नगर भ्रमण किया और पुनः मैदान में लौटे. रास्ते भर स्थानीय नागरिकों ने स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर उनका सम्मान किया. मैदान में लौटने के बाद राष्ट्रीय ध्वज का तोलन और सलामी दी गई.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सेल कुल्टी वर्क्स के ईडी अनिल कुमार उपस्थित रहे. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि ऐसे ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना. वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने जिस विचार के साथ संघ की नींव रखी थी, वह आज एक वटवृक्ष का रूप ले चुका है. यह संगठन न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी अपने संस्कार, राष्ट्रीयता और सेवा भाव के लिए जाना जाता है.

उन्होंने यह भी कहा कि जब देश विभाजन की त्रासदी से गुजर रहा था, तब आरएसएस ने निस्वार्थ भाव से शरणार्थियों की सेवा की और राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अहम भूमिका निभाई.

कुल्टी नगर संघ चालक विजय कृष्ण खेमानी ने अपने संबोधन में कहा कि संघ की यह शताब्दी यात्रा समाज और राष्ट्र निर्माण में एक प्रेरणा है. हम आगे भी सामाजिक समरसता, सेवा और राष्ट्रहित के कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. इस अवसर पर कुल्टी विधायक डॉ. अजय पोद्दार भी पूर्ण गणवेश में कार्यक्रम में शामिल हुए. आयोजन को सफल बनाने में नगर कार्यवाहक रबी सिंह, सह कार्यवाहक राजीव पराशर, वरिष्ठ कार्यकर्ता उमेश गोयनका, पावन मंडल (जिला संघ प्रमुख), जयदीप माजी सहित बड़ी संख्या में संघ, वीएचपी, बजरंग दल और भाजपा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही.

शिल्पांचल में महालया पर अनोखी एकदिवसीय दुर्गापूजा

मां दुर्गा की विदाई नहीं, स्थायी स्थापना का प्रतीक

शुभम संदेश। बर्नपुर

महालया के शुभ अवसर पर जहां संपूर्ण शिल्पांचल दुर्गोत्सव के रंग में रंगने लगा है, वहीं बर्नपुर के समीप धेनुआ गांव में आयोजित एकदिवसीय दुर्गापूजा ने परंपरा और आस्था का एक अनोखा संगम प्रस्तुत किया.

धेनुआ गांव स्थित कालीकृष्ण योगाश्रम में पिछले 46 वर्षों से महालया के दिन ही एक दिवसीय दुर्गापूजा का आयोजन किया गया. रविवार की सुबह मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर उनकी कुमारी रूप गौरी महामाया के रूप में पूजा की गई. पूजा में मां दुर्गा के साथ उनकी सखियों जया तथा विजया की भी आराधना की गई. इस विशेष पूजा पद्धति की शुरुआत वर्ष 1979 में तेजानंद ब्रह्मचारी द्वारा की गई थी, जो 1977 में असम से इस आश्रम में आए थे. उनके देहावसान (2003) के बाद से गौरी केदारनाथ मंदिर कमेटी इस परंपरा को आगे बढ़ा रही है. पुजारी नारायण दत्त ने जानकारी दी कि इस पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि प्रतिमा विसर्जन दशमी को न होकर एकादशी को किया जाता है, और वह भी संपूर्ण प्रतिमा का नहीं बल्कि केवल 'कोला बऊ' का विसर्जन होता है. इससे यह संदेश दिया जाता है कि मां दुर्गा की विदाई नहीं होती, बल्कि वे सदैव भक्तों के साथ विराजमान रहती हैं. इस बार पूजा में महिला ढाकियों की सहभागिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही. पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद व खिचड़ी भोग वितरित किया गया. इस आयोजन में आसपास के गांवों के साथ ही दूर-दराज के जिलों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे. श्रद्धालुओं ने मां को पुष्पांजलि देकर मंगलकामना की.

गिरिडीह केंद्रीय मंडल कारा पहुंची डालसा की टीम

शुभम संदेश। गिरिडीह

जेल अदालत, कानूनी जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जिला विधिक सेवा प्राधिकार डालसा, गिरिडीह की ओर से रविवार को केंद्रीय मंडल कारा में जेल अदालत सह कानूनी जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के प्रमुख नजमुल हसन ने बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि नालसा, नई दिल्ली और झालसा, रांची के निर्देश पर कारागार में निरंतर कानूनी सहायता कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिसके तहत हर महीने जेल अदालत का आयोजन किया जाता है.

बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी देने तथा निःशुल्क कानूनी सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जेल में पारा लीगल वॉलिंटियर्स की नियुक्ति की गई है, जो बंदियों से संपर्क कर उनकी समस्याएं डालसा तक पहुंचाते हैं. नजमुल हसन ने यह भी बताया कि जो बंदी निजी अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए लीगल एड डिफेंस काउंसिल के तहत निःशुल्क अधिवक्ता की व्यवस्था की जाती है, जो उनके मामलों की सुनवाई में नियमित रूप से पैरवी करते हैं.

कार्यक्रम में नए बंदियों को पीएलवी द्वारा उनके अधिकारों और कानूनी सहायताओं की जानकारी दी गई. बंदियों से आवेदन लेकर उन्हें समय पर सहायता देने की प्रक्रिया भी समझाई गई. साथ ही जेल प्रशासन को निर्देश दिया गया कि यदि कोई बंदी निःशुल्क अधिवक्ता की मांग करे, तो उसका आवेदन तुरंत जिला विधिक सेवा प्राधिकार को भेजा जाए. इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में बंदियों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें निशुल्क दवाएं व अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई. कार्यक्रम में लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के अन्य सदस्य, जेल प्रशासन व पीएलवी भी उपस्थित रहे.

पोषक क्षेत्र में नहीं खुला साक्षरता केंद्र

महुदा। धनबाद जिला बाघमारा प्रखण्ड अंतर्गत सभी विद्यालय में नव भारत साक्षरता के तहत आकलन सह जांच परीक्षा आयोजन किया गया. जिसमें सभी विद्यालय के पोषक क्षेत्र में साक्षरता समिति का गठन करना था लेकिन किसी भी विद्यालय में साक्षरता समिति का गठन नहीं किया गया है. न ही विद्यालय के पोषक क्षेत्र में साक्षरता केन्द्र खोला गया हैं. केवल विद्यालय के रसोईया लोगों से महिलाओं का आधार कार्ड, एक फोटो मंगवाकर सीआरपी और विद्यालय के शिक्षकों के माध्यम से अपने से फार्म भरकर खाना पूरी करने का काम साक्षरता दर को बढ़ाने के लिए परीक्षार्थियों का संख्या बढ़ाई जा रही है. ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि पहले साक्षरता के माध्यम से मुफ्त विद्यालयी शिक्षण संस्थान से साक्षर होने का प्रमाण पत्र मिला हैं, लेकिन अभी न लिखने पढ़ने सामग्री मिला है. न पढ़ाने का मास्टर लेकिन परीक्षा बार बार लिया जा रहा है. ये केवल खानापूर्ति कर सरकार का पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है.

फरार आरोपी गिरफ्तार

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ पुलिस ने रविवार को एक विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी साबिर आलम, पिता मुख्तार आलम, ग्राम खरगडीहा निवासी को गिरफ्तार किया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी जमुआ थाना कांड संख्या 216/25 में नामजद था और घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था. उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत थी. गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर आखिरकार पुलिस ने उसे दबोच लिया. गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. उसे गिरिडीह मंडल कारा में भेजा गया है. थाना प्रभारी मनीकांत कुमार ने कहा कि फरार और वांछित आरोपियों पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है. कानून से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा.

चतरो-बेंगाबाद मुख्य सड़क की मरम्मत शुरू, गड्ढों से मिलेगी निजात

बेंगाबाद(गिरिडीह)। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार चतरो-बेंगाबाद मुख्य सड़क की मरम्मती कार्य रविवार से शुरू हो गई. विभागीय पदाधिकारियों की देखरेख में जेसीबी मशीन से गड्ढों को भरने का काम तेज़ी से जारी है. मरम्मती कार्य शुरू होने से राहगीरों ने राहत की सांस ली है . गौरतलब है कि जर्जर सड़क की वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था . हाल ही में बेंगाबाद थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में सड़क की बदहाल स्थिति का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया था. इस दौरान आमजन ने नाराजगी जाहिर करते हुए मरम्मत की मांग पर जोर दिया था . झामुमो नेता नुनुराम किस्कू ने पथ निर्माण विभाग को नवरात्र से पहले कार्य आरंभ करने का अल्टीमेटम दिया था, जबकि भाजपा नेता महेंद्र प्रसाद वर्मा ने आंदोलन की चेतावनी दी थी . अखबारों में लगातार इस विषय को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद विभाग हरकत में आया और संवेदक पर दबाव बनाकर मरम्मती प्रक्रिया शुरू की गई . रविवार को छोटकी खरगडीहा चौक से औपचारिक रूप से काम का शुभारंभ किया गया . स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक तत्परता और मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही पूरी सड़क की मरम्मत पूरी होगी और आवागमन सुचारू हो जाएगा .

डुमरी के योगीडीह में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

डुमरी (गिरिडीह)। मेरा युवा भारत गिरिडीह के तत्वावधान में रविवार को योगीडीह फुटबॉल मैदान में प्रखंड स्तरीय दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत की गई. प्रतियोगिता का उद्घाटन पौरैया मुखिया राजकुमार महतो एवं लोहेड़ीह मुखिया अर्जुन महतो ने फुटबॉल में किक मारकर किया. उद्घाटन मैच डुमरी बनाम बिराजपुर के बीच खेला गया, जिसमें डुमरी ने 1-0 से जीत दर्ज की. कार्यक्रम में भाजपा नेता दिनेश महतो, पिंटू कुमार, बजल हेम्ब्रम, मेरा युवा भारत से केदार महतो, लेखराज प्रसाद, इंद्र कुमार ऋषि सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे. खेल प्रतियोगिता में दौड़ (बालक वर्ग): प्रथमः नागेश्वर सिंह, द्वितीयः रंजन यादव,तृतीयः रिशु यादव, दौड़ (बालिका वर्ग) में प्रथमः पम्मी कुमारी, द्वितीयः पूजा कुमारी, तृतीयः वंदना कुमारी, कबड्डी (बालिका वर्ग) में प्रथमः योगीडीह, द्वितीयः असुरबांध, तृतीयः विराजपुर रहे. निर्णायक मंडल में गोपाल महतो, पायल कुमारी, युगल किशोर महतो की अहम भूमिका रही. अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं क्षेत्र की छिपी प्रतिभाओं को मंच देने का कार्य करती हैं और युवाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं.

जमुआ प्रखंड महिला मोर्चा की राजद कमिटी गठित

■ बसंती राणा बनी अध्यक्ष और रूक्मणी देवी सचिव

जमुआ(गिरिडीह)। जमुआ प्रखण्ड राष्ट्रीय जनता दल महिला प्रकोष्ठ की बैठक रविवार जिला अध्यक्ष सुनीता यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई. संचालन राजद के प्रखण्ड अध्यक्ष ललन यादव ने किया. बैठक में भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित हुई और सभी राजद के महिला मोर्चा की सदस्यों ने महिला मोर्चा प्रखण्ड कमिटी गठित करने का फैसला लिया. सर्व सम्मति से प्रखंड महिला मोर्चा की अध्यक्षा के रूप में बसंती राणा को चयनित किया जबकि सचिव के लिए रूक्मणी देवी के नाम का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया. महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जमुआ विधान सभा क्षेत्र में जमुआ प्रखण्ड और देवरी प्रखण्ड के सभी महिलाओं के सम्मान और अधिकार के लिए लालू यादव के विचारधारा को अपनाते हुए राजद संगठन से जुड़ें और नारी शक्ति सशक्त बनाने की भरपूर प्रयास कर अंजाम तक पहुंचाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें. राजद प्रखण्ड अध्यक्ष ललन यादव ने कहा कि महिला ही सभी संगठन की असली ताकत है नारी शक्ति के बिना सामाजिक न्याय का झंडा बुलंद नहीं किया जा सकता है. उन्होंने तमाम महिलाओं से अपील की कि जमुआ सामाजिक न्याय की धरोहर है इसे हम किसी भी कीमत पर झुकने नहीं देंगे. नारी के सम्मान और अस्मिता की हिफाजत के लिए हम हमेशा आप सभी के सहयोग से संघर्ष जारी रखेंगे. कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंजली कुमारी, अनिता देवी, कुंती देवी, सुनीता देवी, कौशल्या देवी, बसंती देवी, रिंकी देवी, पुष्पा देवी, उर्मिला देवी, पार्वती देवी रुबिया देवी, सुलेखा देवी सहित भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी.

जातिसूचक टिप्पणी के खिलाफ कालिंदी समाज का प्रदर्शन

शुभम संदेश। बोकारो

सोशल मीडिया पर कालिंदी समाज के विरुद्ध कथित रूप से की गई जातिसूचक टिप्पणी के विरोध में रविवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल से आए कालिंदी समाज के सैकड़ों लोगों ने चंदनकियारी थाना पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों ने डीजे सारजन उर्फ शिव नारायण महतो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की.

इस संबंध में भारतीय डोम विकास परिषद की ओर से थाना प्रभारी को एक संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त आवेदन भी सौंपा गया. आवेदन में आरोप लगाया गया कि डीजे सारजन ने सोशल मीडिया पर कालिंदी समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया, जिससे समाज की गरिमा को ठेस पहुंची है.

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर उदाहरण देना ही था, तो वे अपने समाज का उल्लेख कर सकते थे. लेकिन उन्होंने जानबूझकर कालिंदी समाज को लक्षित किया, जो निंदनीय है.

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आरोपी के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा.

हालांकि, बाद में डीजे सारजन और कालिंदी समाज के प्रतिनिधियों के बीच आपसी समझौता हुआ, जिसके बाद कार्रवाई की मांग वाला आवेदन वापस ले लिया गया.

धर्माबांध : ज्वेलर्स और शराब दुकान में लाखों की चोरी

कलाली में शराब का सेवन कर ज्वेलर्स दुकान में दिया घटना को अंजाम

शुभम संदेश। कतरास

दुर्गा पूजा से पहले चोरों ने धर्माबांध ओपी इलाके में एक ही रात दो स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दी है. अपराधियों ने ओपी इलाके के सोनारडीह रेलवे फाटक के पास स्थित भवानी ज्वेलर्स व देशी शराब दुकान का ताला तोड़कर नगदी सहित करीब तीन लाख की संपत्ति पर हाथ साफ किया. घटना की खबर पाकर ओपी प्रभारी सहित सर्किल इंस्पेक्टर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी. पुलिस ने घटना को लेकर फिंगर प्रिंट स्पेक्ट्र , टेक्निकल सेल, डॉग की सहारे व सीसीटीवी फुटेज के सहारे अपराधियों की खोजबीन शुरू कर दी है.

बताया जाता है कि अपराधियों ने कलाली (देशी शराब दुकान) में आराम से जमकर शराब पी और घटना को अंजाम दिया है. अपराधियों ने कलाली में नकदी सहित कई पेटी बीयर व शराब पर हाथ साफ किया. इसके बाद बगल के भवानी ज्वेलर्स दुकान में करीब डेढ़ लाख जेवरात चोरी की. भवानी ज्वेलर्स दुकान के संचालक सोचितर साव ने धर्माबांध ओपी में लिखित शिकायत दिया है. दुकान के परिसर में स्थित मोबाइल टावर का ऑपरेटर राजकुमार महतो द्वारा सूचना मिली कि रात्रि के समय लगभग 2:00 बजे जब वो मोबाइल टावर को देखरेख करने जा रहे थे तो उनकी नजर भवानी ज्वेलर्स के बगल में स्थित ग्रिल गेट पर काला रंग के प्लास्टिक दिखी. जिससे हटाकर देखने पर ज्वेलर्स दुकान का अंदर शटर दरवाजा टूटा हुआ मिला.

तब उन्होंने हल्ला किया और अगल-बगल के लोग के जुटे. लेकिन इससे पहले ही चोर चोरी कर भाग गए थे. इसी बीच पुलिस को सूचना देने पर धर्माबांध पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई. ज्वेलर्स दुकानदार ने बताया कि उनकी दुकान से चोरों ने करीब 1 किलो 50 ग्राम चांदी एवं दो ग्राम सोने की चोरी की है. दुकान के अन्य समान और अलमीरा को क्षतिग्रस्त कर दिया है. चोर अलमीरा खोल नहीं पाये. इधर देशी शराब दुकान के सेल्समैन राजेश सिंह ने कहा कि रविवार की सुबह दुकान की चोरी होने की सूचना के बाद देखने आया तो सोचा जरा अपनी भी दुकान देख लें. देखने गया तो देखा मेन गेट का ताला टूटा हुआ है और खिड़की का भी टूटा हुआ है.

सीपीआई (एम) ने अमेरिका की धमकाने वाली रणनीति की कड़ी निंदा की

बोकारो। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1बी वीज़ा धारकों पर लगाए गए 88 लाख रुपये के भारी शुल्क को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. माकपा बोकारो लोकल कमेटी के सचिव राजकुमार गोरांई ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह निर्णय अमेरिका की एकतरफा और प्रतिशोधात्मक नीतियों का एक और उदाहरण है, जो वैश्विक व्यापार संतुलन को बिगाड़ने का कार्य कर रही है. राजकुमार गोरांई ने कहा कि 21 सितंबर 2025 से लागू होने जा रही यह नई नीति अमेरिकी व्यापारिक हितों को साधने के लिए अन्य देशों पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है. उन्होंने बताया कि यह कदम ईरान के चाबहार बंदरगाह पर 50% टैरिफ लगाने और भारत की परियोजना पर अप्रत्यक्ष प्रतिबंध लगाने के बाद सामने आया है, जिससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता से पूर्व भारत पर दबाव बनाना चाहता है.उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद प्रधानमंत्री ने सिर्फ आत्मनिर्भरता के अस्पष्ट उपदेशों के माध्यम से जवाब दिया है, जो पलायनवादी दृष्टिकोण को दर्शाता है.

एक क्विंटल अगरबत्ती से बन रही मां की प्रतिमा

■ मनईटांड़ कला संगम अनूठी प्रतिमा निर्माण के लिए है प्रसिद्ध

शुभम संदेश। धनबाद

मनईटांड़ के कला संगम में इस बार एक क्विंटल अगरबत्ती से मां की मूर्ति का निर्माण किया जा रहा है. कला संगम पूरे धनबाद जिले में अपनी अनूठी मूर्ति निर्माण कला के लिए प्रसिद्ध है. यहां मूर्ति निर्माण के लिए किसी बाहरी मूर्तिकार या कारीगर को नहीं बुलाया जाता; कमेटी के युवा सदस्य ही इस कार्य को अंजाम देते हैं. यह कमेटी हर साल मूर्ति निर्माण के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से सम्मानित की जाती है. कला संगम की मूर्तियां इतनी विशिष्ट होती हैं कि लोग दूर-दूर से इन्हें देखने आते हैं. विभिन्न संस्थाओं और समाचार पत्रों ने भी कला संगम को सर्वश्रेष्ठ मूर्ति निर्माण के लिए पुरस्कृत किया है. कला संगम कमेटी पिछले 68 वर्षों से पूजा का आयोजन करती आ रही है और हर साल श्रद्धालुओं को कुछ नया और अनोखा देखने को मिलता है. बीते वर्षों में यहां रेडियम, सब्जियों, मसालों, फूलों, बिस्कुट, सिक्कों, पेंसिल, साबुन आदि से बनी मूर्तियां चर्चा का विषय रही हैं. खासकर सिक्कों से बनी मूर्ति ने पूरे धनबाद जिले में खूब सुर्खियां बटोरी थीं.

सुरक्षा व्यवस्था की बात करें तो कमेटी के सदस्य पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर शांति और व्यवस्था बनाए रखते हैं। पूजा में बजटः 6 लाख रुपये, लाइट व्यवस्थाः 1.50 लाख रुपये आंकी गई है.

पूजा कमेटी के पदाधिकारीः अध्यक्षः नरेश कुशवाहा, उपाध्यक्षः राजीव कुमार, सचिवः संजय गुप्ता, कोषाध्यक्षः भारतेश सपरिया, कार्यकारिणी सदस्यः जितेंद्र कुशवाहा, उदय साहू, कमल साहू, विशाल कुमार, धनेश्वर प्रसाद, युवा कार्यकारिणी सदस्यः मनीष बरनवाल, विवेक साहू, बृज किशोर राय, सिद्धार्थ सुमन, रिशु साहू, रौनक कुमार, हार्दिक उदय, अनिकेत कुमार, राहुल नारनौली, अमन कुमार, निखिल राज, आदर्श गुप्ता, केशव गुप्ता आदि.

मधुबनः शांति समिति की बैठक में दुर्गा पूजा पर चर्चा

सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने दिए दिशा-निर्देश

शुभम संदेश। मधुबन

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार आगामी दुर्गा पूजा को लेकर मधुबन थाना परिसर में रविवार को थाना प्रभारी शुभम कुमार की अध्यक्षता में क्षेत्र के गणमान्य लोगों, जनप्रतिनिधियों, पुलिस जन सहयोग समिति और शांति समिति के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई.

बैठक में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार, पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं के सुगम और सुरक्षित दर्शन के लिए 25 बिंदुओं पर आधारित एक अंडरटेकिंग प्रपत्र पूजा समिति के अध्यक्ष एवं सचिव को दिया गया. प्रमुख दिशा-निर्देशों में भवन निर्माण, विद्युत और अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र, पंडाल में सीसीटीवी कैमरा, कंट्रोल रूम, महिलाओं-पुरुषों के लिए अलग प्रवेश व निकास द्वार, फर्स्ट एड, मेडिकल कियोस्क, बैरिकेडिंग, हेल्प डेस्क, अग्निशमन यंत्र, एलईडी प्रचार, डस्टबिन, स्वच्छता संबंधी प्रचार, महिला शौचालय, पेयजल, बारिश और जल निकासी के लिए व्यवस्था, बुजुर्गों व दिव्यांगों के लिए सुविधा, और प्रशिक्षित वॉलेंटियर्स की तैनाती आदि शामिल हैं. थाना प्रभारी शुभम कुमार ने कहा कि पूजा के दौरान शांति, सौहार्द और सामंजस्य बनाए रखें. किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी घटना की सूचना तुरंत थाना को दें.

बैठक में मधुबन थाना क्षेत्र के चारों पूजा समितियों—श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति सिनिडीह, दुर्गा पूजा समिति लालाबाड़ी, दुर्गा पूजा समिति बुदोरा और दुर्गा पूजा समिति खरखरी—के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित थे. सभी ने एक स्वर में मांग की कि पूजा के दौरान शराब की बिक्री पर पूर्ण पाबंदी लगाई जाए. उपस्थित प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों में धीरेन लाला, गौरचंद बाउरी, बिट्टू चौहान, कमलेश ओझा, लालबहादुर यादव, टुन्नु बरनवाल, दिलीप विश्वकर्मा, टिंकू प्रसाद, पिंटू बरनवाल, अवधेश राम, गोपाल बाउरी, शंभू भुइयां, संजय सिंह, रंजीत पासवान, बिरेन उरांव, दीपक बरनवाल, बबलू सिंह, दिनेश महतो, ऋतिक राज, शेख गयाली, सुभाष बाउरी, शेख जैनुल, शेख कल्लू, रामजी चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे.

10 वर्षीय नमी सोरेन की हालत गंभीर, खाट पर लेटाकर एंबुलेंस तक पहुंचाई गई

डायरिया के कहर से अब भी कराह रहा पिपराटांड़

■ रामनगर से 1 किमी की पगडंडी ही एकमात्र रास्ता

शुभम संदेश। टुंडी

बरवाटाँड़ पंचायत के पिपराटाँड़ आदिवासी टोला में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सामने है. सिस्टम की लापरवाही से डायरिया ग्रसित पिपराटांड़ में बीमारी पर काबू नहीं किया जा सका है. इसी कड़ी में पिपराटाँड़ के फुचन सोरेन की 10 वर्षीय पुत्री नमी सोरेन को डायरिया से उसकी तबीयत और बिगड़ गयी. गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजनों ने 108 पर कॉल कर एम्बुलेंस बुलाया लेकिन रास्ता नहीं होने के कारण एंबुलेंस घर तक नहीं जा सकी. रामनगर मेन रोड तक आकर एंबुलेंस रुक गयी. इसके बाद 1 किलोमीटर घर से खाट में लेटाकर उसे लाया गया. खटिया में लाने के दौरान उसे चढ़ रहा स्लाइन एक महिला पकड़े हुई थी और खाट के साथ-साथ चल रही थी. रामनगर में एंबुलेंस तक उसे ऐसे ही लाया गया. एम्बुलेंस से फिर टुंडी के दुबराजपुर स्थित सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र ले जाया गया. पिछले दो सप्ताह के अंदर पिपराटाँड़ में लगभग दो दर्जन से अधिक व्यक्ति डायरिया की चपेट में आ चुके हैं, अब भी डायरिया का कहर जारी है.। बताया जाता है कि पिपराटाँड़ में राय टोला व आदिवासी टोला में पहुंचने के लिए कच्ची सड़क तो है पर मरम्मति के अभाव में सड़क नाम मात्र बन कर रह गया है. ग्रामीणों के आवागमन का रामनगर से 1 किलोमीटर एक मात्र साधन एक पगडंडी है. बारिश के बाद से ग्रामीण पिपराटाँड़ के कच्चे रास्ते बुरी तरह टूट चुके हैं. अनेक स्थानों पर कीचड़ और मलबा पड़ा है. इस कारण एंबुलेंस और वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते हैं. ऐसी स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने खुद के श्रमदान और चंदा इकट्ठा कर पत्थर और ईंट जुगाड़ की और रास्ता बनाने का काम शुरू कर दिया. हालांकि गांव वाले बताते हैं कि कई बार प्रखंड से लेकर जिला प्रशासन तक सड़क बनाने की गुहार लगाई गई, लेकिन सिस्टम ने ग्रामीणों की फरियाद नहीं सुनी.

चिन्मय विद्यालय में पांच दिवसीय हरि सेवा कैंप का शानदार शुभारंभ

■ बचपन से सेवा का भाव लाना जरूरी : पीके रथ

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो। चिन्मय विद्यालय में पांच दिवसीय हरी सेवा कैंप का उद्घाटन शनिवार को किया गया. कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट रिफैक्ट्री यूनिट के कार्यकारी निदेशक पीके रथ ने किया. सेंट्रल चिन्मय मिशन ट्रस्ट एजुकेशन सेल की एकैडमिक एडमिनिस्ट्रेटर मीणा श्रीराम, आशा लता दिव्यांग केंद्र के प्राचार्य प्रमोद दुबे, गौशाला के अध्यक्ष भी मौजूद रहे.

कार्यक्रम की शुरुआत मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलन से हुई. विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया. उद्घाटन समारोह में चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और हेड मास्टर गोपाल चंद्र मुंशी उपस्थित रहे. मुख्य अतिथि पीके रथ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के लिए सेवा का भाव बच्चों में अगर शुरू से ही हो, तो इससे एक सकारात्मक समाज बन सकता है. उन्होंने कहा कि गांव के परिवेश में बच्चों के लिए अलग-अलग कार्य सीखना आसान था, लेकिन शहर में बच्चों को ये चीजें देखने को कम मिलती हैं. रथ ने कहा कि हरी सेवा कैंप एक बहुत ही अच्छी पहल है और इससे अधिक से अधिक बच्चों को जुड़ना चाहिए . सीसीएमटीईसी की मीणा श्रीराम ने कहा कि कोई भी सेवा छोटी या बड़ी नहीं होती है.

दूसरों के लिए सबसे बड़ी सेवा हम हमेशा मुस्कुराते रहकर कर सकते हैं. प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि पांच दिनों तक चलने वाले हरी सेवा कैंप के दौरान सभी 100 से अधिक विद्यार्थी सेवा भाव का गुण सीखेंगे. इस बीच विद्यार्थी झाड़ू बनाना, गौशाला में सेवा देना, आशा लता दिव्यांग केंद्र में सेवा देना, ट्री पेंटिंग, आदि कई तरह की गतिविधियां करेंगे. इससे बच्चों का खुद के विकास के साथ सामाजिक तौर पर भी विकास होगा. विद्यालय से आए सैकड़ों बच्चों ने सभी ऐक्टिविटी का लाभ उठाया. उसकी उपयोगिता समझी और सीखने की कला को जाना.

मंथन

कुड़मी समाज की मांग और समर्थन का विस्तार

झारखंड में कुड़मी समाज का रेल रोको आंदोलन एक बार फिर यह दर्शाता है कि एसटी का दर्जा पाने की उनकी मांग केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी अहम मुद्दा बन चुकी है. बीते दिन राज्य में रेलवे परिचालन ठप कर दिए जाने के बाद आंदोलनकारियों ने देर रात ट्रैक खाली जरूर किए, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि जब तक उनकी मांग पर ठोस पहल नहीं होती, संघर्ष जारी रहेगा. कुड़मी समाज का कहना है कि 75 वर्षों से उनकी मांग दबाई जा रही है. ऐतिहासिक तौर पर वे स्वयं को आदिवासी मानते हैं और आजादी से पहले उन्हें एसटी सूची में शामिल किया गया था. आंदोलन के दौरान जिस तरह से आजसू, भाजपा, जेएलकेएम और कांग्रेस के नेता खुलकर समर्थन में आए, उससे साफ है कि यह सवाल राजनीतिक दलों के लिए वोटबैंक से भी जुड़ता जा रहा है. सुदेश महतो से लेकर नागेंद्र महतो और जयराम महतो तक कई नेताओं ने मंच से दावा किया कि कुड़मियों को एसटी से बाहर करना राजनीतिक साजिश थी. वहीं कांग्रेस ने भी इसे पुराने संघर्ष की निरंतरता बताया. इस आंदोलन में सबसे उल्लेखनीय तथ्य झामुमो की चुप्पी रही. राज्य की सत्ता में भागीदार होने के बावजूद पार्टी ने अभी तक कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है. यह मौन कुड़मी समाज की नाराजगी और तेज कर सकता है. अब जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों की है कि इस विवादास्पद प्रश्न पर पारदर्शी और संवेदनशील रवैया अपनाएं. यदि कुड़मी समाज की मांग ऐतिहासिक और संवैधानिक दृष्टि से वाजिब है, तो न्यायपूर्ण समाधान में देर नहीं होनी चाहिए. वरना आंदोलन की पुनरावृत्ति जनजीवन को बार-बार प्रभावित करती रहेगी और सामाजिक असंतोष गहराता जाएगा.

नजरिया

रांची में आईएसआईएस का ठिकाना, कड़ी कार्रवाई जरूरी

रांची में आईएसआईएस के ठिकाने का रहस्योद्घाटन गंभीर चिंता का विषय है. यदि जानकारियां सटीक हैं-एक पीजी रूम से ऑनलाइन भर्ती, विस्फोटक निर्माण और रणनीतिक निशाने-तो यह बताता है कि जिहादी नेटवर्क स्थानीय स्तर पर घुसपैठ कर रहे हैं और डिजिटल प्लेटफॉर्मों से प्रभाव फैलाने में सफल होते जा रहे हैं. पकड़े गए आतंकी दानिश के खुलासे यह दर्शाते हैं कि आतंकवाद अब पारंपरिक सीमाओं को पार कर गया है. सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई और स्पेशल सेल की पूछताछ से जो प्राथमिक जानकारी मिली है, उसे गंभीरता से लेते हुए गहन जांच जरूरी है. स्थानीय लॉज, ऑनलाइन लेन-देन और सोशल मीडिया ग्रुप्स की निगरानी होनी चाहिए. साथ ही, हथियार और रासायनिक आपूर्ति चैनलों पर रोक लगाने के लिए अमेज़न जैसे प्लेटफॉर्म और कूरियर सर्विसेज के साथ समन्वय जरूरी है. यह भी स्पष्ट है कि सुरक्षा केवल कानून-प्रवर्तन का काम नहीं है-समुदाय की सतर्कता, शिक्षा और डिजिटल साक्षरता भी अहम हैं. युवाओं को भड़का कर रैडिकलाइज़ करने वाले संदेशों का मुकाबला सामाजिक स्तर पर किया जाना होगा. साथ ही सशक्त इंटेलिजेंस साझेदारी, अंतर-राज्यीय समन्वय और प्रभावी कार्रवाई से संभावित हमलों को रोका जा सकता है. रांची के घटनाक्रम को हल्के में नहीं लिया जा सकता. चेतावनी स्पष्ट है: आतंकवाद टेक्नोलॉजी और कमजोरियों का फायदा उठा रहा है. सरकार, नागरिक समाज और तकनीकी कंपनियों को मिलकर इसे जड़ से खत्म करने के लिए रणनीतिक कदम उठाने होंगे.

महिलाओं को धारण करना होगा 'दुर्गा' का रूप

निशिकांत ठाकुर

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए महिलाओं के ही आगे आना होगा.

आज आदर के तमाम केंद्र पर राजनीतिक लोग ही काबिज हो गए हैं. जबतक राजनीतिज्ञों को आदर के केंद्रों से उतारकर जमीन पर खड़ा नहीं किया जाएगा, तब तक भारत में ईमानदारी की गुंजाइश नहीं बन सकती है. देश में तमाम टीवी और अखबार हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश के मालिकान राजनीतिज्ञ हैं. स्वाभाविक रूप से ऐसे में अखबार में खबरें छपती हैं तो राजनीतिज्ञों की, चर्चाएं होती हैं तो राजनीतिज्ञों की, रेडियो पर तो हम वर्षों से रटा—रटाया 'मन की बात' सुन ही रहे हैं. टीवी पर खबरों से लेकर डिबेट तक के केंद्र में होते हैं राजनीतिज्ञ, यानी सब तरफ राजनीतिज्ञ छाए हुए हैं. अगर मंदिर से लेकर पुल-पुलिया-हाईवे तक का उद्घाटन करना है, तो मंत्री, प्रधानमंत्री ही करेंगे. अगर समाज के चारों ओर छाने के लिए हमने राजनीतिज्ञों को खुला छोड़ दिया, तो पक्का समझिए कि देश में ईमानदारी के तमाम रास्ते आपने अपने लिए बंद कर लिए; क्योंकि राजनीति सबसे चतुर-चालाक ही नहीं, बल्कि एक धूर्त धंधा भी है. इसमें सच में समाज और सरकार का कोई योगदान नहीं होता है. हां, परिवार उसके पीछे अवश्य खड़ा होता है. जब वह अपनी ख्याति ईश्वर प्रदत्त निजी बल पर बढ़ा लेती है, फिर उसे आगे बढ़ाने में समाज उसकी परवाह करने लगता है. अन्यथा आप देश में अपने समक्ष पाएंगे कि अमुक स्थान पर वह महिला प्रताड़ित की गई है. यह सारा कृत्य समाज के पुरुषों द्वारा ही किए जाते रहे हैं.

वही स्त्री, जो पुरुषों को जन्म देती है, जन्म का पहला आहार देती है, छोटे शिशु को सीने से चिपकाए रखकर उसे सुरक्षित रखती है बड़ा होकर वहीं बच्चा किसी स्त्री के साथ ऐसा कृतघ्न कैसे हो जाता है? इन मुद्दों पर कभी-कभी समाज में बहस भी होती है, समाज इसका हल ढूंढ़ भी लेता है, लेकिन जहां कुछ पुरुषों में स्त्रियों के प्रति दुराग्रह होता है, वहीं वह समय की तलाश में रहता है कि कब उसे मौका मिले, ताकि वह अपनी दरिंदगी उसे दिखा सके. यदि अध्ययन और शोध पर विशेष ध्यान दिया जाए तो हाल ही में एक अध्ययन में चौंकाने वाली बात सामने आई है कि एक मां अपने गर्भधारण करने के वक्त से ही गर्भस्थ शिशु के प्रति कितनी जागरूक और चौकन्नी रहती है, कितनी सजग रहती है. अमेरिका के बक इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन एजिंग के द्वारा किए गए एक शोध में शोधकर्ताओं ने पाया और यह दावा किया कि देर से प्रजनन और प्रसव का आनुवांशिक रूप से लंबी उम्र, कमजोर, धीमी एपीजेनेटिक उम्र बढ़ने से उम्र से संबंधित बीमारियां जैसे टाइप-2 डायबिटिक और अल्जाइमर्स के जोखिमों के कम करने से संबंध है. उम्र 21 से पहले गर्भ धारण करने वाली युवतियों में टाइप-2 डायबिटिक, हार्ट फेल्योर और मोटापे का जोखिम दुगुना होता है. इसी के साथ जनरल ई-बायो मेडिसिन में प्रकाशित निष्कर्षों ने एण्डोमेट्रियल कैंसर के लिए ज्ञात आनुवंशिक जोखिम कारकों की संख्या को 16 से बढ़ाकर 21 कर दिया है. इस शोध में गर्भाशय कैंसर के नए कारकों का पता चला है. ये रिस्क डीएनए में पाए गए हैं, जो ट्यूमर को बढ़ाने का काम करते हैं साथ ही गर्भाशय की लाइनिंग में मौजूद रहते हैं.कोई भी जन्मदात्री भविष्य की खुशी के लिए इन तमाम पीड़ाओं को सह और झेल लेती है, लेकिन यही शिशु बड़ा होकर बड़ा गुनाह कर बैठता है जिसका उदाहरण हम तरह-तरह की घटनाओं को देखते और सुनते-पढ़ते रहते हैं.

पुरुष द्वारा किए गए ऐसे दुर्दांत अपराध केवल आज ही हुआ हो या होता हो, ऐसा नहीं है, बल्कि पुरुषों के अत्याचार से महिलाएं अनादिकाल से ही जूझती रही हैं, जबकि वही देश-विश्व की निर्मात्री होती है. अब प्रश्न सबसे बड़ा आज भी वहीं का वहीं खड़ा है कि आखिर इन सारी समस्याओं की रोकथाम के लिए समाज क्या करे? पुलिस और सरकार क्या करे? किसी झोपड़ी में जाएं तो ऐसी ही स्थिति वहां भी है और जो तथाकथित सभ्य-शिक्षित और सुसंस्कृत समाज है, वह भी इसी समस्या से जूझ रहा है. आज भी लड़कियां शाम-रात में अकेले निकल जाएं तो परिवार में किसी अनहोनी को लेकर सभी चिंतित रहते हैं. सरकार ने तो इसके लिए कानून बना दिया है, लेकिन वह इतना दुरूह होता है कि पीड़िता कहीं कहीं तो किसी को बिना बताए इस तरह के अत्याचारों को सहती रहती है और अपनी बदनामी, समाज की उपेक्षा के कारण इन अत्याचारों को बर्दाश्त करती रहती है. यहां कोई भी इस गुनाहों को बंद करने में अपना योगदान देने में खुद को इतना साहसी नहीं बताया है.

इसके लिए हमारे नेता तो जिम्मेदार हैं ही, समाज भी इन बुराइयों को दूर करने में सक्षम नहीं हो पाता. इसके लिए महिलाओं को खुद आगे आना होगा, वरना ऐसे पुरुष जन्मदात्री के साथ दुराचार करते रहेंगे. इस लिए मां दुर्गा बन कर सबक सिखाओ.

फिर आखिर घूमकर बात वहीं रुक जाती है कि इन बुराइयों के निपटान के लिए संविधान ने तो कानून बना दिया, लेकिन जिसके जिम्मे ऐसे अपराध को रोकने का अधिकार दिया है, वे लगभग निष्क्रिय होते है और अपराध करने वाला अपने धनबल से, अपनी ऊपरी राजनीतिक पहुंच से छूट कर बच निकलता है. इन सभी समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या तो महिलाओं के साथ इसलिए भी होती है, क्योंकि वह किसी अन्य परिवार से ब्याहकर दूसरी नई जगह पर आती है, लेकिन जिसका पुरुष पति ही उसका सबसे बड़ा संरक्षक होता है, वह भी परिवार के लिए साथ छोड़ जाता है और महिला आग की भेंट चढ़ जाती है. सामाजिक अत्याचार से बचकर आई तो घरेलू अत्याचार ने उसकी खुशियों और उसकी जिंदगी को सदा के लिए खत्म कर दिया. वैसे, जैसा कि पहले कहा गया कि राजनीतिज्ञों ने अपने को समाज का अगुआ समझ कर हर जगह आगे हो जाते हैं, वहीं इस तरह की बुराइयों को समाज से दूर करने के लिए कभी पुरजोर विरोध नहीं जताया गया है.

इसके लिए हमारे नेता तो जिम्मेदार तो हैं ही, समाज भी इन बुराइयों को दूर करने में सक्षम नहीं हो पाता, क्योंकि सभी परिवारों की समान समस्या है जिसके समाधान के लिए महिलाओं को खुद आगे आना होगा, अन्यथा पुरुष अपने बल से महिलाओं को प्रताड़ित करता रहेगा और समाज और ऐसे पुरुष अपने आतंक के बल पर हमारी जन्मदात्री के साथ दुराचार करते रहेंगे. इसलिए ऐसे अपराधियों, दुराचारियों को दुर्गा बनकर सबक सिखाओ. **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)**

आज का इतिहास

1539 : पहले सिख गुरु नानक देव जी का करतारपुर के डेरा बाबा नानक में निधन.
1903: अमेरिकी नागरिक इटालो मार्चिओनी को आइसक्रीम कोन के लिए पेटेंट मिला.
1955: ब्रिटेन में टीवी का व्यावसायीकरण शुरू.
1965 : भारत-पाक के बीच युद्ध विराम.
1966 : अमेरिकी सर्वेयर 2 चांद की सतह से टकराया.
1980 : ईरान और इराक के बीच चल रहा सीमा संघर्ष युद्ध में बदला.
1992 : संयुक्त राष्ट्र ने बोस्निया-हरजेगोविना युद्ध में भूमिका के लिए यूगोस्लाविया को निष्कासित किया.
2011: भारतीय योजना आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में शहरों में 965 और गांवों में 781 रुपये प्रति माह खर्च करने वाले को गरीब मानने से इंकार किया.
2011 : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी का निधन.
2020: मराठी अदाकारा आशालता का निधन.

विकट स्थिति में अपने विवेक से निर्णय लेना चाहिए

चिंतन

एक गुरुजी एक दिन अपने शिष्यों को समझाया- शिष्यों सभी जीवों में ईश्वर होता है. हमें सबको नमस्कार करना चाहिए. कुछ दिनों बाद गुरुजी ने हवन का आयोजन किया और शिष्यों को लकड़ी लेने के लिए पास के जंगल भेजा. शिष्य लकड़ियां चुन रहे थे कि तभी वहां एक पागल हाथी आ गया. सभी शिष्य शोर मचा कर भागने लगे. लेकिन एक शिष्य वहीं शांत खड़ा रहा. साथियों ने कहा, ये क्या कर रहे हो? देखते नहीं पागल हाथी इधर ही आ रहा है. भागो. इस पर शिष्य बोला, तुम लोग जाओ, मुझे इस हाथी से कोई भय नहीं है गुरुजी ने कहा था न कि हर जीव में ईश्वर का वास है इसलिए भागने की जरूरत नहीं. जैसे ही हाथी पास आया वह उसे नमस्कार करने लगा.

लेकिन हाथी कहां रुकने वाला था, जैसे ही शिष्य सामने आया हाथी ने उसे उठा कर फेंक दिया और आगे बढ़ गया. शिष्य को बहुत चोट आई, और वह बेहोश हो गया. जब उसे होश आया तो वह आश्रम में था और गुरुजी उसके सामने खड़े थे. गुरुजी बोले, हाथी को आता देख तुम वहां से हटे क्यों नहीं जबकि तुम्हें पता था कि वह तुम्हे चोट पहुंचा सकता है. शिष्य बोला, गुरुजी आपने ही ने कहा था कि सभी जीवों में ईश्वर का वास होता है. इसी वजह से मैं नहीं भागा. तब गुरुजी ने समझाया- बेटा, मैंने ये भी तो सिखाया है कि विकट स्थिति में भी विवेक नहीं खोना चाहिए. पुत्र, हाथी नारायण आ रहे थे ये तो तुमने देखा.मगर बाकी शिष्यों ने जब तुम्हें रोका तो तुम्हें उनमें नारायण क्यों नज़र नहीं आए. उनका तुमने विश्वास क्यों नहीं किया. जल भी नारायण है पर किसी जल को लोग देवता पर चढ़ाते है और किसी जल से लोग नहाते धोते हैं. हमेशा देश, काल और परिस्थिति को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए.

मित्रों, कई बार ऐसा होता है कि किसी बात का असल भाव समझने की बजाये हम उस बात में कहे गए शब्दों को पकड़ कर बैठ जाते हैं. गुरुजी ने शिष्यों को प्रत्येक जीव में नारायण देखने को कहा था जिसका अर्थ था कि हमें सभी का आदर करना चाहिए और किसी को क्षति नहीं पहुंचानी चाहिए. लेकिन शिष्य बस शब्दों को पकड़ कर बैठ गया. हमें दूसरों अनुसरण तो करना चाहिए मगर विशेष परिस्थिति में अपने विवेक का प्रयोग करने से नहीं चूकना चाहिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #NaMoYuvaRun75
2. #HBDDeepakJainTinu
3. #SarvapitriAmavasya
4. #SaluteSeemanthkumar
5. #भारतवर्षकीस्वर्णाभामोदी
6. Gratitude For Ancestors
7. Shubho Mahalaya
8. Respect Seemanthkumar
9. UPBjym RunForNation
10. Shraddh Mahima

बहुरंग

अनुराग की 'निशानची' की हुई निराशाजनक शुरुआत

बॉलीवुड के एक्सपेरिमेंटल फिल्ममेकर अनुराग कश्यप की नई पेशकश 'निशानची' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई. दर्शकों और ट्रेड एक्सपर्ट्स के बीच इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन पहले ही दिन इसका प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा. इस फिल्म की खासियत यह थी कि इससे बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ने बॉलीवुड में डेब्यू किया. ऐश्वर्या फिल्म में जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका निभाते नजर आए. उनका किरदार फिल्म की कहानी का केंद्र है, और डेब्यू होने की वजह से फिल्म को लेकर इंडस्ट्री और मीडिया में काफी चर्चा थी. फिल्म में ऐश्वर्या के साथ वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे सशक्त कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखे हैं. इन कलाकारों के अनुभव और प्रतिभा से फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर मजबूती मिलने की उम्मीद थी. हालांकि रिव्यूज से पहले ही संकेत मिल गए थे कि 'निशानची' को बॉक्स ऑफिस पर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन इसकी शुरुआत इतनी कमजोर होगी, इसका अंदाजा किसी ने नहीं लगाया था. ओपनिंग डे पर फिल्म ने 25 लाख रुपये का कलेक्शन किया. यह आंकड़ा निर्माताओं को काफी चौंकाने वाला लगा.

मोहनलाल को दादा साहेब फाल्के सम्मान

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल की फैन फॉलोइंग बेहद मजबूत है. 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 9 स्टेट अवॉर्ड, पद्म भूषण और पद्मश्री जैसे सम्मानों से नवाजे जा चुके मोहनलाल अब तक 400 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं. भारतीय सिनेमा में उनके अभूतपूर्व योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार 2023 से सम्मानित करने की घोषणा की है. इस ऐलान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं. सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि चयन समिति की सिफारिश पर मोहनलाल को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिया जाएगा. मंत्रालय ने उनके शानदार फिल्मी सफर को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनकी बेमिसाल प्रतिभा और मेहनत ने भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं.

पीएम मोदी की बधाई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर मोहनलाल के साथ एक तस्वीर शेयर की और लिखा, मोहनलाल जी केरल की संस्कृति के प्रति गहरी आस्था रखते हैं. वे मलयालम सिनेमा और रंगमंच के अग्रदूत हैं और तेलुगु, तमिल, कन्नड़ व हिंदी फिल्मों में भी बेहतरीन अभिनय कर चुके हैं. उनका सिनेमाई कौशल सचमुच प्रेरणादायक है. दादा साहेब फाल्के पुरस्कार मिलने पर उन्हें हार्दिक बधाई. उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें.

कब मिलेगा पुरस्कार: यह प्रतिष्ठित सम्मान मोहनलाल को 23 सितंबर 2025 को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा. 1980 में फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले मोहनलाल ने 45 वर्षों में करीब 400 फिल्में की हैं, जिनमें से ज्यादातर हिट साबित हुईं. गौरतलब है कि पिछले साल यह पुरस्कार बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दिया गया था.

री-रिलीज हो रही नागार्जुन की 'शिवा'

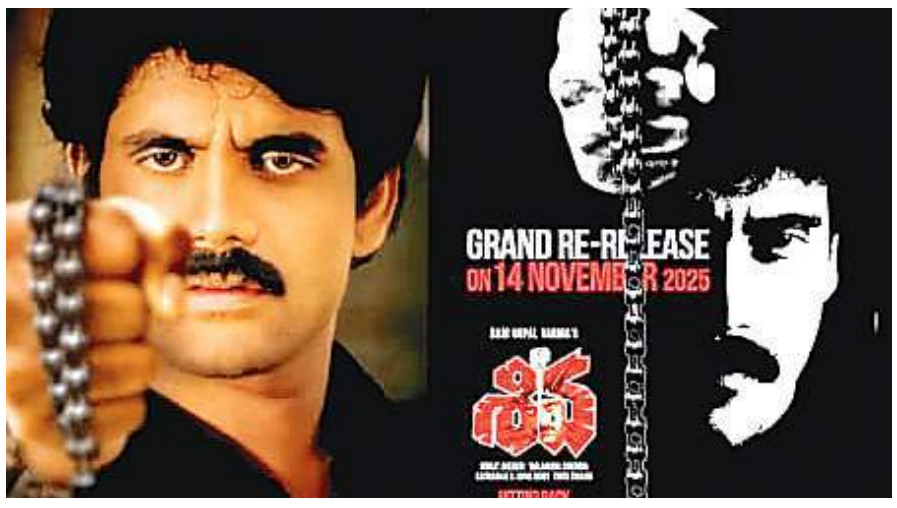

साउथ सिनेमा के दिग्गज और सदाबहार अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी का नाम उन चुनिंदा कलाकारों में शुमार किया जाता है, जिन्होंने पर्दे पर हर तरह के किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का लोहा मनवाया है. 90 के दशक में नागार्जुन उन सुपरस्टार्स में गिने जाते थे, जिन्होंने उस दौर की लगभग सभी कामयाब अभिनेत्रियों के साथ काम किया और सिल्वर स्क्रीन पर एक से बढ़कर एक यादगार जोड़ी बनाई. उनकी फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की बल्कि दर्शकों के दिलों में भी गहरी छाप छोड़ी. नागार्जुन के करियर की सबसे चर्चित और मील का पत्थर साबित हुई फिल्मों में से एक है 'शिवा'. करीब 36 साल पहले रिलीज़ हुई इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा में एक नई लहर पैदा कर दी थी. कॉलेज पॉलिटिक्स, छात्र आंदोलन और सत्ता की जटिलताओं पर आधारित इस फिल्म ने दर्शकों को जबरदस्त तरीके से जोड़ा. इसमें नागार्जुन का जोश और करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस देखने लायक था. फिल्म की कहानी, निर्देशन और दमदार एक्शन ने इसे एक क्लासिक बना दिया, जिसकी गूंज आज भी सुनाई देती है. अब नागार्जुन ने खुद इस फिल्म के री-रिलीज़ की घोषणा की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मेरे प्यारे पिता एएनआर (अक्किनेनी नागेश्वर राव) के जन्मदिन पर मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि जिस फिल्म ने भारतीय सिनेमा को हिलाकर रख दिया था, वो अब सिनेमाघरों में फिर से धूम मचाने आ रही है. 14 नवंबर को 'शिवा' का री-रिलीज़ होगा. बड़े पर्दे पर डॉल्बी एटमॉस साउंड के साथ इस कालजयी फिल्म का अनुभव लें.

'शिवा' का निर्देशन उस दौर के चर्चित और नए फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने किया था. इस फिल्म ने न सिर्फ नागार्जुन को सुपरस्टारडम तक पहुंचाया बल्कि राम गोपाल वर्मा के करियर की दिशा भी बदल दी. उनकी रियलिस्टिक फिल्ममेकिंग और कहानी कहने का अनोखा अंदाज़ भारतीय सिनेमा में एक नई स्टाइल लेकर आया. फिल्म की री-रिलीज़ की खबर आते ही फैंस सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर कर रहे हैं. पुराने दर्शक इसे एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने को लेकर भावुक हो गए हैं, वहीं नई पीढ़ी के दर्शकों के लिए यह मौका होगा कि वे इस क्लासिक को पहली बार सिनेमाघरों में अनुभव कर सकें.

'किंग' की शूटिंग में शाहरुख के साथ नजर आईं दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. हाल ही में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें अपनी फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर कर दिया था, यह कहते हुए कि उनकी मांगें अवास्तविक और अनुचित थीं. इसके बाद दीपिका को कल्कि के सीक्वल से भी हटा दिया गया और उन पर अनप्रोफेशनल होने के आरोप लगे. लगातार हो रही इन चर्चाओं के बीच दीपिका ने अब एक खास तस्वीर शेयर की है, जिसका कैप्शन लोगों का ध्यान खींच रहा है. अभिनेता शाहरुख खान इन दिनों विदेश में अपनी अगली फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रहे हैं, जहां अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी शूटिंग के लिए पहुंच चुकी हैं. शाहरुख और दीपिका की यह छठी फिल्म होगी. शूटिंग के पहले दिन दीपिका ने शाहरुख का हाथ थामे एक तस्वीर शेयर की और लिखा, करीब 18 साल पहले 'ओम शांति ओम' की शूटिंग के दौरान शाहरुख ने मुझे पहला सबक सिखाया था कि किसी फिल्म की सफलता से भी ज्यादा मायने रखता है उसका अनुभव और वे लोग जिनके साथ आप काम कर रहे हैं. मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं और तब से हर निर्णय में इसे ध्यान में रखती हूं. शायद यही वजह है कि आज हम फिर से अपनी छठी फिल्म साथ में बना रहे हैं. 'किंग' का पहला दिन.₹ दीपिका ने एक ही पोस्ट से सबको चुप करा दिया है.

ऋषभ शेट्टी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे ऋतिक रोशन

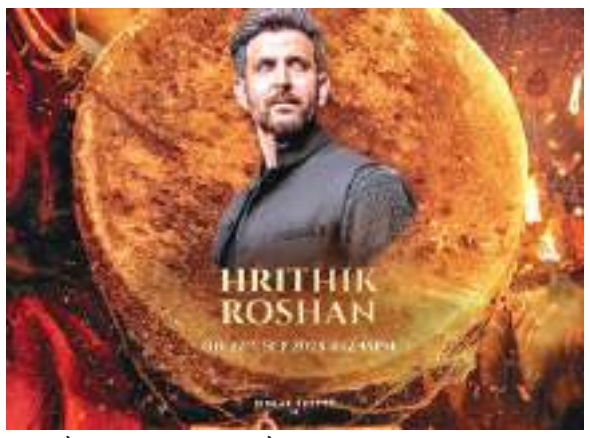

ऋषभ शेट्टी अपनी फिल्म कांतारा से रातों-रात स्टार बन गए थे और इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला था. अब वे लंबे समय से इस ब्लॉकबस्टर की प्रीक्वल को लेकर सुर्खियों में हैं. प्रीक्वल में पहले ही दिलजीत दोसांझ को शामिल किया जा चुका है और अब बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को भी इस प्रोजेक्ट में जोड़ा गया है. आइए जानते हैं कि ऋषभ ने ऋतिक रोशन को इस फिल्म में क्या जिम्मेदारी सौंपी है.

कांतारा : चैप्टर 1 का ट्रेलर 22 सितंबर 2025 को दोपहर 12:45 बजे रिलीज होगा और अब एक रोमांचक अपडेट सामने आया है कि इसका हिंदी ट्रेलर बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन लॉन्च करेंगे. फिल्म के अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, जब प्रकृति की ताकत टकराएगी एक सुपरस्टार की आग से. कांतारा चैप्टर 1 के हिंदी ट्रेलर का अनावरण करेंगे सुपरस्टार ऋतिक सर. और भी दिग्गज, और भी भाषाएं. अब कांतारा की दहाड़ पूरे विश्व में गूंजेगी. बने रहिए हमारे साथ.

कांतारा : चैप्टर 1 के साथ ही वरुण धवन की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है. जब कांतारा अपनी शुरुआत में केवल साउथ में रिलीज़ हुई थी, तब भी इसे दर्शकों से इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली कि बाद में इसे हिंदी भाषी क्षेत्र के लिए भी लाया गया. ऋषभ शेट्टी की इस फिल्म को हिंदी में एए फिल्म्स वितरित करेगी, जो रवीना टंडन के पति की कंपनी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है. आय-व्यय समान रहेगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें. चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. मेहमानों का आगमन होगा. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. वाहन चालन में सावधानी बरतें. बातचीत में संयम बरतें. आय के अच्छे योग बनेंगे. शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. संतोषजनक सफलता मिलेगी. शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. कार्य सफल होंगे. शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा. अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी. आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी. भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा. सहयोग प्राप्त होगा. अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे. परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा. शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे. उतावलेपन से बचे. संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है. स्वविवेक से कार्य करे. शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा. पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी. शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. मनोरथ सिद्धि का योग है. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. कुछ तनाव हो सकता है. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करें. शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. सुख-आनंद कारक समय है. यात्रा सुखद रहेगी. परिवार के लोगों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा. शुभांक-3-5-7

न्यूज अपडेट

गया जंक्शन पर आरपीएफ ने बरामद किए 11 बड़े कछुए

गया। गया जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी सफलता हासिल की है. प्लेटफॉर्म नंबर दो पर पहुंची कालका-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल बोगी से 11 बड़े कछुए बरामद किए गए. ये कछुए तीन पिट्ठू बैग में छुपाकर तस्करी के लिए लाए गए थे. आरपीएफ की टीम ने गया स्टेशन पर बोगियों की सघन जांच के दौरान तीन संदिग्ध बैग देखे. जब यात्रियों से बैग के मालिक के बारे में पूछा गया, तो किसी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार नहीं की. बैग खोलने पर उसमें जीवित कछुए पाए गए. आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने बताया कि सभी कछुओं को सुरक्षित तरीके से बरामद कर वन विभाग को सौंप दिया गया है. तस्कर पुलिस की मौजूदगी देख मौके से फरार हो गए. वन विभाग की टीम ने कछुओं को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. माना जा रहा है कि यह तस्करी अवैध वन्यजीव व्यापार से जुड़ी हुई है.

पचपोखरिया में डकैतों ने मचाया तांडव, लाखों की लूट, आठ घायल

पूर्वी चंपारण। भारत-नेपाल सीमा से सटे जिले के महुआवा थाना क्षेत्र के पचपोखरिया गांव में शनिवार की देर रात नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया है. घटना की सूचना पर मौके पर रक्सौल डीएसपी के नेतृत्व पहुंची पुलिस की टीम जांच में जुटी है. प्रारंभिक जांच के अनुसार डकैतो ने शिक्षक जयप्रकाश राम और उनके भाई विकास मित्र विनोद राम के घरों को निशाना बनाते हुए नकद व आभूषण लूट ले गये है. स्थानीय लोगो के अनुसार घटना के कुछ ही दूरी पर ही एसएसबी 71वीं वाहिनी का महुआवा पोस्ट स्थित है.घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने तत्काल तकनीकी विशेषज्ञ और एफएसएल की टीम को मौके पर भेजा है.जो घटना की तकनीकी जांच में जुटे है. इसके साथ ही एसएसबी के डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंची है. एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा है,कि जल्द ही बदमाशों की पहचान कर ली जायेगी.ऐसी आशंका जतायी जा रही है,यह घटना नेपाली बदमाशो ने अंजाम दी है.

पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन में पकड़े गये पांच संदिग्ध विदेशी नागरिक

पूर्वी चंपारण। जिले के घोड़ासहन इलाके से पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पांच संदिग्ध विदेशी नागरिकों को पकड़ा है. पकड़े गए विदेशी नागरिकों से पूछताछ की जा रही है. सुरक्षा बलों की पकड़ में आए विदेशी नागरिक नेपाल के रास्ते बिहार पहुंचे थे. सभी अंधेरे में एक यात्री बस में सवार थे. गिरफ्त में लिए गए विदेशियों में चार सूडानी और एक बोल्विया का नागरिक है. इनके पास से उर्दू में लिखे नोट्स, कुछ पुस्तकें और दस्तावेज बरामद हुए हैं. सुरक्षा बलों के अनुसार, शनिवार की देर रात एसएसबी को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध विदेशी पटना जाने की फिराक में हैं और सीमा पर स्थित अगरवा गांव से निकले हैं. एसएसबी के अधिकारियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद एसएसबी और पुलिस की एक संयुक्त टीम ने घोड़ासहन बस स्टैंड पहुंचकर तलाशी शुरू की और एक निजी बस में सवार सभी विदेशी नागरिक को हिरासत में ले लिया.

तेजस्वी की रैली में पीएम मोदी की मां को लेकर विवादित टिप्पणी पर सम्राट चौधरी ने ट्विटर पर लिखा

यह पूरी तरह से लोकतंत्र का अपमान है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, जहां हर दिन नया राजनीतिक विवाद सामने आ रहा है. शनिवार को आरजेडी नेता और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान वैशाली जिले की महुआ विधानसभा में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी स्वर्गीय मां के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल का आरोप लगा, जिससे सियासी माहौल गरमाए गया है. वायरल हुए वीडियो के आधार पर बीजेपी ने इस घटना को लेकर तेजस्वी यादव और आरजेडी पर तीखा हमला बोला है. बताया जा रहा है कि तेजस्वी यादव वैशाली जिले के पातेपुर में जनसभा को संबोधित करने के बाद महुआ पहुंचे थे. महुआ के गांधी मैदान में आयोजित इस जनसभा में भारी भीड़ जमा थी. जैसे ही तेजस्वी मंच से भाषण दे रहे थे, तभी भीड़ में से किसी ने प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के खिलाफ अपशब्द कहे. वीडियो में साफ सुनाई देने वाली इस आवाज़ ने बीजेपी नेताओं को राजनीति में इसे हथियार बनाने का मौका दिया.

बीजेपी नेताओं का आरोप है कि यह केवल व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति का पतन है. पार्टी ने आरजेडी पर आरोप लगाया है कि वह हमेशा प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ नफरत फैलाने की राजनीति करती आई है, और अब यह हमला उनके परिवार तक पहुंच गया है. बीजेपी के वरिष्ठ नेता और विधायक लखेंद्र पासवान समेत कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर तेजस्वी यादव से इस घटना पर सफाई मांगी है. बीजेपी के मालवीय ने सवाल उठाया कि जब तेजस्वी यादव और महुआ के विधायक डॉ. मुकेश रौशन मंच पर मौजूद थे, तो भीड़ द्वारा की गई अपशब्दों पर उन्होंने क्यों कोई रोक नहीं लगाई. वहीं बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ट्विटर पर लिखा कि तेजस्वी यादव के मंच से, उनकी मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माताजी को गाली दी गई, जो लोकतंत्र का अपमान है. उन्होंने यह भी पूछा कि क्या विपक्ष की राजनीति का यही तरीका है कि मां-बहनों को गाली दी जाए और यही उनका हथियार बन गया है.

विदेशी शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार किए गए

कटिहार। रोशना थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक चार पहिया वाहन से कुल 231.33 लीटर विदेशी शराब के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जांच की और तस्करों को पकड़ लिया. गिरफ्तार तस्करों में मोनू कुमार (25 वर्ष) पिता मनोज राय, निर्भय कुमार यादव (35 वर्ष) और विकास कुमार (18 वर्ष) शामिल हैं. ये सभी आरोपी समस्तीपुर जिले के निवासी हैं. पुलिस ने इनके पास से 231.33 लीटर विदेशी शराब और एक चार पहिया वाहन बरामद किया है. पुलिस ने कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है और गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है. पुलिस को संदेह है कि इसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं. इससे जुड़ा और भी नेटवर्क हो सकता है.

लालू परिवार में खिंचतान: तेज प्रताप ने रोहिणी का किया समर्थन, कहा

जो बहन का अपमान करेगा उस पर हमारा सुदर्शन चक्र चलेगा

संवाददाता । पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार में बढ़ती खटास और पार्टी के अंदर राजनीतिक हलचल के बीच लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक बड़ा कदम उठाया है. रोहिणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पार्टी प्रमुख तेजस्वी यादव, राजद और परिवार के अन्य सदस्यों को अनफॉलो कर दिया है. उनके इस कदम ने परिवार और पार्टी दोनों में उठापटक बढ़ा दी है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है. रोहिणी आचार्य ने अनफॉलो करने के साथ-साथ एक्स पर लंबा पोस्ट लिखकर अपनी सफाई दी. उन्होंने साफ किया कि उनके खिलाफ जो अफवाहें ट्रोलर्स, पेड मीडिया और पार्टी के कुछ सदस्यों द्वारा फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह निराधार हैं. उन्होंने अपनी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं होने, न विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा, न किसी को प्रत्याशी बनाने की, न राज्यसभा में जाने का सपना और न ही पार्टी या सरकार में किसी पद की चाहत होने का दावा किया. उन्होंने कहा, "मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान, माता-पिता के प्रति सम्मान और परिवार की प्रतिष्ठा सर्वोपरि है." हालांकि, उनके इस बयान और अनफॉलो करने के फैसले ने लालू परिवार और राजद के अंदर उथल-पुथल मचा दी है. राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यह केवल पारिवारिक मतभेद नहीं, बल्कि राजद की अंदरूनी राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर यह विवाद विपक्ष को फायदा पहुंचा सकता है और पार्टी के लिए चुनौती बन सकता है. अब सबकी निगाहें रोहिणी आचार्य की अगली रणनीति पर टिकी हैं कि वे राजनीति से दूरी बनाए रखेंगी या फिर किसी बड़े कदम से राजनीतिक हलचल मचाएंगी.

दूसरी तरफ इस मामले पर तेज प्रताप ने कहा कि रोहिणी ने जो कदम उठाए हैं, वे सही हैं और जो उनका अपमान करेगा, उस पर कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा. उन्होंने रोहिणी द्वारा पिता लालू यादव को किडनी दान करने की बात भी याद दिलाई और इसे एक बहन और बेटी के लिए सम्मानजनक कृत्य बताया. उन्होंने हाल ही में पिता को किडनी दान करने का वीडियो साझा करते हुए लिखा था कि उन्होंने बेटी और बहन के नाते अपना धर्म निभाया है और उन्हें किसी पद या राजनीतिक महत्वाकांक्षा की लालसा नहीं है, बल्कि आत्म-सम्मान सर्वोपरि है. इस विवाद की शुरुआत बिहार अधिकार यात्रा के दौरान हुई, जब तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव को बस की अगली सीट पर बैठते देखा गया, जो पार्टी के नियमों के खिलाफ माना गया. इस पर रोहिणी ने सोशल मीडिया पर एक यूजर की आलोचना साझा की, जिससे पार्टी में अंदरूनी खींचतान और बढ़ गई.

विकास मित्रों को बिहार सरकार की बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री नीतीश ने की घोषणा

संवाददाता । पटना

बिहार सरकार ने न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के वंचित वर्गों के उत्थान की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पर घोषणा की कि महादलित विकास मिशन के तहत कार्यरत विकास मित्रों और शिक्षा सेवकों को अब अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे वे और अधिक सशक्त होकर अपने कार्यों का निर्वहन कर सकें. सीएम नीतीश कुमार ने बताया कि महादलित विकास मिशन के अंतर्गत कार्यरत प्रत्येक विकास मित्र को एकमुश्त ₹25,000 की राशि टैबलेट क्रय के लिए दी जाएगी. इस पहल का उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों का डाटा संधारण और प्रशासनिक कार्यों को डिजिटल रूप में सुलभ बनाना है. सरकार ने विकास मित्रों के परिवहन भत्ते को ₹1900 प्रतिमाह से बढ़ाकर ₹2500 प्रतिमाह कर दिया है, जबकि स्टेशनरी भत्ता ₹900 से बढ़ाकर ₹1500 कर दिया गया है.

भाजपा नेता के भाई को बदमाशों ने मारी गोली, मौत

सीतामढ़ी। बथनाहा थाना क्षेत्र के कमलदह में बेखौफ बदमाशों ने भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यालय के मुख्यालय प्रभारी विकास झा के भाई विक्रम झा को गोली मार दी. गंभीर रूप से घायल विक्रम झा को आनन-फानन में शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक होने के कारण हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है. अस्पताल पहुंचे लोगों का कहना है कि विक्रम झा अपने कोचिंग सेंटर से लौट रहे थे.घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच जांच कर रही है.

रंगदारी नहीं देने पर दबंगों ने जमीन पर किया कब्जा

भागलपुर। सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के कसमाबाद में एक मजदूर द्वारा गांव के दबंगों को एक लाख रुपए की रंगदारी नहीं देने पर गरीब मजदूर के जमीन पर अवैध कब्जा करने का मामला प्रकाश में आया है. बबलु ने बताया कि दो साल पूर्व गांव के दबंग श्याम मंडल, खीरो मंडल, संजीव मंडल सभी साकिन कसमाबाद ने एक लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी. नहीं देने पर हमारे गांव कसमाबाद में तीन कट्ठा जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है. इस मामले को लेकर सुल्तानगंज थाना एवं वरिय पुलिस अधीक्षक भागलपुर लिखित आवेदन देकर पर कोई भी कार्यवाही नहीं होने पर अब वह सभी दबंग तीन लाख रुपए की रंगदारी मांग रहे हैं. नहीं देने पर जान मारने की धमकी दिया है. ग्रामीण राज कुमार ने बताया कि यह जमीन बबलू मंडल का ही है. लेकिन गांव के दबंग श्याम मंडल एवं इनके सहयोगी के द्वारा जमीन पर कब्जा कर लिया गया है. जमीन पर कब्जा करने का सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है.

कारोबार

दुर्गा पूजा पर स्टारबक्स इंडिया का स्पेशल मेन्यू हुआ लॉन्च

नयी दिल्ली। दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर स्टारबक्स इंडिया ने पूर्वी भारत के पारंपरिक स्वादों को अपने खास अंदाज में पेश करते हुए एक लिमिटेड एडिशन फेस्टिव मेन्यू लॉन्च किया है. इस पहल को 'अमार पूजो, अमार स्टारबक्स' नाम दिया गया है, जो 20 सितंबर से कोलकाता, गुवाहाटी, सिलिगुड़ी, गंगटोक, भुवनेश्वर, जमशेदपुर, पटना और रांची के चुनिंदा स्टोर्स पर उपलब्ध है. ग्राहक इस मेन्यू का आनंद डाइन-इन और डिलीवरी दोनों तरीकों से उठा सकते हैं. इस खास मेन्यू में पूर्वी भारत की प्रसिद्ध डिशेज को स्टारबक्स की आधुनिक प्रस्तुति के साथ परोसा गया है. चिंगरी टर्नओवर (प्रॉन स्टफ्ड पेस्ट्री), भेटकी भाजा सैंडविच, आलू पोश्तो बर्गर, कसुंदी चिकन बर्गर और ढाकाई चिकन रैप जैसे फ्लेवर फुल ऑप्शन्स मौजूद हैं.

टाटा टी गोल्ड का 'बंगालर शिल्पी शोज्जितो पूजो' अभियान

कोलकाता। दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर टाटा टी गोल्ड ने 'बंगालर शिल्पी शोज्जितो पूजो' अभियान की शुरुआत की है, जो बंगाल की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को अनूठे अंदाज़ में पेश करता है. इस अभियान के तहत कंपनी ने सीमित संस्करण के त्योहार-विशेष पैक लॉन्च किए हैं, जिन्हें बंगाल के स्थानीय कलाकारों की कलाकृतियों से सजाया गया है. इन पैकों पर कलाकार गौतम सरकार, गोपाल नस्कर, गौरव कुंडू, अंजन भट्टाचार्य और जोयिता बोस की रचनाएं प्रदर्शित की गई हैं. इन कलाकृतियों में ढाक की गूंज, सप्तमी का शंखनाद, अष्टमी की पूजा, नवमी का धुनुची नृत्य और दशमी का सिंदूर खेला जैसे पूजा के भावपूर्ण क्षणों को दर्शाया गया है. ये चित्र ऐक्रेलिक, ऑयल पेंटिंग, ड्राई पेस्टल, वॉटर कलर और डिजिटल आर्ट जैसी शैलियों में बनाए गए हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए एक खास सौगात हैं. 16 सितंबर को कोलकाता के ताज बंगाल होटल में आयोजित विशेष मीडिया सम्मेलन में इन पैकों का अनावरण किया गया.

सऊदी अरब बना पाकिस्तान का सबसे भरोसेमंद कर्जदाता, 4 फीसदी ब्याज पर देता है सस्ता लोन

एजेंसी । नयी दिल्ली

गंभीर आर्थिक संकट और भारी कर्ज के बोझ से जूझ रहे पाकिस्तान को जहां एक तरफ वैश्विक वित्तीय संस्थाओं और देशों से कर्ज पाने के लिए कड़ी शर्तों का सामना करना पड़ता है, वहीं सऊदी अरब एक ऐसा मित्र देश है जो लगातार उसकी आर्थिक मदद करता आ रहा है — वह भी बेहद सस्ती शर्तों पर. सऊदी अरब पाकिस्तान को सबसे कम ब्याज दर पर कर्ज देने वाला सबसे बड़ा देश बन चुका है. एक रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब पाकिस्तान से सिर्फ 4% सालाना ब्याज वसूलता है, जबकि यह दर चीन और अन्य विदेशी कमर्शियल लोन की तुलना में कहीं कम है. 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट बताती है कि सऊदी अरब ने पाकिस्तान को दो बार नकद (कैश) सहायता दी, जिसमें 4% ब्याज लिया गया. यह लोन एक साल के लिए था, लेकिन पाकिस्तान इसे समय पर चुका नहीं सका. इसके बावजूद, सऊदी अरब ने बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के इस लोन की अवधि बढ़ा दी — और यह प्रक्रिया हर साल दोहराई जाती है. रिपोर्ट में बताया गया है कि सऊदी अरब से मिलने वाला लोन चीन से मिलने वाले कैश डिपॉजिट से लगभग एक-तिहाई सस्ता है और विदेशी कमर्शियल लोन की लागत से भी आधा. इस समय पाकिस्तान को सऊदी अरब से मिले 2 अरब डॉलर के डिपॉजिट को दिसंबर में चुकाना है, जिसे पाकिस्तान की फाइनेंस मिनिस्ट्री फिर से आगे बढ़ाने की योजना बना रही है. इसके अलावा, सऊदी अरब का एक और 3 अरब डॉलर का लोन भी पाकिस्तान के पास है, जो आईएमएफ प्रोग्राम के तहत बाहरी फाइनेंस की कमी को पूरा करने के लिए लिया गया था. यह लोन जून 2026 में परिपक्व होगा. आईएमएफ ने पाकिस्तान के तीन बड़े कर्जदाता — सऊदी अरब, चीन और यूएई — से आग्रह किया है कि वे अपने कैश डिपॉजिट को तीन साल के कार्यक्रम की अवधि तक बनाए रखें. इन तीनों देशों ने मिलाकर पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक में 12 अरब डॉलर का डिपॉजिट जमा किया है, जो उसके कुल 14.3 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा है.

आईएमएफ की सहायता के बावजूद पाकिस्तान को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए घरेलू बाजार से 8 अरब डॉलर से ज्यादा की राशि जुटानी पड़ी. इसके चलते अब पाकिस्तान मल्टीलेटरल बैंकों की क्रेडिट गारंटी पर आधारित इंटरनेशनल लोन पर अधिक निर्भर होता जा रहा है. सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हाल ही में एक रक्षा समझौता भी हुआ है, जिसके तहत अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो इसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा. यह समझौता दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और सैन्य संबंधों की पुष्टि करता है. दूसरी ओर, सऊदी अरब ने पाकिस्तान की पारंपरिक सुरक्षा साझेदारी के बावजूद भारत के साथ संबंधों को भी लगातार मजबूत किया है. दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक हितों के क्षेत्र में सहयोग तेजी से बढ़ा है. इसी वर्ष भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान, सऊदी अरब ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सऊदी अरब अब क्षेत्रीय राजनीति में संतुलन बनाए रखने की रणनीति अपना रहा है.

आईफोन 17 का धमाकेदार ऑफर, एक्सचेंज बोनस के साथ नो-कॉस्ट ईएमआई की सुविधा

मुंबई। टाटा समूह की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल कंपनी क्रोमा ने भारत में आईफोन 17 की रेंज के लिए शानदार ऑफर्स की घोषणा की है. यह ऑफर क्रोमा के देशभर में फैले 560 से अधिक स्टोर्स, ट्राइब बाई क्रोमा, क्रोमा.कॉम और टाटा न्यू ऐप पर उपलब्ध होगा. ग्राहक इस ऑफर का लाभ 19 से 27 सितंबर तक ले सकते हैं, जबकि कुछ विस्तारित ऑफर्स 26 अक्टूबर तक जारी रहेंगे. इस स्पेशल सेल के तहत ग्राहक 12,000 तक का एक्सचेंज बोनस, एचडीएफसी टाटा न्यू कार्ड पर 10% तक न्यूकॉइन, और नो-कॉस्ट ईएमआई जैसे फाइनेंस विकल्पों का लाभ उठा सकते हैं. इसके अलावा, ग्राहकों को चुनिंदा एप्पल एक्सेसरीज़ पर 20% तक की छूट भी दी जा रही है. क्रोमा द्वारा संचालित ट्राइब बाई क्रोमा एप्पल का अधिकृत विक्रेता है, जहां प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा ग्राहकों को आईफोन 17 और अन्य एप्पल उत्पादों के बारे में संपूर्ण जानकारी और सलाह दी जाती है. इससे ग्राहकों को न केवल एक भरोसेमंद खरीदारी अनुभव मिलता है, बल्कि उन्हें उचित मूल्य और पारदर्शी सेवाएं भी प्राप्त होती हैं. इनफिनिटी रिटेल लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा, हर साल ग्राहक भरोसेमंद एक्सचेंज वैल्यू, पारदर्शी फाइनेंस विकल्प और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के लिए क्रोमा पर भरोसा करते हैं. आईफोन 17 के इन खास ऑफर्स के साथ हमने फोन खरीदने की प्रक्रिया को और भी आसान बना दिया है.

ओप्पो इंडिया की ग्रांड फेस्टिव सेल शुरू, 10 भाग्यशाली विजेताओं को मिलेंगे 10 लाख रु के मेगा पुरस्कार

नयी दिल्ली। त्योहारों की रौनक को और बढ़ाते हुए ओप्पो इंडिया ने अपनी सबसे बड़ी फेस्टिव सेल 'पे 0, वरी 0, विन 10 लाख' की शुरुआत कर दी है. यह ग्रांड फेस्टिव बोनांज़ा 19 सितंबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें ग्राहक ओप्पो की सभी डिवाइसों पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं. इनमें हाल ही में लॉन्च हुई एफ 31 सीरीज़ और रेनो 14 सीरीज़ भी शामिल हैं. ये ऑफर्स ओप्पो ई-स्टोर, फ्लिपकार्ट और अमेज़न जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे. इस सेल के अंतर्गत ग्राहकों को जीरो डाउन पेमेंट, इंटरेस्ट-फ्री ईएमआई, इंस्टैंट कैशबैक, आकर्षक एक्सचेंज ऑफर्स और मेगा रिवाड्र्स जैसे फायदे दिए जा रहे हैं. खास बात यह है कि इस फेस्टिव सेल के दौरान ग्राहक न केवल ओप्पो की लेटेस्ट डिवाइस खरीद सकते हैं, बल्कि 10 लाख रुपये या 1 लाख रुपये तक का कैश प्राइज जीतने का भी मौका पा सकते हैं.

सुपर डैम

चीन का मोतुओ प्रोजेक्ट: तिब्बत में बन रहा है 60 गीगावाट का सुपर डैम

भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी

एजेंसी । नयी दिल्ली

चीन तिब्बत के मोतुओ इलाके में दुनिया के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स में से एक बना रहा है, जिसका नाम है मोतुओ प्रोजेक्ट. इस प्रोजेक्ट से करीब 60 गीगावाट बिजली पैदा करने की योजना है, जो दुनिया के किसी भी एकल डैम से कहीं ज्यादा है. इसके निर्माण पर 165 अरब डॉलर (करीब 15 लाख करोड़ रुपये) का खर्च अनुमानित है. यह डैम यारलुंग त्सांगपो नदी पर बन रहा है, जो भारत में ब्रह्मपुत्र और बांग्लादेश में जमुना के नाम से जानी जाती है. यही कारण है कि इस डैम को लेकर भारत, बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की चिंता लगातार बढ़ रही है. एक रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रोजेक्ट केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है. इससे चीन को नदियों के पानी को कंट्रोल करने की शक्ति मिल जाएगी, जिससे उसकी आंतरिक राजनीतिक पकड़ और मजबूत हो सकती है. चीन में पानी की कमी एक बड़ा मुद्दा है और ऐसे में मोतुओ प्रोजेक्ट उसके लिए रणनीतिक तौर पर बेहद अहम है. लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इस योजना से चीन की भौगोलिक और राजनीतिक ताकत तो बढ़ेगी, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय विवाद भी भड़क सकते हैं. यह प्रोजेक्ट जिस नदी पर बन रहा है, उसका प्रवाह भारत और बांग्लादेश से होकर गुजरता है. भारत को आशंका है कि चीन इस बांध के जरिए ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक या मोड़ सकता है, जिससे निचले इलाकों में सूखा या बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं. हालाँकि चीन ने दावा किया है कि डाउनस्ट्रीम इलाकों को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन भारत ने भी पानी की सुरक्षा को लेकर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. इस नदी पर लगभग 1.8 अरब लोगों की निर्भरता है, इसलिए किसी भी तरह की छेड़छाड़ के गंभीर परिणाम हो सकते हैं.

इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत ने आरोप लगाया है कि चीन ने इस परियोजना के लिए स्थानीय लोगों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया. रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रोजेक्ट के कारण 10 लाख लोगों के बेघर होने की आशंका है. इससे पहले भी करीब 1.20 लाख लोग ऐसे ही डैम प्रोजेक्ट्स के चलते विस्थापित हो चुके हैं. इसके अलावा, तिब्बती पठार भूकंपीय क्षेत्र है और जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का पिघलना भी एक बड़ा खतरा बन सकता है. इससे नदियों के बहाव में बदलाव आएगा और डैम की संरचना पर भी असर पड़ सकता है. इस तरह, यह प्रोजेक्ट न केवल राजनीतिक, बल्कि भौगोलिक और पारिस्थितिकी दृष्टि से भी अस्थिरता पैदा कर सकता है. हालांकि मोतुओ प्रोजेक्ट से भारी मात्रा में बिजली पैदा होगी, लेकिन लोगों के विस्थापन और पर्यावरणीय क्षति से होने वाला नुकसान बहुत बड़ा है. बड़े डैम प्रोजेक्ट्स से अक्सर स्थानीय इकोसिस्टम और जीव-जंतुओं पर बुरा असर पड़ता है.

महाराष्ट्र स्कूटर्स का 160 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र स्कूटर्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है. कंपनी ने घोषणा की है कि वह हर शेयर पर 160 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी. इस डिविडेंड का रिकॉर्ड डेट 22 सितंबर, यानी कल निर्धारित किया गया है. इसका मतलब है कि जिन निवेशकों के नाम उस दिन कंपनी के रिकॉर्ड में होंगे, उन्हें यह भारी लाभांश मिलेगा. यह कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा डिविडेंड है. कंपनी ने 2001 में पहली बार 1 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया था और तब से निरंतर लाभांश देती आ रही है. इस साल जून में कंपनी ने 30 रुपये का फाइनल और 30 रुपये का स्पेशल डिविडेंड भी दिया था. अब इस अंतरिम डिविडेंड के साथ साल भर में कुल तीन डिविडेंड निवेशकों को मिल चुके हैं, जो कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति का संकेत है.

बॉलीवुड अभिनेता शांतनु माहेश्वरी ने किया तस्वा के नए फ्लैगशिप स्टोर का उद्घाटन

कोलकाता। आधुनिक भारतीय पुरुषों के परिधानों के लिए प्रसिद्ध ब्रांड तस्वा ने कोलकाता के रास बिहारी एवेन्यू में अपने नए फ्लैगशिप स्टोर का भव्य उद्घाटन किया. इस खास मौके पर बॉलीवुड अभिनेता और कोलकाता के ही रहने वाले शांतनु माहेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. यह स्टोर शादी और अन्य विशेष अवसरों के लिए परिधानों की खरीदारी का एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगा. 2500 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी और एबीएफआरएल के सहयोग से तैयार किया गया है. यह न केवल परिधान खरीदने की जगह है, बल्कि ग्राहकों को एक समृद्ध सांस्कृतिक और फैशनेबल अनुभव भी प्रदान करता है. स्टोर का डिज़ाइन भारतीय विरासत और आधुनिक सौंदर्य का सुंदर समन्वय है, जो महानगरों में रह रहे आधुनिक पुरुषों की बदलती पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. तस्वा के नए कलेक्शन में आकर्षक कुर्ता सेट, कुर्ता-बंडी सेट, स्क्रीन प्रिंटेड डिज़ाइन, और आधुनिक शैली की झलक देखने को मिलती है. वहीं, वेडिंग कलेक्शन में इंडोवेस्टर्न, बंदगला, डिनर जैकेट, अचकन और अंगरखा शेरवानी शामिल हैं, जो पारंपरिक परिधानों में नवीनता लाते हैं. तस्वा के ब्रांड प्रमुख आशीष मुकुल ने बताया, ₹हमारा उद्देश्य था कि कोलकाता में नया स्टोर हमारे ब्रांड के मूल सिद्धांतों - शैली, परंपरा और शिल्प कौशल - का प्रतिनिधित्व करे.₹ उन्होंने यह भी बताया कि यह स्टोर पूर्वी भारत में तस्वा के रणनीतिक विस्तार का महत्वपूर्ण हिस्सा है. कोलकाता के एल्गिन रोड, पटना, भुवनेश्वर और गुवाहाटी में पहले से ही ब्रांड की उपस्थिति है. शांतनु माहेश्वरी ने कहा, ₹कोलकाता में रहकर यह स्टोर लॉन्च का हिस्सा बनना खास है, खासकर जब दुर्गा पूजा नज़दीक है. तस्वा का कलेक्शन इस उत्सव के लिए एकदम उपयुक्त है.

महिला क्रिकेट टीम की स्टार स्मृति मंधाना का धमाका : वनडे में भारत की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का नया रिकॉर्ड बनाया

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने एक ऐतिहासिक पारी खेलते हुए नया कीर्तिमान रच दिया है. उन्होंने 20 सितंबर 2025 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच में केवल 50 गेंदों में शतकजड़कर भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. मंधाना की इस तूफानी पारी ने न केवल महिला क्रिकेट बल्कि भारतीय क्रिकेट इतिहास में भी एक नया अध्याय जोड़ दिया है.

विराट कोहली का रिकॉर्ड टूटा : इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने अक्टूबर 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जयपुर में 52 गेंदों में शतक जड़ा था. उस समय एमएस धोनी टीम के कप्तान थे. मंधाना ने कोहली के इस रिकॉर्ड को दो गेंदों से पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया.

मंधाना की विस्फोटक पारी : 413 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने 63 गेंदों में 125 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 5 छक्केशामिल थे. यह पारी भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई, हालांकि टीम इंडिया इस मुकाबले को जीत नहीं पाई. मंधाना की यह व्यक्तिगत उपलब्धि भारतीय क्रिकेट में एक नई प्रेरणा बनकर सामने आई है. भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप 10 बल्लेबाज

1. स्मृति मंधाना – 50 गेंद
20 सितंबर 2025, दिल्ली : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक पारी.
2.विराट कोहली – 52 गेंद
16 अक्टूबर 2013, जयपुर : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तूफानी शतक.
3 वीरेंद्र सहवाग – 60 गेंद
11 मार्च 2009, हैमिल्टन : न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार शतक.
4.विराट कोहली – 61 गेंद
30 अक्टूबर 2013, नागपुर : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक और तेज शतक.
5.मोहम्मद अजहरुद्दीन – 62 गेंद
17 दिसंबर 1988, बड़ौदा : न्यूजीलैंड के खिलाफ क्लासिक पारी.
6. केएल राहुल – 62 गेंद
12 नवंबर 2023, बेंगलुरु : नीदरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में शानदार शतक.
7. रोहित शर्मा – 63 गेंद
11 अक्टूबर 2023, दिल्ली : अफगानिस्तान के खिलाफ हिटमैन का शतक.
8.युवराज सिंह – 64 गेंद
14 नवंबर 2008, राजकोट : इंग्लैंड के खिलाफ विस्फोटक पारी.
9.केदार जाधव – 65 गेंद
15 जनवरी 2017, पुणे : इंग्लैंड के खिलाफ मैच विनिंग शतक.
10.सुरेश रैना – 66 गेंद
25 जून 2008, कराची : हांगकांग के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन.

महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक क्षण

स्मृति मंधाना का यह शतक महिला क्रिकेट के लिए प्रेरणादायक है और यह साबित करता है कि महिला खिलाड़ी भी पुरुष क्रिकेटरों के बराबरी के प्रदर्शन कर सकती हैं. उनकी इस ऐतिहासिक पारी को क्रिकेट प्रेमी लंबे समय तक याद रखेंगे.

रेसलपालूजा में पॉल हेमैन की चौंकाने वाली वापसी, ब्रॉक की एंट्री से धमाल

एजेंसियां । नई दिल्ली

WWE के पहले रेसलपालूजा प्रीमियम लाइव इवेंट में फैंस को उस वक्त बड़ा सरप्राइज मिला, जब दिग्गज मैनेजर पॉल हेमैन ने लंबे समय बाद धमाकेदार वापसी की और ब्रॉक लेसनर को अपने सिग्नेचर अंदाज में रिंग में इंट्रोड्यूस किया. हेमैन की यह वापसी WWE के नए पार्टनरशिप इवेंट के तहत हुई, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और रोमांच को कई गुना बढ़ा दिया.

स्मैकडाउन की घटना से जुड़ा था इवेंट : पिछले हफ्ते स्मैकडाउन में ब्रॉक लेसनर ने कोरी ग्रेव्स पर अचानक हमला कर सबको चौंका दिया था. इसके बाद उन्होंने बैकस्टेज पॉल हेमैन से मिलने की इच्छा जताई थी. फैंस तभी से कयास लगा रहे थे कि कुछ बड़ा होने वाला है, और रेसलपालूजा में वही हुआ. हेमैन ने जब ब्रॉक लेसनर को द लास्ट रियल बैड कहकर इंट्रोड्यूस किया, तो पूरा एरीना गूंज उठा.

क्या फिर साथ नजर आएंगे हेमैन और लेसनर? : हालांकि, मैच के दौरान हेमैन रिंगसाइड पर नजर नहीं आए, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनकी उपस्थिति सिर्फ एक विशेष पल के रूप में थी. अभी यह स्पष्ट नहीं है कि हेमैन और लेसनर दोबारा साथ काम करेंगे या नहीं. लेकिन इस वापसी ने WWE यूनिवर्स के बीच नई चर्चा जरूर छेड़ दी है.

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पल : WWE ने इस चौंकाने वाले मोमेंट को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर तुरंत साझा किया, तुरंत यह क्लिप वायरल हो गई.

मेसी का जलवा जारी, गोल्डन बूट की दौड़ में पहुंचे शीर्ष पर

एजेंसियां । नयी दिल्ली

मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंटर मियामी को डी.सी. यूनाइटेड पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई. इस मुकाबले में अर्जेंटीनी सुपरस्टार ने एक असिस्ट और दो गोल किए, जिससे वे इस सीजन की गोल्डन बूट रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं.

पहले हाफ में असिस्ट, दूसरे हाफ में गोलों की बारिश : मैच की शुरुआत से ही मेसी आक्रामक मूड में नजर आए.35वें मिनट में उन्होंने तादेओ एलेन्डे को बेहतरीन पास देकर गोल में मदद की और इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई. यह मेसी का इस सीजन का 12वां असिस्ट था, जो उन्हें लीग में चौथे सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ियों की सूची में ला देता है. दूसरे हाफ की शुरुआत में डी.सी. यूनाइटेड के क्रिश्चियन बेंटेके ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया. लेकिन इसके बाद मेसी ने अपना जलवा दिखाया. उन्होंने 66वें और फिर 85वें मिनट में दो गोल करते हुए टीम को 3-1 की मजबूत बढ़त दिला दी. डी.सी. यूनाइटेड ने इंजरी टाइम में एक और गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन अंत में जीत इंटर मियामी की ही रही.

गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे : इस मैच में किए गए दो गोलों के साथ मेसी के इस सीजन में कुल 22 गोल हो गए हैं, जिससे वे नैशविल एससी के सैम सर्रिज (21 गोल) को पछाड़कर गोल्डन बूट की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं. इस प्रदर्शन से यह साफ है कि मेसी न केवल अपनी टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी शानदार फॉर्म में हैं.

क्लब के साथ एक्सटेंशन की चर्चाएं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेसी इंटर मियामी के साथ 2026 तक का कॉन्ट्रैक्ट एक्सटेंशन साइन करने के करीब हैं. क्लब के सह-मालिक जॉर्ज मास पहले ही कह चुके हैं कि वे मेसी को अगले साल तैयार होने वाले नए मियामी फ्रीडम पार्क स्टेडियम में खेलते देखना चाहते हैं.

टीम और खिलाड़ियों के आंकड़े

जॉर्डी अल्बा ने मेसी के पहले गोल पर अपना 10वां असिस्ट दिया.

सर्जियो बुस्केट्स ने इस मैच में अपना सातवां असिस्ट किया.

इंटर मियामी के गोलकीपर ऑस्कर उस्तारी ने चार अहम बचाव किए.

इंटर मियामी इस जीत के बाद ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है और अब उनका अगला मुकाबला बुधवार को चौथे स्थान पर काबिज न्यूयॉर्क सिटी एफसी से होगा.

मेसी का यह फॉर्म इंटर मियामी के प्लेऑफ अभियान के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है.

चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सात्विक-चिराग की जोड़ी को कोरिया के किम-सियो ने हराया

एजेंसियां । नयी दिल्ली

चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय पुरुष युगल सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को विश्व की नंबर एक कोरियाई जोड़ी किम योन हो और सियो सिओंग जाए के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. एशिया खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी ने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद की थी, लेकिन 45 मिनट चले मुकाबले में उन्हें 19-21, 15-21 से हार मिली.

पहले गेम में सात्विक-चिराग ने 14-7 की मजबूत बढ़त बनाई थी, लेकिन वे इस लय को कायम नहीं रख सके और गलती के कारण गेम गंवा दिया. दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और 3-2 की बढ़त बनाई, लेकिन कोरियाई टीम ने बराबरी करते हुए मैच प्वाइंट हासिल किए. अंत में चिराग के दो बार शॉट बाहर जाने से कोरियाई जोड़ी ने मैच और खिताब जीत लिया.

सात्विक-चिराग की यह लगातार दूसरी फाइनल थी, लेकिन दोनों बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा. इस सीजन में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहकर अपना दबदबा बनाया, लेकिन खिताबी जीत नहीं मिल सकी. भारतीय जोड़ी ने इस हफ्ते कोई गेम नहीं गंवाया था, जो उनकी मजबूती का प्रमाण था, लेकिन पहली गेम की हार उनके लिए एक बड़ा झटका रही.

कोरियाई जोड़ी किम योन हो और सियो सिओंग जाए ने पिछले कुछ समय में अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग के बाद फिर से साथ आकर इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया. यह जोड़ी 2025 में अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और अब तक छह खिताब जीत चुकी है, जिनमें पेरिस विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक, ऑल इंग्लैंड और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 भी शामिल हैं. इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ रक्षा के बीच की लड़ाई माना गया था. किम और सियो ने बेहतर धैर्य और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया.

भारतीय जोड़ी ने दमदार स्मैश और तेज़ खेल दिखाया, लेकिन अनावश्यक गलतियों ने उनकी जीत की राह में बाधा डाली. कोरियाई जोड़ी ने शुरुआती गेम में 3-0 की बढ़त लेने के बाद मजबूती से खेला. हालांकि भारतीय जोड़ी ने लगातार वापसी की और 14-8 की बढ़त भी बनाई, लेकिन फिर गलतियों के कारण कोरियाई टीम ने पहला गेम अपने नाम किया. दूसरे गेम में भी बराबरी और बढ़त दोनों टीमों के बीच होती रही, लेकिन मैच प्वाइंट को भुनाने में कोरियाई टीम सफल रही.

इस हार के बावजूद सात्विक-चिराग ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता है. भारतीय जोड़ी की यह यात्रा आगामी टूर्नामेंटों के लिए उम्मीदों को और मजबूत करती है, जहां वे अपने खिताबी सूखे को खत्म करने का प्रयास करेंगे. उनके संघर्ष और समर्पण से यह साफ है कि वे विश्व बैडमिंटन में शीर्ष स्थान के लिए पूरी ताकत से लड़ रहे हैं.

जुबिन गर्ग के निधन से शोक में डूबे रियान पराग, बोले मेरे जीवन में खालीपन छोड़ गए हैं मामा

एजेंसियां । नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी रियान पराग इन दिनों गहरे सदमे में हैं. असम के प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग के निधन की खबर ने उन्हें भावुक कर दिया है. 52 वर्षीय जुबिन गर्ग की मौत सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हुए एक हादसे में हो गई. इस खबर ने न सिर्फ असम, बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है.

'दबंग मामा' के जाने से टूटे रियान : रियान पराग ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपने दुख को व्यक्त किया और जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि दी. वे भावुक होते हुए बोले, "मैं उन्हें 'दबंग मामा' कहता था क्योंकि उनकी शख्सियत जुझारू और प्रेरणादायक थी. उन्होंने असम को संगीत के ज़रिए एक नई पहचान दी. उनके जाने से मेरे जीवन में ऐसा खालीपन आ गया है जिसे भर पाना नामुमकिन है."

असम के संगीत को दिलाई वैश्विक पहचान : रियान ने जुबिन गर्ग की उपलब्धियों को याद करते हुए कहा, "जुबिन मामा ने साबित किया कि संगीत किसी भाषा या क्षेत्र की सीमाओं से बंधा नहीं होता. उन्होंने अपने गानों से पूरी दुनिया में असम की संस्कृति को पहुंचाया और असम को गर्व करने का मौका दिया."

हादसे ने छीना स्वर का योद्धा : जानकारी के मुताबिक, जुबिन गर्ग सिंगापुर में आयोजित नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल के लिए गए थे. इस दौरान स्कूबा डाइविंग करते समय समुद्र में यह हादसा हुआ. उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके.

'या अली' से मिली थी बॉलीवुड में पहचान : जुबिन गर्ग को बॉलीवुड में फिल्म गैंगस्टर के हिट गाने"या अली"से पहचान मिली थी. इसके बाद उन्होंने कई हिट गाने गाकर करोड़ों दिलों को जीता. उनकी आवाज ने उन्हें एकस्वर योद्धाबना दिया था.

उनकी मौत से पूरे देश में शोक की लहर है. सोशल मीडिया पर लोग उन्हें लगातार श्रद्धांजलि दे रहे हैं. वहीं, रियान पराग का लाइव वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे जुबिन गर्ग को याद करते हुए भावुक नजर आ रहे हैं.

वाराणसी और कानपुर में खेलों का जलवा, अनोखी-वाणी छाईं

एजेंसियां । वाराणसी/कानपुर

उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में इन दिनों खेल प्रतिभाओं का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिल रहा है.वाराणसी, कानपुर, और अन्य जिलों में आयोजित प्रतियोगिताओं में युवा खिलाड़ियों से लेकर अनुभवी प्रतिभागियों तक ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया.

टेबल टेनिस में अनोखी केसरी की चमक : कानपुर में चल रही चौथी यूपी स्टेट रैंकिंग अंडर-15 टेबल टेनिस प्रतियोगिता में अनोखी केसरी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया. पांच सेटों वाले फाइनल में उन्होंने प्रयागराज की अंशिका गुप्ता को 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया. खास बात यह रही कि दाहिने हाथ में एल्बो की खिंचाव के बावजूद अनोखी ने दमदार खेल दिखाया. यह अनोखी की लगातार चौथी जीत है, और अब तक वे तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी हैं. उन्होंने अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के क्वार्टर फाइनल भी जीत लिए हैं. इस जीत के साथ उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है.

पैरा टेबल टेनिस में प्रियांसी केसरी का जलवा : अनोखी की बड़ी बहन और पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी प्रियांसी केसरी ने भी हाल ही में लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और कानपुर में पदक जीते हैं. वे अब चीन, इजिप्ट और दुबई में होने वालीतीन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें एक लाख रुपये देकर सम्मानित भी किया है.

वुशु प्रतियोगिता में वाराणसी मंडल की पहली भागीदारी : वाराणसी मंडल की बालिका टीम पहली बार प्रादेशिक वुशु प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जा रही है.21 से 23 सितंबर तक अयोध्या में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों ने परमानंदपुर स्थित बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अभ्यास किया. कोचगोपालजी सेठ और नारायण यादवकी देखरेख में खिलाड़ियों को विशेष तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया.

ऑस्ट्रेलिया में वैभव की धमाकेदार शुरुआत, बरसाए चौके-छक्के

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत की अंडर-19 टीम के विस्फोटक ओपनरवैभव सूर्यवंशीने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया कि क्यों उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा कहा जा रहा है.ब्रिसबेनमें खेले गए भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच पहले वनडे में सभी की निगाहें वैभव की बल्लेबाज़ी पर थीं और उन्होंने निराश नहीं किया. वैभव ने भारतीय पारी की पहली ही गेंद पर चौकाजड़ते हुए धमाकेदार आगाज़ किया. उन्होंने अपनी 22 गेंदों की छोटी मगर प्रभावशाली पारी में 6 चौके और 1 छक्का समेत कुल 8 बाउंड्री लगाईं और 38 रन बनाए. उनका स्ट्राइक रेट 172 से भी ज्यादा रहा. उनकी तेज शुरुआत की बदौलत भारतीय टीम नेपहले 5 ओवर यानी 30 गेंदों में ही 50 रनबना लिए. हालांकि, इस मजबूत शुरुआत के बाद भारत को जल्दी-जल्दी झटके लगे. सबसे पहलेवैभव सूर्यवंशी आउट हुए, और उनके आउट होते ही उनके ओपनिंग जोड़ीदार आयुष म्हात्रेभी 6 रन बनाकर चलते बने. इस तरह 50 रन के स्कोर पर भारत ने अपने दोनों ओपनर गंवा दिए. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 225 रनबनाए थे. भारत को जीत के लिए 226 रनों का लक्ष्य मिला था. हालांकि वैभव की पारी छोटी रही, लेकिन उनकी आक्रामक शुरुआत ने टीम को मजबूत आधार जरूर दिया.

संभावित घरेलू क्रिकेट में रहा है शानदार करियर

मिथुन मन्हास बन सकते हैं बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष

एजेंसियां । नई दिल्ली

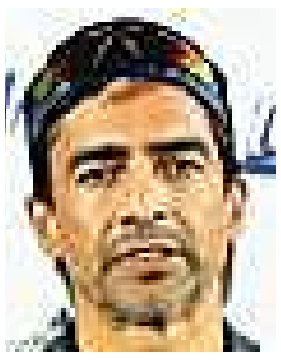

भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों में शुमार रहे मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अगले अध्यक्ष बन सकते हैं. 45 वर्षीय मन्हास का नाम 20 सितंबर को नई दिल्ली में हुई बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों की बैठक के बाद सामने आया है. बोर्ड के नए पदाधिकारियों का चुनाव 28 सितंबर को मुंबई में होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में किया जाएगा.

सूत्रों के अनुसार, मिथुन मन्हास को अध्यक्ष पद के लिए किसी भी प्रकार की चुनौती नहीं मिलेगी और वह संभवतः निर्विरोध ही इस पद पर निर्वाचित होंगे. एजीएम में मन्हास जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ की ओर से प्रतिनिधि के तौर पर शामिल होंगे. उनके अलावा, पंजाब से पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और कर्नाटक से पूर्व स्पिनर रघुराम भट्ट भी बैठक में भाग लेंगे.

बीसीसीआई के अन्य पदों को लेकर भी तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है. देवजीत सैकिया के सचिव बने रहने की पूरी संभावना जताई जा रही है, जबकि वरिष्ठ प्रशासक राजीव शुक्ला दोबारा उपाध्यक्ष बनने जा रहे हैं. वर्तमान कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया का प्रमोशन कर उन्हें संयुक्त सचिव बनाया जा सकता है, वहीं रघुराम भट्ट को नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किए जाने की चर्चा है. आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल अपने पद पर बने रहेंगे.

- दाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने अपना घरेलू करियर दिल्ली से शुरू किया और बाद में जम्मू-कश्मीर की ओर से खेलते हुए क्रिकेट को अलविदा कहा
- जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ की ओर से प्रतिनिधि के तौर पर शामिल होंगे.
- बिन्नी ने 70 वर्ष की आयु पूरी होने पर अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था.

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी का बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर तीन साल का कार्यकाल अगस्त में समाप्त हो गया था. बिन्नी ने 70 वर्ष की आयु पूरी होने पर पद से इस्तीफा दिया, हालांकि हाल ही में बने राष्ट्रीय खेल विधेयक के अनुसार अब यह आयुसीमा 75 वर्ष कर दी गई है. बीसीसीआई में पूर्व खिलाड़ियों को शीर्ष पदों पर नियुक्त करने की परंपरा जारी है. इससे पहले सौरव गांगुली ने 2019 से 2022 तक बोर्ड की कमान संभाली थी. गांगुली भी आगामी एजीएम में बंगाल क्रिकेट संघ की ओर से प्रतिनिधित्व करेंगे.

मिथुन मन्हास का क्रिकेट करियर बेहद प्रभावशाली रहा है. उन्होंने 157 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में लगभग 47 की औसत से 9,714 रन बनाए, जिसमें 27 शतक और 49 अर्धशतक शामिल हैं. इसके अलावा लिस्ट-ए क्रिकेट में भी उन्होंने 4,000 से अधिक रन बनाए. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने अपना घरेलू करियर दिल्ली से शुरू किया और बाद में जम्मू-कश्मीर की ओर से खेलते हुए क्रिकेट को अलविदा कहा. मन्हास ऑफ-स्पिन गेंदबाज़ी भी करते थे और टीम में एक उपयोगी ऑलराउंडर की भूमिका निभाते थे.

यदि मन्हास बीसीसीआई अध्यक्ष बनते हैं, तो यह घरेलू क्रिकेट से जुड़े खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण होगा और यह संदेश भी जाएगा कि कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर खेल के प्रशासन में भी अहम स्थान पाया जा सकता है.

यास्तिका भाटिया की घुटने की हुई सर्जरी, कहा- जल्द करूंगी वापसी

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज़ यास्तिका भाटिया ने अपनी घुटने की चोट को लेकर बड़ा अपडेट दिया है. हाल ही में उन्हें बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके चलते वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला और आगामी आईसीसी महिला विश्व कप 2025 से बाहर हो गई थीं. हालांकि अब उन्होंने बताया है कि उनकी सर्जरी सफल रही है और वह जल्द ठीक होकर क्रिकेट मैदान पर वापसी के लिए तैयार हो रही हैं.

यास्तिका ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पिछले कुछ दिनों में मुझे घुटने की चोट के कारण कठिन समय से गुजरना पड़ा है. मैं अभी भी इससे उबर रही हूं, लेकिन यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी सर्जरी सफल रही है. मैं अपने डॉक्टरों और उन सभी लोगों की आभारी हूं जिन्होंने मुझे इस समय प्यार और समर्थन दिया. अब मेरा पूरा ध्यान ठीक होने, मजबूत बनने और जल्द से जल्द मैदान पर वापसी पर है. इस खेल के प्रति मेरा प्रेम और अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है.

गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा. अब टीम की निगाहें 30 सितंबर से शुरू हो रहे आईसीसी महिला विश्व कप 2025 पर होंगी, जिसकी शुरुआत भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबले से होगी. यास्तिका की अनुपस्थिति टीम के लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना सभी प्रशंसक कर रहे हैं.

बालक वर्ग में बोकारो, बालिका वर्ग में हजारीबाग बना राज्य चैंपियन

झारखंड फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का रामगढ़ में हुआ भव्य समापन

शुभम संदेश । रामगढ़

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में रामगढ़ जिले में आयोजित तीन दिवसीय खेलो झारखंड फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य समापन रविवार को किया गया. समापन समारोह में प्रदेशभर से आए छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से समा बाँध दिया.

फाइनल मुकाबले में अंडर-19 बालक वर्ग में बोकारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुमला को 3-0 से हराकर राज्य चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया. वहीं अंडर-19 बालिका वर्ग में हजारीबाग की टीम ने रांची को 1-0 से पराजितकर खिताब अपने नाम किया. दोनों ही मुकाबले कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच खेले गए.

समारोह के मुख्य अतिथि रामगढ़ की विधायक ममता देवी, मांडू विधायक निर्मल महतो, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, डीएवी एआरओ हजारीबाग डॉ. सुजीत कुमार शर्मा का स्वागत पारंपरिक ढोल-नगाड़े और झारखंडी नृत्य के साथ किया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम, डीएसई संजीत कुमार, एडीपीओ नलिनी रंजनने अतिथियों को पौधा, गमछा और पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया. अतिथियों ने फाइनल खेलने वाली टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फुटबॉल को किक मारकर मैच की शुरुआत की. मुख्य अतिथिममता देवी ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, हार और जीत जीवन के दो पहलू हैं, लेकिन सबसे ज़रूरी है खेल भावना और अनुशासन. उन्होंने खिलाड़ियों से राज्य का नाम रोशन करने की अपील की. मांडू विधायक निर्मल महतो ने कहा कि रामगढ़ जैसे जिले में इस स्तर का आयोजन बहुत बड़ी बात है. उन्होंने ऐसे आयोजन को आगे भी नियमित रूप से कराने की आवश्यकता पर बल दिया. राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने रामगढ़ जिला को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया. अंत में विजेता और उपविजेता टीमों कोट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्रप्रदान कर सम्मानित किया गया. मंच संचालनशिक्षक मिथलेश कुमार रविदास और ममता कुमारी सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन एडीपीओ नलिनी रंजन ने प्रस्तुत किया. समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ.

एक नजर

बनासो बाजारटांड़ में स्वर्गीय टेकलाल महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

विष्णुगढ़। बनासो बाजार टांड़ में स्वर्गीय टेकलाल महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. अनंत कुमार पांडेय ने फीता काटकर और किक मारकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट स्वर्गीय टेकलाल महतो की स्मृति को समर्पित है और खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की सलाह दी.प्रतियोगिता में कुल 32 टीमें भाग ले रही हैं. टूर्नामेंट का समापन 27 सितंबर को टेकलाल महतो की पुण्यतिथि पर होगा, जब पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगे. उद्घाटन समारोह में मंडल अध्यक्ष उत्तम कुमार महतो, हीरामन महतो, निर्णायक भुनेश्वर यादव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि गुरु प्रसाद साव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. आयोजकों ने खिलाड़ियों और आयोजकों की सराहना की.

फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 का फाइनल मुकाबला आज +2 उच्च विद्यालय के मैदान में खेला जाएगा

विष्णुगढ़। प्रखंड में आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 का भव्य फाइनल मुकाबला आज +2 उच्च विद्यालय के मैदान में खेला जाएगा. इस टूर्नामेंट में 72 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से तिलैया गाल्होबार, राजेश 11 दोबाटिया चानो और चितरामो एफसी की टीमें सेमीफाइनल में विजयी रहीं.

फाइनल में ये टीमें एक-दूसरे के सामने होंगी. हजारीबाग के सांसद मनीष जयसवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे और विजेता टीमों को पुरस्कार देंगे. सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र कुमार वर्णवाल ने बताया कि टूर्नामेंट के आयोजन में मंडल एवं बीएफसी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई.

तैयारी के लिए बीपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल सभागार में बैठक हुई, जिसमें कई मंडल पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे. आयोजकों ने प्रखंडवासियों से फाइनल मैच में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की है.

वनवासी कल्याण केंद्र हजारीबाग की जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन

हजारीबाग । वनवासी कल्याण केंद्र हजारीबाग स्थित संघ कार्यालय में जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता की योजना बनाई गई है. प्रखंड स्तर से चयनित टीमों का फाइनल मुकाबला 12 अक्टूबर 2025 को जिले के चयनित स्थल पर आयोजित होगा. प्रतियोगिता में फुटबॉल, तीरंदाजी, गुलेलबाजी, 100, 200, 400 और 800 मीटर दौड़ में भैया व दीदी वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे.

पेज तीन का शेष

रैयतों की समस्या का एक महीने में होगा....

आवश्यकता पड़ने पर कोषांग में अतिरिक्त मानव बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी. उन्होंने आशा व्यक्त की कि एक महीने के अंदर रैयतों की समस्या का निराकरण होगा. सभापति ने कहा कि खनन के लिए रैयतों से ली गई कई हेक्टयर भूमि की रजिस्ट्री नहीं हुई है. इसके कारण राज्य सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है. समिति ने वैसी जमीन की रजिस्ट्री करने का भी निर्देश दिया है. सरकारी एवं फॉरेस्ट लैंड का भी उपयोग किया जा रहा है. उसका भी राजस्व वसूला जाएगा.

शिक्षा विभाग करेगा आउटसोर्सिंग कंपनी पर एफआईआर : सभापति ने कहा कि समिति ने जब सुरंगा का दौरा किया तब ग्रामीणों ने बताया कि उनकी सहमति के बिना रैयती जमीन पर ओवर बर्डन डंप किया है. जिसके कारण घर, सड़क, विद्यालय सहित अन्य को क्षति पहुंची है. क्षति का मुआवजा मिलना चाहिए और खनन कंपनियों को ओवर बर्डन डंप करने व ब्लास्टिंग के मानदंडों का पालन करना चाहिए. विद्यालय के भवन को आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा नुकसान पहुंचाने पर शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया है कि कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए.

सभापति ने कहा कि सर्किट हाउस में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के पदाधिकारियों को भी बैठक में आमंत्रित किया था. उनको स्पष्ट निर्देश दिया है कि सरकारी योजना के लिए 15 दिन में अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करें. अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिलने के से सरकार की कई जन कल्याणकारी योजनाएं लंबित रह जाती है. जिसके कारण बड़ी आबादी योजना के लाभ से वंचित रहती है.

मौत के सौदागरों के आका के पेट में दर्द....

फिर कहा कि लेकिन इससे हमें कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है. हमेशा जनसेवा व न्याय को प्राथमिकता दिया है. आये दिन खबर आती है कि भू-धंसान में दर्जनों मजदूरों की जान चली गई.जो हमें बेचैन कर देती है, इस अवैध खनन के कारण किसी की मांग उजाड़ जाती है, कोख सूना हो जाता है तो किसी का घर का चिराग बुझ जाता है. और तो और मौत के बाद मजदूरों के परिजनों को शव तक नहीं मिलता है. चंद रूपों से परिजनों के आंसूओं का सौदा किया जाता है. लेकिन शासन प्रशासन मौन रहता है . इसलिए अब कतरास को बचाने के लिए आम अवाम को आगे आना होगा. उन्होंने कहा कि मैं एक महिला हूं, महिला होने के नाते मंच को मैं विश्वास दिलाती हूं कि इस मुहिम में नारी शक्ति भी कम से कदम से कदम मिला कर चलेगी. जिस जगह पर अवैध उत्खनन हो रहा है, उसके आसपास के लोगों को आगे बढ़कर रोकना होगा.डरने की आवश्यकता नहीं है, मैं हर मोर्चे में खड़ा रहूंगी. जरूरत पड़ी तो सड़क से लेकर सदन का आन्दोलन करने के लिए तैयार हूं. पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा ने कहा कि अब बगावत करने की आवश्यकता है. इस आंदोलन में परेशानियां जरूर आएंगी लेकिन सफलता जरूर मिलेगी. कहा कि कतरास की जनता ने जब पीएमओ के आदेश के खिलाफ बड़ा आंदोलन कर कतरास में पुनः रेल परिचालन शुरू करवाया तो अपने आप को बचाने के लिए कुछ भी कर सकती हैं. वहीं धनबाद बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि कतरास नागरिक मंच के हर एक सिपाही की मदद करने के लिए वे तैयार हैं. यदि अवैध खनन रोकने के दौरान कोई झूठा होता है तो मंच से घोषणा करता हूं कि आपका केस फ्री में धनबाद से हाईकोर्ट या सुप्रीमकोर्ट तक लडने के लिए तैयार हूं. कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय कुमार झा तथा संचालन प्रभात मिश्रा ने किया. कार्यक्रम में गौतम मंडल , उदय सिंह, डा रामचंद्र चौधरी, महादेव चटर्जी, शौकत खान, मो एनुअल हक अधिवक्ता, मनोज कुमार, अर्जुन प्रसाद,राजेंद्र राजा सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

रेल रोको आंदोलन स्थगित रेलवे ट्रैक से....

समाज की यह बहुत पुरानी लड़ाई है : नेताओं के समर्थन की बात करें तो आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो शनिवार को मुरी रेलवे स्टेशन पहुंचे और आंदोलनरत लोगों का समर्थन किया और कहा कि समाज की यह बहुत पुरानी लड़ाई है और इसे जल्द पूरा करना चाहिए. इस दौरान उन्होंने झामुमो पर भी निशाना साधा और कहा कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रहे. पहले के झामुमो नेताओं ने इस मुद्दे को स्वीकार भी था और चिंता भी जताई थी. लेकिन अब के नेता इससे स्वीकार क्यों नहीं कर रहे है. इसके अलावा जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो भी मुरी स्टेशन में आंदोलन के समर्थन में थे.

इस मांग को सरकार को पूरा करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए : वहीं बात करें भाजपा की तो बगोदर के विधायक नागेंद्र महतो ने भी इस आंदोलन का खुलकर समर्थन किया. वह पारसनाथ रेलवे स्टेशन पहुंचे और कहा, कुड़मियों की इस मांग को सरकार को पूरा करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए. यह समाज की काफी पुरानी मांग है. इसे राज्य और केंद्र सरकार दोनों को संज्ञान में लेना चाहिए. आजादी के पहले कुड़मी एसटी थे. लेकिन आजादी के बाद हुई जनगणना में उन्हें एसटी सूची से बाहर कर दिया गया. इन्हें इसलिए हटाया गया क्योंकि झारखंड में इंडस्ट्री लगाता था, सीसीएल, बीसीसीएल जैसे संस्थानों को स्थापित करना था. कुड़मियों की जमीन झारखंड में सबसे अधिक है, जहां इंडस्ट्री है. उस जमीन को हासिल करने के लिए एसटी सूची से कुड़मियों को अलग किया गया. लेकिन दोनों की परिभाषा एक है. सीएनटी में जमीन बिक्री या बंधक नहीं रख सकते तो विकास कैसे होगा. वहीं एसपीटी में भी वही नियम है. लेकिन कुड़मियों को एसटी से हटा करके क्या विकास हुआ. आदिवासियों की जमीन सीएनटी/एसपीटी नियम के तहत और कुड़मियों की भी है. इसका मतलब पहले दोनों एक ही थे. आजसू के मांडू विधायक तिवारी महतो चरही रेलवे स्टेशन और सांसद चंद्रप्रकाश जागेश्वर बिहार स्टेशन गोमिया, आजसू नेता ईंचागढ़ विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी रहे (2024) हरेलाल महतो हेंसालोंग स्टेशन के पास आंदोलन के समर्थन में दिखे थे. कांग्रेस की बात करें तो पार्टी के नेता मांडू के पूर्व विधायक जयप्रकाश भाई पटेल ने भी इस आंदोलन का समर्थन किया. उन्होंने कहा था, झारखंड अलग राज्य बनने के बाद से उनके पिताजी टेकलाल महतो के साथ राजकिशोर महतो, शैलेंद महतो के नेतृत्व में यह मांग उठी थी. उन्होंने भाजपा पर कुड़मी विरोधी का आरोप भी लगाया. फिलहाल झामुमो के किसी भी नेता ने इस आंदोलन पर कोई टिप्पणी नहीं की है.

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार, गया जेल

बरवाडीह (लातेहार) । रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी रंजीत टुडूको बरवाडीह पुलिस ने पश्चिम बंगाल के पूर्वी वर्धमान जिले से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. आरोपी पहले केपीटीएल कंपनी में कार्यरत था और बरवाडीह में किराए के मकान में रहकर स्थानीय युवकों से दोस्ती कर नौकरी का झांसा देता था.पैरा निवासी अजय कुमार सिंह समेत कई युवाओं से रंजीत ने बड़ी रकम ठगी कर ली थी. 26 सितंबर 2024 को बरवाडीह थाने में मामला दर्ज हुआ था. पुलिस कप्तान कुमार गौरव के निर्देश पर कई बार छापेमारी की गई. अंततः 18 सितंबर को सब इंस्पेक्टर श्याम नारायण ओझा की टीम ने उसे गिरफ्तार किया. थाना प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम की मेहनत से आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया.

नाबालिग से छेड़छाड़ और परिजनों से मारपीट के तीन आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल : बरवाडीह । थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ और विरोध करने पर परिजनों से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. थाना प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि चपरी गांव निवासी आमोद राम, प्रमोद राम और सिकंदर भुइंया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है.

वन्य जीव शिकार मामले में फरार संजय बैठा के घर चिपकाया गया इश्तिहार, कुर्की की तैयारी : बरवाडीह। बरवाडीह थाना कांड संख्या 89/19 के तहत प्रतिबंधित वन क्षेत्र में वन्य जीव का शिकार कर फरार चल रहे आरोपी संजय बैठा के घर पुलिस ने इश्तिहार चिपकाया. यह कार्रवाई सब इंस्पेक्टर अनुराग कुमार के नेतृत्व में, पुलिस कप्तान के निर्देश पर की गई. रांची के आमटाड़ स्थित आरोपी के घर पर रांची पुलिस की मदद से नोटिस चिपकाया गया. थाना प्रभारी अनुप कुमार ने बताया कि अब तक अधिकांश आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और अगली कार्रवाई में कुर्की की तैयारी की जा रही है.

डीसी की अध्यक्षता में उवि प्रधानाध्यापकों के साथ अभिमुखीकरण कार्यक्रम

परिजनों के साथ टॉपर छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

शुभम संदेश । हजारीबाग

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, जिला स्कूल हजारीबाग प्रांगण में उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्राचार्यों के साथ एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम सह बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर झारखंड एजुकेशन प्रोजेक्ट द्वारा माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा के पाठ्यक्रम कवरेज पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई.

कार्यक्रम के दौरान सीबीएसई एवं जैक बोर्ड परीक्षा में जिला स्तर पर टॉप पर रहने वाले कुल नौ छात्र-छात्राओं को उनके परिजनों के साथ उपस्थित होकर सम्मानित किया गया. इन विद्यार्थियों को 2 लाख एवं 1 लाख रुपए के चेक, लैपटॉप, मोबाइल, बैग और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए. जिन्होंने कार्यक्रम में भाग नहीं लिया, उनके माता-पिता ने सम्मान ग्रहण किया.

सम्मानित छात्र-छात्राओं में रितु कुमारी, अमृता गुप्ता, पूजा कुमारी, शिवानी कुमारी (इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय), प्रेरणा कुमारी (आर.एन. प्लस टू हाई स्कूल, पदमा), किशोर कुमार (प्लस टू हाई स्कूल, बड़कागांव), हिमांशु कुमार (विष्णुगढ़ इंटर कॉलेज), दिव्य प्रकाश (संत जेवियर स्कूल), और तान्या महतो (डीएवी पब्लिक स्कूल) शामिल हैं.

उपायुक्त ने सभी प्रधानाध्यापकों एवं प्राचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का क्षेत्र राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है. उन्होंने कहा कि प्रधानाध्यापक केवल सरकारी शिक्षक न होकर विद्यालय के प्रशासकीय अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएं. शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु ठोस प्रयास जरूरी हैं. उन्होंने कक्षाओं के बाद प्रतिदिन कम से कम एक घंटे की अतिरिक्त बैठक कर कक्षा संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति और प्रगति की समीक्षा करने को कहा. इसके अलावा पाठ्यक्रम को समय पर पूरा कराने, चरणबद्ध पढ़ाई सुनिश्चित करने, विद्यार्थियों की न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य करने, प्रोजेक्ट रेल से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने, पिछले पांच वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास कराने तथा नवंबर तक अध्याय समाप्त कर पूर्वाभ्यास पर दिसंबर-जनवरी में ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए.

साथ ही, उन्होंने कहा कि सुबह की प्रार्थना सभा में समसामयिक जानकारी देकर बच्चों में प्रतियोगी परीक्षाओं की जागरूकता बढ़ाई जाए. अंत में उपायुक्त ने जोर देकर कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है, और शिक्षक- प्रधानाध्यापक अपनी भूमिका को राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में समझें और विद्यार्थियों को सफलता की ओर ले जाने का संकल्प लें.

कई दिनों से आम्रपाली कोल परियोजना से उत्पादन ठप

चतरा । जिले की आम्रपाली कोल परियोजना में पिछले कई दिनों से कोयलाउत्खनन और परिवहन पूरी तरह बंदहै, जिससेहजारों करोड़ रुपयेका नुकसान हो चुका है. देश की सबसे बड़ी कोल परियोजनाओं में शुमार इस प्रोजेक्ट मेंटेंडर प्रक्रिया में धांधली और कमीशनखोरी की आशंका जताई जा रही है.सूत्रों के मुताबिक, तीसरे फेज के खनन टेंडर में जानबूझ कर गड़बड़ी कर निजी लाभ पहुंचाने की साजिश रची गई. इसमें सिंडिकेट के गहरे तार जुड़े होने की बात सामने आ रही है. सीसीएल के जानकारों का दावा है कि सीबीआई और विजिलेंस की प्रारंभिक जांच में बड़ा खुलासा हो सकता है.अब इस हाईप्रोफाइल मामले की सीबीआई, ईडी और विजिलेंस जांच की मांग जोर पकड़ रही है.

करमा में दलित नाबालिग से एक वर्ष तक दुष्कर्म आठ माह की गर्भवती, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं

विनोद यादव। चतरा

लावालौंग प्रखंड क्षेत्र की एक पंन्द्रह वर्षीय दलित नाबालिग यौन शोषण के कारण गर्भवती हो गई है.मामले को लेकर लड़की के पिता ने लावालौंग थाना में आवेदन दिया है. नाबालिग ने बताया कि एक वर्ष पूर्व मैं अपनी भाभी के गई थी. जहां दैनिक मजदूरी के लिए मकई के खेत में भाभी मुझे साथ लेकर शिवराजपुर गाँव के सुनिल कुमार के घर गई थी. तब से सुनिल मेरे पीछे हाथ धोकर पड़ गया और झांसे में मैं पड़ गई. हमदोनो में बातचीत, मिलना जुलना का सिलसिला शुरू हो गया. मुझसे शादी करने की बात कहकर सुनिल एक वर्ष तक मेरा यौन शोषण करता रहा. अब मेरे पेट में आठ महीने का बच्चा पल रहा है. एक माह पूर्व तक मुझे मेरे बच्चे के साथ अपनाने की बात उसने कही थी. यह भी कहा था कि गर्भवती होने की बात किसी को बताई तो जान से हाथ धोना पड़ेगा. शांति से रहेगी तो रख लूंगा. परंतु लाख छुपने छुपाने के बाद भी जब मेरे परिजनों को मेरे गर्भवती होने की भनक लग गई तब दबाव में मैंने सबको सच्चाई बता दी. परिवारवालों को जब जानकारी मिली, तो सुनील के घर मामले को लेकर पहुंचे तो सुनिल और उसके परिजनों ने कहा कि सारा खर्च मेरा रहेगा. गर्भपात करा दो, मैं तुम्हारे बेटी की शादी का पूरा खर्च देने के लिए तैयार हूं. अपने ही जाति में कहीं विवाह कर दो.

इसुनिल के परिजनों की बातें सुनकर बाद हमारे परिजनों नें लावालौंग थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई, परंतु यहां से भी पांच दिन बीतने के बाद भी कोई कारवाई नहीं की गयी है.इ

उधर जिला परिषद सदस्य प्रसाद भारती ने जानकारी देते हुए कहा है कि किसी भी जाति के लड़की की इज्जत बिकाऊ नहीं है, जिसे पैसे से खरीद लिया जाए. पुलिस प्रशासन से अपील करता हूं कि इस मामले में सख्त से सख्त कारवाई किया जाए और अगर ऐसा नहीं होता है, तो मैं लड़की के दिब्यांग पिता और परिजनों के साथ जिले के वरीय पदाधिकारी के कार्यालय के समक्ष धरना दूंगा.

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान

मरकच्चो (कोडरमा) । डोमचांच प्रखंड के ग्लोबल विजडम पब्लिक स्कूल नवलशाही में शनिवार को अर्धवार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया. इस दौरान अभिभावकों को प्रगति पत्रक वितरित किए गए और परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया. विद्यालय निर्देशक संजीत साव ने बताया कि कई बच्चों ने मेहनत से बेहतर अंक प्राप्त किए हैं, वहीं कुछ बच्चों के लिए विशेष कक्षा का आयोजन किया जाएगा ताकि उनकी पढ़ाई में सुधार हो सके. सहायक प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने अभिभावकों से बच्चों की 100% उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया ताकि वे सभी शैक्षणिक गतिविधियों में भाग ले सकें और बेहतर परिणाम ला सकें. इस मौके पर पंकज राणा सहित अन्य शिक्षकों ने बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया. शिक्षकों ने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे घर पर बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और विद्यालय को आवश्यक जानकारी देते रहें.

दुर्गा पूजा को लेकर डोमचांच थाना परिसर में शांति समिति की बैठक, अफवाह व भ्रामक सूचनाओं से बचें

शुभम संदेश । डोमचांच (कोडरमा)

आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए रविवार को डोमचांच थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता कोडरमा एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने की. इस दौरान बीडीओ भोला पांडेय और सीओ रविन्द्र पांडेय भी उपस्थित रहे.

बैठक में अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं से बचने की अपील की गई ताकि सामाजिक सौहार्द्य प्रभावित न हो. थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने कहा कि किसी भी ऐसी जानकारी की सूचना पुलिस को तुरंत दें. शिवसागर में रावण दहन रात्रि 9 बजे करने का निर्णय लिया गया.इसके अलावा, पंडाल की मजबूती, पुरुष- महिला के अलग-अलग मार्ग, डीजे पर प्रतिबंध, पार्किंग व्यवस्था जैसे एसओपी पर विस्तार से चर्चा की गई. भाजपा, कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक और सामाजिक नेताओं ने भी बैठक में भाग लेकर शांति बनाये रखने का संकल्प लिया. मौके पर महेंद्र प्रसाद वर्मा, प्रदीप सिंह, अशोक यादव, नीलकंठ मेहता, सुबोध कुमार पाठक सहित कई जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी मौजूद थे.

चंदवारा में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक : दुर्गा पूजा को शांति-पूर्ण तरीके से मनाने को लेकर चंदवारा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख मंजू देवी ने की, जबकि बीडीओ सुमित कुमार मिश्रा, इंस्पेक्टर सुजीत कुमार और थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार भी मौजूद थे. थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार ने सभी पूजा समितियों से अनुरोध किया कि वे भोलेंटियर नियुक्त करें और पूजा पंडालों में उनका रखरखाव सुनिश्चित करें.

लावालौंग थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर बैठक : थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई. थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने पर्व को शांति और सौहार्द से मनाने की अपील की. बैठक में बीडीओ, सीओ, पुलिस इंस्पेक्टर, जनप्रतिनिधि, पूजा समिति के सदस्य और आम नागरिक शामिल हुए. प्रशासन ने सभी पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश दिया.

दामोदर घाटी निगम हजारीबाग ने किया स्वच्छोत्सव का आयोजन

हजारीबाग । दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) हजारीबाग परियोजना में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक "स्वच्छता ही सेवा – 2025" के तहत स्वच्छोत्सव मनाया जा रहा है. इस दौरान स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. 20 सितम्बर को डीवीसी कॉलोनी एवं हीराबाग मार्केट में व्यापक स्वच्छता अभियान चला.21 सितम्बर को वरीय महाप्रबंधक राम स्नेह शर्मा व प्रभारी अनुप पुरकायस्थ के नेतृत्व में "रन फॉर स्वच्छता" दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. आगामी कार्यक्रमों में 22 सितम्बर को चिकित्सालय में स्वास्थ्य परीक्षण, 23 सितम्बर को चित्रांकन प्रतियोगिता, 24 सितम्बर को सफाई मित्रों के लिए सेमिनार, और 25 सितम्बर को बाजारों में स्वच्छता अभियान शामिल हैं. इसके अलावा वृक्षारोपण, रंगोली प्रतियोगिता और दुर्गा पूजा पंडालों में प्लास्टिक मुक्त अभियान भी आयोजित किया जाएगा.स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वच्छ भारत की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी. 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा.

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ भव्य शुभारंभ

बड़कागांव । सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत कुशवाहा खेल मैदान शिवाडीह में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन किया गया. मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी और पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किक मारकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. उद्घाटन के दौरान दीप प्रज्वलन, नशा मुक्त भारत की शपथ और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का औपचारिक रूप से आरंभ किया गया. सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह टूर्नामेंट पहले सदर क्षेत्र में सीमित था, जिसे अब पूरे लोकसभा क्षेत्र के 22 प्रखंडों तक बढ़ाया गया है.

विरोध कुर्मी आंदोलन के खिलाफ आदिवासी समाज का सशक्त विरोध

आज बाइक रैली और 24 सितंबर को विरोध मार्च

शुभम संदेश । रामगढ़

कुर्मी आंदोलन के खिलाफ आदिवासी समाज ने जोरदार विरोध करने का फैसला किया है. रविवार को रामगढ़ के सीसीएल मैदान, नया नगर बरकाकाना में आदिवासी सेवा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कुर्मी, कुड़मी और महतो जातियों की मांगों को लेकर तीव्र नाराजगी व्यक्त की गई. बैठक की अध्यक्षता गोविंद बेदिया और संचालन छात्र नेता पंचदेव करमाली ने किया.

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 22 सितंबर को पूरे रामगढ़ जिले में बाइक रैली निकाली जाएगी, जो कुर्मी, कुड़मी, महतो जातियों की मांगों के विरोध स्वरूप होगी. इसके अलावा, 24 सितंबर को रामगढ़ जिले के सभी प्रखंडों और गांवों से आदिवासी छात्र संघ एवं अन्य आदिवासी संगठन सिद्धू-कान्हु मैदान में एकत्रित होंगे. यहां से सभी आदिवासी समाज के लोग पैदल मार्च कर रामगढ़ उपायुक्त कार्यालय तक अपना विरोध जताएंगे.

आदिवासी समाज ने आगामी लोकसभा, विधानसभा, नगर परिषद और पंचायत चुनावों में कुर्मी, कुड़मी, महतो जातियों के प्रत्याशियों का बहिष्कार करने का भी फैसला किया है. साथ ही किसी भी क्षेत्रीय त्योहार में इन जातियों को मुख्य अतिथि या कोई अतिथि बनने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यह अपील आदिवासी समाज ने पूरे रामगढ़ जिले के लोगों से की है.

बैठक में गोविंद बेदिया ने कहा कि जिले के हर गांव और कस्बे से लगभग 50,000 आदिवासी लोग एमटी ग्राउंड रामगढ़ में इकट्ठा होंगे और मजबूत विरोध प्रदर्शन करेंगे. छात्रसंघ नेता पंचदेव करमाली ने कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने के किसी भी प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया. उनका कहना था कि कुड़मी जाति आदिवासियों से पूरी तरह अलग है और वे आदिवासियों के जमीन, आरक्षण, नौकरी और राजनीतिक अधिकारों पर कब्जा करने के लिए इस सूची में शामिल होना चाहते हैं, जिसे आदिवासी समाज किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं करेगा.

इस बैठक में गोविंद बेदिया, पंचदेव करमाली, रमण बेदिया, गंगाधर बेदिया, सुरेंद्र बेदिया, तुफान उरांव, श्याम करमाली, राजू बेदिया, दिलिप उरांव, संतोष बेदिया, रामेश्वर बेदिया, सुनील मुंडा, गीता देवी, बिनोद उरांव, किशुन मुंडा, जीतेंद्र मुंडा, विवेक उरांव, जतरु उरांव, संजय करमाली, संतोष करमाली समेत कई अन्य लोग मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

गुजरात के कच्छ में आया 3.1 तीव्रता का भूकंप; कोई हताहत नहीं

नयी दिल्ली । भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि रविवार दोपहर गुजरात के कच्छ जिले में 3.1 तीव्रता का भूकंप आया. आईएसआर ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया कि भूकंप दोपहर 12:41 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र भचाऊ से लगभग 12 किलोमीटर उत्तर-पूर्व (एनएनई) में था. आईएसआर के अपडेट में बताया गया है कि इससे पहले सुबह लगभग 6:41 बजे इसी जिले में 2.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र धोलावीरा से 24 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व (ईएसई) में स्थित था. जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है. कच्छ जिला 'अत्यधिक जोखिम' वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है, जहां कम तीव्रता के भूकंप नियमित रूप से आते रहते हैं.

मणिपुर में तीन उग्रवादी और एक हथियार विक्रेता गिरफ्तार किए गए

नयी दिल्ली । मणिपुर पुलिस ने रविवार को बताया कि मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों और एक हथियार विक्रेता को गिरफ्तार किया गया है. प्रतिबंधित संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को शुक्रवार को बिष्णुपुर जिले के त्रोंगलाओबी से गिरफ्तार किया गया. पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि उग्रवादियों की पहचान थोकचोम मणिमतुम सिंह (20) और लैशराम प्रेमसागर सिंह (24) के रूप में हुई है, जो जनता, स्थानीय व्यवसायों और स्कूलों से जबरन वसूली में शामिल थे. इसके अलावा, प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक कार्यकर्ता को इंफाल पूर्वी जिले के कोंगबा से गिरफ्तार किया गया.

त्रिपुरा में महिला का अधजला शव मिला, आत्महत्या करने की आशंका

गोमती । त्रिपुरा के गोमती जिले में शनिवार को एक महिला का अधजला शव मिला. उसके पति ने आरोप लगाया कि बीजेपी विधायक के करीबियों ने उनकी पत्नी से मारपीट की, जिसके बाद उसने आत्महत्या कर ली. घटना काकरबन पुलिस स्टेशन के मिर्जा इलाके में हुई. इसके बाद बड़ा राजनीतिक विवाद शुरू हो गया. काकरबन पुलिस थाने के एएसआई संजय सरकार को सस्पेंड कर दिया गया. वित्त मंत्री प्रणजीत सिंघा रॉय ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है. उदयपुर की एसडीपीओ देबांजलि रे ने बताया कि शव सुबह में मिला. उन्होंने कहा, शुरुआत में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया था. बाद में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया.

राजनाथ आज से दो दिनी मोरक्को दौरे पर, स्वदेशी की रहेगी धूम

नयी दिल्ली । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 22 से 23 सितंबर तक मोरक्को की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे. इस दौरान सिंह वहां टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स (टीएएसएल) की एक विनिर्माण इकाई का उद्घाटन करेंगे. बेरेचिड स्थित यह व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र होगा. रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह इकाई अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र है, जो आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत के रक्षा उद्योग की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है. एक बयान में कहा गया कि सिंह की मोरक्को यात्रा किसी भारतीय रक्षामंत्री की उत्तर अफ्रीकी देश की पहली यात्रा होगी. यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग को रेखांकित करती है.

असम राइफल्स के काफिले पर हमला मामले में दो हिरासत में

नयी दिल्ली । असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले के सिलसिले में मणिपुर में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है. असम पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम को नाम्बोल सबल लेईकाई इलाके में हुए हमले में इस्तेमाल की गई एक वैन भी बरामद की गई है. मणिपुर पुलिस ने शनिवार देर रात एक बयान में कहा कि घटना के संदर्भ में सुरक्षा बलों ने शांतिपुर और इशोक इलाकों में एक बड़ा अभियान चलाया. इस दौरान दो लोगों को हिरासत में लिया गया. साथ ही पुलिस ने बताया कि सिल्वर-ब्लू रंग की वैन घात स्थल से लगभग 10 किलोमीटर दूर, इंफाल पश्चिम जिले के मुतुम यांगबी में मिली. शुरुआती जांच में वैन के मालिकों की पहचान कर ली गई है.

बेंगलुरु कोर्ट से बीजेपी नेताओं को मिली अंतरिम जमानत

बेंगलुरु । बेंगलुरु की सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट ने शनिवार को बीजेपी नेता चालवाड़ी नारायणस्वामी और मैसूरु के विधायक श्रीवत्स को कुरुबा समुदाय के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयानबाजी मामले में अंतरिम जमानत दे दी. यह मामला तब सामने आया जब हुब्बल्ली के एक किसान ने शिकायत दर्ज कराई कि दोनों नेताओं ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कुरुबा समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग का विरोध करते हुए समुदाय का अपमान किया. शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 353(2) (सार्वजनिक शांति भंग करने वाले बयान) के तहत एफआईआर दर्ज की थी.

जुबिन गर्ग के पार्थिव शरीर से लिपट कर रोईं पत्नी गरिमा, असम की सड़कों पर उतरा जनसैलाब

फेमस सिंगर जुबिन गर्ग अब इस दुनिया में नहीं है. शुक्रवार 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान उनका निधन हो गया था. अब उनका पार्थिव शरीर रविवार सुबह दिल्ली से गुवाहाटी लाया गया. इस दौरान लाखों फैंस सिंगर को अंतिम विदाई देने उमड़ पड़े. पूरी सड़कें लोगों से भरी हुई थीं, हर जगह फूल बरसाए गए. इसके साथ ही 'जुबीन दा अमर रहें' के नारे लग रहे थे. बता दें कि जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर गुवाहाटी के अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रखा गया है. यहां लोगों को सिंगर के अंतिम दर्शन किये. इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया.

पश्चिम बंगाल में संघ का शताब्दी वर्ष

हर नगर, हर खंड में शुरू हुआ पथ संचलन कार्यक्रम

एजेंसी ।कोलकाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष विशेष कार्यक्रम के सूचीबद्ध तयनुसार रविवार को पूरे पश्चिम बंगाल में एक साथ पथ संचलन कार्यक्रमों की शुरुआत हुई. रविवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न नगरों और खंडों में निर्धारित समयानुसार पथ संचलन और स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण प्रारंभ हुआ. पथ संचलन कहीं सुबह तो कहीं शाम के समय किए जा रहे हैं. संघ इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है. इसी क्रम में वर्षभर चलने वाले विविध आयोजनों की सूची में पहला प्रमुख कार्यक्रम पथ संचलन रखा गया है. इसके माध्यम से अनुशासन, संगठन और राष्ट्रभावना का संदेश समाज तक पहुंचाया जा रहा है.

गौरतलब है की समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए संघ ने पंच परिवर्तन की जरूरत बताई है जिसमें स्वदेशी, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण और नागरिक कर्तव्य शामिल है. इन्हीं पांच विषयों को ध्यान में रख उसी दिशा में बढ़ते हुए आगामी कार्यक्रमों की योजना भी बनाई गई है. पश्चिम बंगाल के हर नगर और हर खंड में आज स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण शुरू हुआ. स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में कतारबद्ध होकर घोषवाद्य की धुनों पर नगर भ्रमण के लिए निकले. जगह-जगह नागरिक पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत कर रहे हैं. घोष, गीत और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज रहे. प्रांत स्तर और जिला स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारी भी विभिन्न स्थानों पर उपस्थित होकर कार्यक्रम का मार्गदर्शन कर रहे हैं. वक्ताओं ने कहा कि शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का अवसर नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प लेने का समय है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अरुणाचल और त्रिपुरा दौरा आज

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल पूर्वोत्तर के दो राज्यों अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा का दौरा करेंगे. प्रधानमंत्री यहां अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में 5100 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देंगे. वहीं, त्रिपुरा में माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर परिसर के विकास कार्य की नींव रखेंगे. वह मंदिर में पूजा और दर्शन के साथ इटानगर में सार्वजनिक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे. वे तवांग में अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर की रखेंगे आधारशिला भी रखेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री ईटानगर में 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे. हेओ जलविद्युत परियोजना (240 मेगावाट) और टाटो-I जलविद्युत परियोजना (186 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश के सियोम उप-बेसिन में विकसित की जाएंगी.

एच-1बी वीजा को लेकर ट्रंप के फैसले ने तोड़ा भारतीयों का दिल!

किसी की शादी कैंसिल, किसी की मां के निकल रहे हैं आंसू...

एजेंसी ।नयी दिल्ली

विदेश में फंसे कई भारतीय एच-1बी होल्डर्स के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वीजा फीस 100,000 डॉलर करने का फैसला किसी बुरे सपने जैसा था. वीजा फीस की चौंकाने वाली घोषणा, जिसके बाद बड़ी टेक कंपनियों ने विदेश में अपने कर्मचारियों को एक दिन के भीतर वापस लौटने का निर्देश दिए. ऐसे में उन्हें पारिवारिक कार्यक्रमों और लंबे समय से प्लान की गई यात्राओं को बीच में ही छोड़कर करीब के एयरपोर्ट पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा.

कंपनियों ने फौरन वापस बुलाया : परेशान और तनावग्रस्त, एक रेडिट यूजर 'सरमुच' ने अपने और एच-1बी वीजा होल्डर परिचितों के सामने आने वाली मुश्किलों का ब्यौरा दिया है. ये लोग अमेरिका के बाहर फंस गए थे. उस वक्त सभी कन्फ्यूज हो गए, जब अमेजॉन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने शनिवार को कर्मचारियों को ईमेल किया, जिसमें उन्हें 21 सितंबर को सुबह 9:31 बजे तक वापस अमेरिका आने के लिए कहा गया था.

उन्होंने कहा, 'जिनके दिलों में रहन नहीं है, उनके लिए यह शर्म की बात है. आपको मेरी मां को रोते हुए देखने की ज़रूरत नहीं पड़ी क्योंकि वह कुछ महीनों में पहली बार मुझसे मिलने वाली थीं, क्योंकि हम कुछ सालों में पहली बार एक सप्ताह साथ बिताने वाले थे!' रेडिट यूजर ने कहा, 'यह गलत है. हम इसके लायक नहीं थे. भावनात्मक नुकसान बहुत ज्यादा है, परिवार अलग हो गए और अहम पल छूट गए.' उन्होंने कहा कि वीजा से अलग भी एक जिंदगी है, क्योंकि हम सभी इंसान हैं.

ट्रंप के फैसले से अफरा-तफरी : बाद में व्हाइट हाउस ने साफ किया कि कंपनियों को अमेरिका में फिर से दाखिल होने पर अपने एच-1बी वर्कर्स के लिए ज्यादा फीस देने की जरूरत नहीं होगी, जिससे कई लोगों को राहत मिली. लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था. कई अन्य एच-1बी वीजा होल्डर्स ने ट्रंप के शुक्रवार देर रात के ऐलान के बाद के घंटों को घबराहट और चिंता की भावना से भरा बताया. कई लोगों को तो उड़ान भरने के इंतज़ार के दौरान ही इन वीजा नियम में बदलावों के बारे में पता चल गया, जिससे कुछ लोगों ने अपनी प्लानिंग पूरी तरह से कैंसिल कर दी, क्योंकि बड़ी टेक कंपनियों ने भी एच-1बी वीज़ा वाले कर्मचारियों को अगली सूचना तक अमेरिका छोड़ने से मना कर दिया. इनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने अनिश्चितता के कारण अपनी शादी की यात्राएं रद्द कर दीं.

आदेश में स्पष्टता की भारी कमी : एक व्यक्ति ने पीटीआई को बताया, 'यह एक यात्रा प्रतिबंध है! अगर किसी व्यक्ति के पासपोर्ट पर वैध एच-1बी वीज़ा लगा हो, तब भी अगर वह यात्रा कर रहा हो या छुट्टियों पर हो, तो आप अमेरिका में तब तक एंट्री नहीं मिल सकती जब तक उसके पास 100,000 डॉलर के भुगतान का सबूत न हो. कोई नहीं जानता कि प्रोसेस क्या है, बारीकियां क्या हैं. पूरी तरह से अफरा-तफरी मची हुई है.'

एक अन्य ने कहा, 'जो लोग एयरपोर्ट पर बोर्डिंग लाइनों में खड़े हैं, जो लोग कल अपनी शादी के लिए निकल रहे हैं, ऐसी ही चीज़ें. वे इसलिए यात्रा कैंसिल कर रहे हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि अब क्या किया जाए.' ट्रंप के ऐलान और आधिकारिक निर्देशों या स्पष्टता के अभाव के कारण परिवार कंफ्यूजन में रहे, जब तक कि ट्रंप प्रशासन की ओर से सफाई नहीं दी गई.

ट्रंप प्रशासन पर फूटा गुस्सा : एक व्यक्ति ने पीटीआई को बताया, 'लोगों को यह नहीं पता कि वे वापस आ पाएंगे या नहीं, कंपनी के लिए 100,000 डॉलर पाने की प्रक्रिया क्या होगी. किसी को कुछ नहीं पता. और इस बारे में कोई स्पष्टता जल्द ही नहीं मिलने वाली.' नए आवेदकों के लिए 100,000 डॉलर की फीस के साथ भारतीयों के लिए अमेरिकी सपना लगभग खत्म हो सकता है, जो एच-1बी वीजा धारकों में सबसे बड़ी तादाद में हैं. एक व्यक्ति ने कहा, 'यह एक अजीब समय है. इस प्रशासन को अभी सिर्फ छह-सात महीने ही हुए हैं और सब कुछ पागलपन भरा लग रहा है. लोग सचमुच यह सवाल करने लगे हैं कि क्या वे अमेरिका में अपना जीवन संवार पाएंगे, क्योंकि अब हर चीज़ को लेकर अनिश्चितता का स्तर बहुत ऊंचा है.'

कोयला-शराब घोटाला मामले में 10 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी ।रायपुर

छत्तीसगढ़ के कोयला व शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राजधानी रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में कई शराब कारोबारियों के घर दबिश दी गई है. प्रदेशभर में 10 ठिकानों पर ईओडब्ल्यू का छापा पड़ा है. शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने प्रदेश के 10 ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की है. रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में शराब कारोबारियों के घर छापा पड़ा है. राजधानी में तीन से चार ठिकानों पर दबिश दी गई है.

रायपुरा स्थित शिव विहार कॉलोनी स्थित शराब कारोबारी अवधेश यादव के घर भी ईओडब्ल्यू की टीम पहुंची है, जहां दस्तावेजों की जांच कर रही है. इसी तरह दुर्ग और बिलासपुर में भी टीम ने छापामार की कार्रवाई कर जांच कर रही है. जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा में ईओडब्ल्यू की 12 सदस्यीय टीम ने खनिज अधिकारी के बेटे के ठिकानों पर दबिश दी है. यहां कोयला व्यापारी जयचंद कोसल के अंबेडकर चौक स्थित घर में छापामार की कार्रवाई की गई है. बताया जा रहा है कि जयचंद कोसल के पिता जांजगीर जिला में ही राजस्व विभाग में पदस्थ हैं. ईओडब्ल्यू की इस ताबड़तोड़ छापामार की कार्रवाई से एक बार फिर हड़कंप मचा हुआ है. उल्लेखनीय है कि, छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए शराब और कोयला घोटाले में पहले ही कई अधिकारी और कारोबारी जेल जा चुके है.

डीके बोले-भाजपा समाज को बांट रही है

नयी दिल्ली । कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा समाज को बांटने का काम कर रही है, जबकि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ लेकर चलना चाहती है. उन्होंने कहा कि हमने पार्टी हाईकमान से अपनी समस्याएं साझा कीं और उन्होंने हमारी बातों को गंभीरता से सुना. कई लोगों की शिकायत थी कि उन्हें ठीक से शामिल नहीं किया गया या उनका पंजीकरण नहीं हुआ, इसलिए हमने सबको मौका दिया.

ओडिशा: शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, केस दर्ज

जाजपुर । ओडिशा के जाजपुर जिले में एक युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर कई महीनों तक दुष्कर्म करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. महिला की शिकायत के मुताबिक, उसकी मुलाकात आरोपी से पिछले वर्ष सोशल मीडिया के जरिए हुई थी. महिला ने कई बार शादी का दबाव डाला, लेकिन आरोपी टालता रहा. इस महीने की शुरुआत में जब पीड़िता ने दोबारा विवाह के लिए कहा तो आरोपी ने इंकार कर दिया. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

ग्रेट निकोबार परियोजना : कांग्रेस ने पर्यावरण मंत्री को घेरा, जयराम रमेश बोले

यह 'निगेटिव पॉलिटिक्स' नहीं, गंभीर चिंता है

नयी दिल्ली । ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को लेकर कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच तकरार तेज हो गई है. कांग्रेस नेता और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने इस परियोजना का विरोध करने पर पार्टी की आलोचना करने को लेकर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर पलटवार किया है. रमेश ने कहा कि आसन्न पारिस्थितिक और मानवीय आपदा की ओर राष्ट्र का ध्यान आकर्षित करना 'निगेटिव पॉलिटिक्स' नहीं, बल्कि एक गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है. जयराम रमेश ने रविवार को 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कांग्रेस पर ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर 'नकारात्मक राजनीति' करने का आरोप लगाया है. लेकिन पारिस्थितिकी और मानव जीवन पर मंडरा रहे खतरे की ओर ध्यान आकर्षित करना कोई राजनीति नहीं है, बल्कि देशहित में उठाई गई आवाज है. रमेश ने कहा कि मंत्री यादव कांग्रेस द्वारा बार-बार पूछे जा रहे बुनियादी सवालों का जवाब देने से बच रहे हैं. उन्होंने पूछा कि क्या इस परियोजना के तहत लाखों पेड़ों की कटाई राष्ट्रीय वन नीति 1988 का उल्लंघन नहीं है?

शांति दिवस पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे बोले - शांति आत्मा से आती है

एजेंसी ।नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर कहा कि भारत की विविधता और संवाद की परंपरा आज की अशांत दुनिया के लिए उम्मीद की किरण है. यह दिवस हर साल संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है. खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि महात्मा गांधी की अहिंसा की सीख नफरत और हिंसा को कम करने में मददगार साबित हो सकती है. उन्होंने लोगों से युद्ध और असमानता के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की. कांग्रेस अध्यक्ष ने इस अवसर पर देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को भी याद किया. उन्होंने नेहरू का कथन याद करते हुए कहा कि शांति मन की वह स्थिति है जो आत्मा से आती है. खरगे ने कहा कि यह विचार इस साल के शांति दिवस के थीम शांतिपूर्ण विश्व के लिए कदम उठाओ से मेल खाता है, जो सबको एक करने का संदेश देता है.

भारतीय राजदूत की नेपाल के ऊर्जा मंत्री से मुलाकात

निरंतर सहयोग की उम्मीद जताई

एजेंसी ।काठमांडू

नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने रविवार को अंतरिम सरकार के ऊर्जा, शहरी विकास और भौतिक निर्माण मंत्री कुलमन घिसिंग से मुलाकात की. मंत्री घिसिंग ने नेपाल के विकास यात्रा में भारत के लंबे समय से चले आ रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और आने वाले दिनों में निरंतर सहयोग की उम्मीद जताई. यह बैठक नेपाल के हालिया राजनीतिक परिवर्तन के बाद भारत के निरंतर राजनयिक जुड़ाव के हिस्से के रूप में हुई है. राजदूत श्रीवास्तव रविवार को सिंहदरबार पहुंचे और मंत्री घिसिंग से मुलाकात की. बैठक के दौरान भारतीय राजदूत ने मंत्री घिसिंग को जेन जी विरोध-प्रदर्शनों के बाद गठित अंतरिम सरकार में प्रमुख पोर्टफोलियो का कार्यभार संभालने पर बधाई देने के साथ ही सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्होंने ऊर्जा, परिवहन, भौतिक बुनियादी ढांचे और शहरी विकास के क्षेत्र में नेपाल का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता भी जाहिर की. बैठक के बाद घिसिंग ने कहा कि भारत ने नेपाल के बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और हम उस सहयोग को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं. उन्होंने नेपाल के विकास यात्रा में भारत के लंबे समय से चले आ रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और आने वाले दिनों में निरंतर सहयोग की उम्मीद जताई. नेपाल में जेन-जी आंदोलन से राजनीतिक परिवर्तनों के बाद से भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव अंतरिम सरकार को पूर्ण सहयोग देने के लिए निरंतर मंत्रियों के संपर्क में हैं. उन्होंने सबसे पहले प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ बैठक की और नेपाल के पुनर्निर्माण के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया.

धमकी : बगराम एयरबेस को लेकर अफगानिस्तान को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की चेतावनी

एयरबेस वापस नहीं किया, तो बहुत बुरा होगा

एजेंसी ।वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस को लेकर एकबार फिर धमकी देते हुए कहा है कि अगर यह एयरबेस अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो इसे नतीजे बहुत बुरे होंगे. हाल ही में अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ट्रंप ने कहा था कि उनकी सरकार अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस को हासिल करने की कोशिश कर रही है. हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति की इन कोशिशों को चुनौती देते हुए अफगानिस्तान के मौजूदा तालिबान शासन की तरफ से कहा गया कि अफगान धरती ने विदेशी ताकतों को कभी स्वीकार नहीं किया. साल 2021 में अमेरिका ने अप्रत्याशित रूप से अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से रातोंरात वापस बुला लिया था जिसके बाद से वहां तालिबान का शासन है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के तालिबान शासन को बगराम एयरबेस वापस नहीं करने पर बुरे नतीजे की धमकी दी है. उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अफगानिस्तान बगराम एयरबेस को उसके निर्माता यानी अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो बहुत बुरा होगा. इससे पहले ब्रिटेन दौरे पर ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका बगराम एयरबेस को वापस पाने की कोशिश कर रहा है. ट्रंप का दावा है कि चीन के परमाणु हथियार बनाने वाले इलाके से यह बेस सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है इसलिए अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बहुत अहम है. अफगानिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य ठिकाना रहे बगराम एयरबेस का अमेरिका ने बीस साल तक इस्तेमाल किया. साल 2021 में अमेरिकी सेना ने अप्रत्याशित रूप से भारी अफरातफरी के बीच रातोंरात अफगानिस्तान से वापसी की थी. जिसके बाद काबुल एयरपोर्ट पर मची अफरातफरी और आत्मघाती हमले में 13 अमेरिकी सैनिकों समेत 170 लोग मारे गए थे. इस पूरे घटनाक्रम के दौरान दो दशकों के बाद अफगानिस्तान में एकबार फिर तालिबान का शासन वापस लौटा. अमेरिका ने जिस अराजक तरीके से रातोंरात सारा साजो-सामान छोड़कर अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुलाया, उसकी भारी किरकिरी हुई थी. अब ट्रंप भी अपने पूर्ववर्ती बाइडेन शासन के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहते हैं कि वे भी अपने कार्यकाल के दौरान अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को निकालने वाले थे लेकिन ताकत और गरिमा के साथ.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.